हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● मंगलवार ● 03.02.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 189 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

आत्मनिर्भरता राष्ट्र निर्माण का मूल आधार : प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को आत्मनिर्भरता को राष्ट्र निर्माण का मूल आधार बताते हुए कहा कि आत्मनिर्भरता वह दीपक है, जो आत्मसम्मान और सामर्थ्य का मार्ग दिखाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार का केंद्रीय बजट देश के युवाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए संस्कृत का एक सुभाषित भी उद्धृत किया, नाम्भोधिरर्थितामेति सदाम्भोभिश्च पूर्यते। आत्मा तु पात्रतां नेय: पात्रमायान्ति सम्पद:॥ प्रधानमंत्री ने इस सुभाषित के माध्यम से यह संदेश दिया कि संपदा और अवसर उसी के पास आते हैं, जो स्वयं को योग्य बनाता है।

झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक पांच को

रांची : रांची-मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) द्वारा सूचित किया गया है कि मंत्रिपरिषद् की बैठक, गुरूवार, दिनांक 05 फरवरी 2026 को अपराह्न 02:00 बजे से झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी।

राष्ट्रपति छह दिवसीय दौरे पर भुवनेश्वर पहुंचीं

भुवनेश्वर : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने छह दिवसीय ओडिशा दौरे पर सोमवार की शाम को भुवनेश्वर पहुंचीं। वह भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरीं, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। हवाई अड्डे पर ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कुंभमपाटी और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने राष्ट्रपति का स्वागत किया। इसके बाद राष्ट्रपति सीधे हवाई अड्डे से लोक भवन के लिए रवाना हुईं, जहां वह ठहरेंगी। अपने दौरे के तहत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मंगलवार को जाजपुर, बालेश्वर और पुरी जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने चाईबासा में 398 करोड़ की 197 योजनाओं का किया शिलान्यास-उद्घाटन

हमारी सरकार हेडक्वार्टर से नहीं गांवों से चल रही : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए काफी महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक है। इस बार भी शूरवीरों की धरती सेरेंगसिया में अपने अमर वीर शहीदों को नमन और श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एकत्रित हुए हैं। यह दिन हमें अपने वीरों के बलिदान की गाथा को याद दिलाता है। कहा कि इस अवसर पर हम सभी अपने अमर वीर शहीदों के आदर्श और सपनों को पूरा करने का संकल्प लें। श्री सोरेन सोमवार को पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत टोटो प्रखंड में सेरेंगसिया के शहीदों को नमन,सह परियोजनाओं के शिलान्यास-उद्घाटन एवं परिसंपत्ति वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

197 विकास योजनाओं की दी सौगात

- 224 करोड़ 78 लाख 77 हजार 843 रुपये की लागत से 122 योजनाओं का शिलान्यास।
- 173 करोड़ 40 लाख 57 हजार 405 रुपये की लागत से 75 योजनाओं का उद्घाटन किया गया।
- विभिन्न विभागों की योजनाओं के अंतर्गत 3 लाख 77 हजार 256 लाभार्थियों के बीच 637 करोड़ 43 लाख 13 हजार 500 रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। वहीं, 1479 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार हेडक्वार्टर से नहीं, गांवों से चल रही है। आज सरकार और उसकी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है। लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है। हमारी सरकार की नीतियों और योजनाओं का सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है। आज झारखंड विकास के हर मोर्चे पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक आप आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और बौद्धिक रूप से मजबूत नहीं होंगे तब तक आगे नहीं बढ़ सकते हैं। यही वजह है कि हमारी सरकार हर किसी को इस दृष्टिकोण से सशक्त बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि वे अपने बच्चे-बच्चियों को हर हाल में पढ़ाएं। इसमें सरकार आपको हर स्तर पर सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब और जरूरतमंद बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले,इसके लिए कई योजनाएं चल रही है। आज हम बच्चों को निजी विद्यालयों की तर्ज पर उत्कृष्ट शिक्षा दे रहे हैं। उन्हें मेडिकल और इंजीनियरिंग समेत अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग दी जा रही है। विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए शत प्रतिशत स्कॉलरशिप दी जा रही है। हमारी कोशिश यही है यहां के बच्चे भी ऊंचे पदों पर पहुंच सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना हमारा संकल्प है। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना इसी कड़ी का एक अहम हिस्सा है। इस योजना के माध्यम से 18 से 50 वर्ष तक की महिलाओं को हर वर्ष तीस हजार रुपये दे रहे हैं ताकि वे अपने बल पर अपने को खड़ा कर सकें। ऐसी ही कई और योजनाएं हैं, जिनके जरिए हम राज्य वासियों को सहूलियत और सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 398 करोड़ 19 लाख 35 हजार 298 रुपये की लागत से 197 विकास योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। इसमें 224 करोड़ 78 लाख 77 हजार 843 रुपये की लागत से 122 योजनाओं का शिलान्यास एवं 173 करोड़ 40 लाख 57 हजार 405 रुपये की लागत से 75 महत्वाकांक्षी योजनाओं का उद्घाटन शामिल है। इसके साथ विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं के 3 लाख 77 हजार 256 लाभार्थियों के बीच 637 करोड़ 43 लाख 13 हजार 500 रुपये की परिसंपत्तियां बांटी, इसके अलावा 1479 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इसके पूर्व उन्होंने सेरेंगसिया शहीद स्मारक पर शीश नवाकर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ हुए संघर्ष के महानायक पोटो हो सहित तमाम वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड हमेशा से शूरवीरों की धरती रही है। साल का कोई भी ऐसा दिन नहीं होता है,जब हम किसी ना किसी वीर शहीद का शहादत दिवस न मनाते हों। अपने वीर शहीदों का सम्मान हमारी परंपरा में शामिल है। इस परंपरा को हम और मजबूती से आगे बढ़ा रहे हैं ताकि हमारे पूर्वजों में जो शहादत दी थी, उसे आने वाली पीढ़ी को बता सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब देश में आजादी की लड़ाई शुरू भी नहीं हुई थी उस वक्त हमारे पूर्वजों ने अंग्रेजों से लोहा लिया था। कोल्हान का कोल विद्रोह इतिहास के पन्नों में दर्ज है,क्योंकि हमारे आदिवासी और पूर्वजों ने अपनी पहचान,जल-जंगल-जमीन की रक्षा और अंग्रेजों के अन्याय, शोषण और जुल्म के खिलाफ संघर्ष में अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया था। संघर्षों के महानायक भगवान बिरसा मुंडा, सिदो कान्हु, नीलांबर पीतांबर और पोटो हो जैसे अनेकों वीरों और उनकी शहादत की गवाह यह धरती रही है। इस अवसर पर मंत्री दीपक बिरुवा, सांसद जोबा मांझी, विधायक निरल पूर्ति, विधायक दशरथ गागरई, विधायक सुखराम उरांव, विधायक सोनाराम सिंकू, विधायक सविता महतो, विधायक समीर मोहंती, विधायक संजीव सरदार, विधायक जगत मांझी, विधायक सोमेश चंद्र सोरेन, जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरीन, पुलिस उप महानिरीक्षक अनुरंजन किस्पोट्टा तथा जिले के उपायुक्त चंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक अमित रेणु उपस्थित रहे।

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के दुमका आगमन पर दुमका हवाई अड्डा परिसर में दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर, जिला प्रशासन के पदाधिकारियों ने किया स्वागत।

एसआईआर को लेकर ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त से की मुलाकात

एजेंसी

नयी दिल्ली : अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े कई मुद्दों को उनके समक्ष उठाया। सूत्रों ने बताया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने तृणमूल प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा कि देश में कानून का राज सर्वोपरि रहेगा। कोई भी व्यक्ति या संगठन यदि कानून को अपने हाथ में लेता है तो उसके विरुद्ध निर्वाचन आयोग को प्रदत्त शक्तियों और कानून के प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सूत्रों के मुताबिक तृणमूल कांग्रेस के कुछ विधायक खुले तौर पर निर्वाचन आयोग, विशेष रूप से मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ अपमानजनक, अभद्र और धमकी भरी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। इसके साथ ही चुनावी कार्यों में लगे अधिकारियों को धमकाने की घटनाएं भी सामने आई हैं। राज्य में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और विधायकों द्वारा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालयों-जिनमें उप-मंडल अधिकारी और प्रखंड विकास अधिकारी कार्यालय शामिल हैं-में तोड़फोड़ और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं हुई हैं। सूत्रों के अनुसार निर्वाचन आयोग ने यह स्पष्ट किया कि एसआईआर प्रक्रिया में लगे किसी भी अधिकारी पर किसी भी प्रकार का दबाव, बाधा या हस्तक्षेप पूरी तरह अस्वीकार्य है और ऐसे मामलों में कड़ा रुख अपनाया जाएगा।

इस बीच, बीएलओ को देय मानदेय को लेकर भी गंभीर चिंता जताई गई है। प्रत्येक बूथ लेवल अधिकारी को कुल 18,000 रुपये का मानदेय मिलना है, लेकिन अब तक केवल 7,000 रुपये का ही भुगतान किया गया है। आयोग ने शेष राशि का शीघ्र और बिना किसी और देरी के भुगतान सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। सूत्रों ने बताया कि एसआईआर के लिए तैनात किए गए कई निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अपेक्षित स्तर के नहीं हैं और वे उप-जिलाधिकारी या तहसीलदार स्तर के अनुरूप नहीं माने जा रहे हैं, जिससे कार्य की गुणवत्ता और प्रभावशीलता प्रभावित हो रही है।

राहुल के भाषण पर हंगामा, लोकसभा दिनभर के लिए स्थगित

एजेंसी

नयी दिल्ली : लोकसभा में सोमवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पूर्व सेना अध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक पर एक मैग्जीन के लेख को सदन में उठाना चाहा। सत्ता पक्ष के विरोध और लोकसभा अध्यक्ष के व्यवस्था देने के बावजूद राहुल गांधी के बार-बार विषय उठाने के चलते कार्यवाही दो बार स्थगित हुई और बाद में दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा में सोमवार राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा आरंभ हुई। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चर्चा में भाग लेते हुए 2020 में भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख की सीमा पर हुई सैन्य तनातनी का मुद्दा उठाया। उन्होंने उस समय सेना अध्यक्ष रहे जनरल नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक पर एक मैग्जीन में छपे आलेख के आधार पर सत्ता पक्ष पर निशाना साधा। इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आपत्ति जताई।

रक्षा मंत्री की आपत्ति इस बात को लेकर थी कि राहुल गांधी अप्रकाशित पुस्तक का हलावा दे रहे हैं जिसे सत्यापित नहीं किया जा सकता। लोकसभा अध्यक्ष ने भी राहुल गांधी से केवल उन्हीं बातों को सदन में रखने को कहा जिन्हें वे सत्यापित कर सकते हैं। इसके बावजूद राहुल गांधी के मुद्दा उठाने के चलते सदन की कार्यवाही पहले 3 बजे और बाद में 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। दो बार स्थगन के बाद राहुल गांधी ने फिर मुद्दा उठाना चाहा और कहा कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा उठा रहे हैं और उन्हें इस कारण से बोलने नहीं दिया जा रहा है। इसके बाद कार्यवाही को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

लोकसभा में चर्चा में भाग लेते हुए राहुल गांधी ने अपने वक्तव्य की शुरूआत में कहा कि भाजपा नेता तेजस्वी सूर्या ने विपक्ष के राष्ट्रभक्त होने पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने, वहां बैठे युवा सहयोगी (तेजस्वी) ने कांग्रेस पर एक आरोप लगाया। मैं यह मुद्दा उठाने वाला नहीं था, लेकिन क्योंकि उन्होंने हमारे देशभक्ति के भाव, भारतीय संस्कृति की हमारी समझ पर सवाल उठाया है, इसलिए मैं अपनी बात शुरू करना चाहता हूं। मैं पहले कुछ पढ़कर सुनाना चाहता हूं। यह पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की स्मृतियों से लिया गया है।

गृहमंत्री अमित शाह ने भी राहुल के वक्तव्य के दौरान हस्तक्षेप किया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी सूर्या ने विपक्ष की देशभक्ति पर सवाल नहीं उठाये हैं। उन्होंने सरकारों की मंशा पर सवाल उठाए हैं। कहीं पर भी विपक्ष की देशभक्ति पर सवाल नहीं उठा है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी सदन में मौजूद थे। लोकसभा अध्यक्ष ने विषय पर व्यवस्था देते हुए कहा कि राहुल गांधी पूर्व सेना अध्यक्ष जनरल नरवणे का मुद्दा नहीं उठाएंगे। राहुल के बार-बार इस मुद्दे को उठाने पर उन्होंने उनसे कहा कि अगर आप सदन में नियम प्रक्रियाओं से नहीं बोलना चाहते तो उन्हें इजाजत नहीं मिलेगी। वे अगले वक्ता को बुलाएंगे। बार-बार आसन की अवमानना से सदन नहीं चलेगा। इसके बाद उन्होंने समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव को अगले वक्ता के तौर पर अपनी बात रखने के लिए भी कहा। इसके बाद सदन की कार्यवाही नहीं चलने पर कार्यवाही को 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। दोबारा सदन शुरू होने पर राहुल ने एक बार फिर चीन-भारत का मुद्दा उठाया। सत्ता पक्ष ने इसपर आपत्ति जताई। ससंदीय कार्यमंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि हमें लगता है कि राहुल सुधर जाएंगे लेकिन वे नहीं सुधरे। उन्होंने राहुल से आग्रह किया कि सदन को चलने दीजिए और उनके पास कहने को बहुत बातें हैं। यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है।

विधायक रागिनी सिंह के आवास 'सिंह मेंशन' पर बमबाजी, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : आनगर निकाय चुनाव की सरगर्मी के बीच रविवार देर रात सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित सिंह मेंशन में बमबाजी की घटना सामने आई है। घटना की सूचना मिलते ही सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच शुरू की। मिली जानकारी के अनुसार रात करीब 11:30 से 12 बजे के बीच बाइक सवार अपराधियों ने सिंह मेंशन को निशाना बनाते हुए दो बम फेंके। इनमें से एक बम सिंह मेंशन के गेट के अंदर जाकर ब्लास्ट हुआ, जबकि दूसरा बाहर ही गिर गया। बताया जा रहा है कि जहां बम ब्लास्ट हुआ, वहां आमतौर पर लोग बैठते हैं। गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के वक्त झरिया के पूर्व

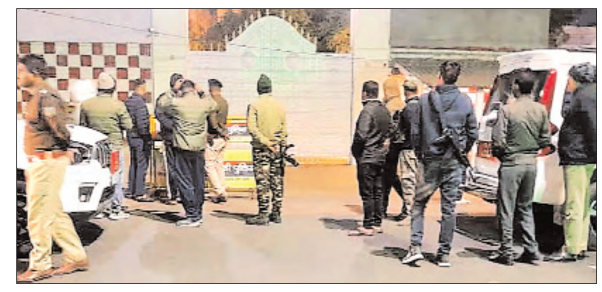

विधायक संजीव सिंह, उनकी धर्मपत्नी झरिया विधायक रागिनी सिंह अपने कमरे में मौजूद थी। बमबाजी के बाद आवास परिसर में अफरातफरी मच गई। भीतर मौजूद लोग और सुरक्षा गार्ड बाहर की ओर दौड़े, लेकिन तब तक अपराधी फरार हो चुके थे।

सूचना मिलने के बाद सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे और सबसे पहले पूर्व विधायक संजीव सिंह से घटना की जानकारी ली। इसके बाद पुलिस ने सिंह मेंशन में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। जांच के लिए सीसीटीवी का डीवीआर पुलिस अपने साथ ले गई है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों के फुटेज भी खंगाल रही है। सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि बमबाजी की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और सभी बिंदुओं पर पड़ताल की जा रही है।

एक नजर

बंद घर का ताला तोड़कर जेवरात एवं नकदी की चोरी

बरही : बरही थाना क्षेत्र के हरि नगर मोहल्ला निवासी सुषमा कुमारी पुत्र दीपक कुमार के घर में बीते रात्रि अज्ञात चोरों ने बंद घर में ताला तोड़कर आलमारी में रखा लाखों की सोने चांदी सहित नगदी चोरी कर ली। भुक्तभोगी दीपक कुमार ने बरही थाना में आवेदन देकर उचित कार्रवाई की मांग की है। दिए गए आवेदन में उन्होंने बताया कि सोने से बनी चैन 02, मंगलसूत्र 01, चूड़ी 04, कान की बाली 04 ,अंगूठी 04, लॉकेट 02 एवं चांदी की बनी पायल 6 जोड़ा 700 ग्राम और नकद 7000 रुपए की चोरी हुई है।

अवैध अफीम खेती पर बड़ा प्रहार, 25 एकड़ फसल नष्ट

चौपारण : थाना क्षेत्र में अवैध अफीम की खेती के खिलाफ पुलिस एवं वन विभाग ने संयुक्त अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार को थाना अंतर्गत ग्राम ढोडिया व अंजन के विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर लगभग 25 एकड़ क्षेत्र में अवैध रूप से लगी अफीम की फसल को चिन्हित करते हुए मौके पर ही विनष्ट कर दिया गया अभियान के दौरान घटनास्थल से 6 डिलीवरी पाइप भी बरामद किए गए, जिन्हें मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। पुलिस के अनुसार अवैध खेती में संलिप्त लोगों के नाम-पता का सत्यापन किया जा रहा है। दोषियों की पहचान होते ही उनके विरुद्ध मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस संयुक्त अभियान में एसडीपीओ बरही अजीत कुमार बिमल, पु0नि0 चंद्रशेखर, चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी सहित पुलिस बल तथा वन विभाग से वनपाल सरवन कुमार शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि ड्रोन की मदद से दुर्गम इलाकों को चिन्हित कर अफीम की खेती को नष्ट किया जा रहा है। साथ ही अवैध मादक पदार्थों की खेती एवं तस्करी के विरुद्ध आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आत्मनिर्भरता, बुनियादी ढांचा और महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित बजट : महेश ठाकुर

बरही : एनसीपी जिलाध्यक्ष महेश ठाकुर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026झ27 के केंद्रीय बजट को ऐतिहासिक, दूरदर्शी और देश के समग्र विकास की दिशा में मजबूत बजट बताया। महेश ठाकुर ने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प को जमीनी स्तर पर साकार करने वाला है।उन्होंने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूहों, महिला स्टार्टअप्स और कौशल विकास कार्यक्रमों को प्रोत्साहन देकर इस बजट ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का ठोस रोडमैप प्रस्तुत किया है। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में नए मेडिकल कॉलेज, आधुनिक अस्पताल, डिजिटल हेल्थ सिस्टम और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को आम जनता के लिए बड़ी राहत बताया। रक्षा के क्षेत्र में बजट बढ़ाकर देश की सामरिक शक्ति को बढ़ाना अजबूत कदम है।

पंकरी-बरवाडीह स्थित विश्व प्रसिद्ध मेगालिथ स्थल का निदेशक आरिफ एकराम ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : विश्व प्रसिद्ध बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत पंकरी बरवाडीह गांव में स्थित मेघालिथ स्थल का पर्यटन कला संस्कृति खेल एवं युवा कार्य विभाग के निदेशक आरिफ एकराम ने निरिक्षण किया व ग्रामीणों व मौजूद लोगों से विस्तृत जानकारी ली। वहीं इस स्थल को विकिसित करने के लिए जिला योजना पदाधिकारी डीपीओ पंकज तिवारी से इसके विकास के लिए की गई, गतिविधि की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुल क्षेत्रफल लगभग 1600 मीटर है जिसमें सीएसआर मद से 3 करोड़ की राशि आवंटित किया गया है। वहीं चारदीवारी निर्माण के लिए 1 करोड़ 99 लाख रुपए का कार्य

योजना का प्रस्ताव भेजा गया है। रैयतों व ग्रामीण की मुआवजा व रोजगार की मांग की है । विभाग द्वारा निर्णय लिया जाना है वहीं अमीन व कर्मचारी से इसका सीमाकंन व कुल रकवा व कितने रैयतों की भूमि है उसकी भी जानकारी ली । ग्रामीणों ने कहा कि यह क्षेत्र एनटीपीसी का खनन क्षेत्र में आता है और इस जमीन में सेक्शन 9 लगाया गया जिसे कंपनी व भारत सरकार से हटाया जाय और राज्य सरकार मेगालिथ पार्क निर्माण के लिए अधिग्रहण करें वहीं बरवाडीह गांव से भी सेक्शन 9 हटाने की अनुरोध किया। इसपर निदेशक ने कहा कि इसपर देखना होगा। जियोलॉजिकल विभाग से सर्वे करवाकर फिर उसके रिपोर्ट के अनुसार केंद्र सरकार को खनन क्रियाकलाप से मेगालिथ पार्क विकसित करने को लेकर अन्य गतिविधी के लिए डीनोटिफाइट. के लिए आवेदन देकर प्रकिया आगे बढ़ानी होगी। तत्पश्चात निर्देश मिलने के बाद आगे बढ़ेंगे वहीं जो भी कार्य किया जाएगा। उसमें रैयतों ग्रामीणों के सहयोग व सहमति से विधिसम्मत प्रकिया के तहत ही कोई आगे का कार्य किया जाएगा। जिसमें आप सभी की सहभागिता आवश्यक होगी। वहीं इस दौरान लगभग 400 मीटर दूरी पर स्थित पचपड़वा स्थित बौद्ध स्तूप का भी अवलोकन किए । इस मौके पर पर्यटन कला, संस्कृति, खेल एवं युवा कार्य विभाग के निदेशक आरिफ एकराम, वहीं विभाग के अधिकारी, भारत सरकार पुरात्तव विभाग रांची की टीम, डीपीओ पंकज कुमार तिवारी, कार्यपालक अभियंता ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल अमरेन्द्र कुमार, अंचलाधिकारी मनोज कुमार, थाना प्रभारी कृष्णा कुमार गुप्ता, सहायक अभियंता लव कुमार, कनीय अभियंता धनंजय कुमार, अमीन नरेंद्र कुमार, कर्मचारी मनीष पाठक, जितेन्द्र दास, मुखिया प्रतिनिधि राजकुमार साव, के अलावे रैयत रुपलाल साव, कोल्हा साव, महावीर साव, गेंदों साव, सरयू साव, कृष्णा कुमार साव, व सुनील कुमार, सचिन कुमार, दिपू साव, राजु साव, कोमलचंद साव, विजय कुमार, निर्मल साव, भुनेश्वर साव, शिवनारायण साहु, नरेश कुमार साव, सहित दर्जनों ग्रामीण महिला पुरुष मौजूद थे।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागी हुए पुरस्कृत, आईपीएस अविनाश कुमार हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : रॉयल ऑर्किड इंटरनेशनल स्कूल बरही में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 16 दिसंबर 2025 से 22 दिसंबर 2025 तक उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ था। इसमें सफल प्रतिभागियों के लिए पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य अतिथि पदमा जैप के समादेष्टा आईपीएस अविनाश कुमार मुख्य रूप से शामिल हुए। मुख्य अतिथि को स्कूल के डायरेक्टर अनूप कुमार सिंह, प्रिंसिपल आलोक कुमार और प्रिंस कुमार मिश्रा ने संयुक्त रूप पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। सफल प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि अविनाश कुमार ने मेडल, मोमेंटो, ट्रॉफी और सर्टिफिकेट देकर बच्चों को हौसला अफजाई किया। इस अवसर पर आईपीएस अविनाश कुमार ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि विद्यार्थी जिस क्षेत्र में

जाना चाहे वह प्रशासनिक क्षेत्र हो, खेल का क्षेत्र हो, शिक्षा का क्षेत्र हो,कृषि का क्षेत्र हो सभी जगह टेक्नोलॉजी का उपयोग करना जरूरी होता है। किसी भी कार्य में अपने हौसला को मजबूत रखे और अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहे। साथी ही साथ यह भी बताया कि इस तरह का कार्यक्रम पुलिस कैंप में होना स्कूल प्रबंधक और प्राचार्य सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि खेलकूद से शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में आलोक कुमार, शिक्षक शुभम दुबे, भुवनेश कुमार, संजय कुमार दास आकांक्षा मरांडी, श्वेता साहू, राणा दास का सक्रिय सहयोग रहा।

कारीमाटी में वैदिक रुद्रमहायज्ञ को लेकर भव्य कलश यात्रा, जिप उपाध्यक्ष हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत ग्राम कारीमाटी में आयोजित वैदिक श्री श्री 1008 श्री रुद्रमहायज्ञ एवं सत्संग प्रवचन कार्यक्रम के अवसर पर गाजे-बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव सहित कई राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव ने श्रद्धालु महिलाओं को कलश प्रदान कर यात्रा का विधिवत शुभारंभ किया। कलश यात्रा में महिलाओं, युवाओं एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में सद्भाव, संस्कार और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं तथा सामाजिक

एकता को सुदृढ़ बनाते हैं। कलश यात्रा के दौरान तिलैया जलाशय के चेचरो पार्क साइड से विधिवत जल उठाकर पुनः यज्ञ स्थल पर कलश स्थापित किया गया। इस दौरान हर हर महादेव के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजन समिति, कारीमाटी के अध्यक्ष उमेश प्रसाद यादव, सचिव संजय यादव एवं कोषाध्यक्ष विजय कुश राणा की सक्रिय भूमिका रही। समिति की ओर से बताया गया कि 11 फरवरी की रात्रि 9 बजे दुगोला कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय लोगों का अहम योगदान है।

जंगल सुरक्षा को लेकर वन विभाग अलर्ट अवैध लकड़ी लदा ट्रैक्टर किया जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रादेशिक वन विभाग ने अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए प्रखंड क्षेत्र कांटी में बड़ी कार्रवाई की है। वन विभाग की टीम ने अभियान चलाकर अवैध लकड़ी लदे एक ट्रैक्टर को मौके पर पकड़कर जब्त कर लिया। जानकारी के अनुसार, वन विभाग को क्षेत्र में अवैध रूप से लकड़ी की ढुलाई की सूचना मिल रही थी। इसी क्रम में टीम ने निगरानी बढ़ाते हुए जांच अभियान चलाया, जहां संदिग्ध ट्रैक्टर को रोका गया। जांच के दौरान ट्रैक्टर

पर भारी मात्रा में लकड़ी लदी पाई गई, जिसके वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इस कार्रवाई में वनपाल संटू कुमार सहित विभाग के अन्य कर्मी भी मौजूद रहे। वन विभाग ने ट्रैक्टर एवं लकड़ी को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। विभाग ने कहा कि जंगलों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और अवैध कटाई व तस्करी करने वालों के विरुद्ध आगे भी लगातार अभियान जारी रहेगा।

इवेंट पार्टी हॉल का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : दैनिक बाजार स्थित आर-पी ज्वेलर्स परिसर में इवेंट पार्टी हॉल का शुभारंभ किया गया। जिसका उद्घाटन पूर्व प्रधानाध्यापक रघुनाथ प्रसाद स्वर्णकार के द्वारा विधिवत रूप से फीता काटकर किया गया। मौके पर इवेंट पार्टी हॉल के संचालक राधा वर्मा ने बताया कि किसी भी तरह की छोटी-बड़ी पार्टी के लिए यहां के स्थानीय लोगों को कहीं दूर नहीं जाना पड़ेगा और इस पार्टी हॉल में कम से कम बजट में वह अपना पार्टी मना सकेंगे। इसके अलावा इस हाल में विभिन्न कार्यक्रमों जैसे बर्थडे पार्टी, रिंग सेरेमनी, शादी व निजी पार्टी के लिए उपयुक्त है। जिसमें बड़ी संख्या में मेहमान आ सकते हैं और पार्टी का आनंद उठा सकते हैं। उद्घाटन समारोह में उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से रघुनाथ प्रसाद, अवधेश वर्मा, नीलम वर्मा, ब्रजेश वर्मा, संध्या वर्मा, मुकेश वर्मा, स्मिति वर्मा, पम्मी वर्मा, क्विक वर्मा, चितरंजन वर्मा, राधा वर्मा, मेघा वर्मा, अभिषेक वर्मा, प्रियांशु वर्मा, यश वर्मा, प्रियम वर्मा, सरस वर्मा के अलावा दर्जनों से अधिक लोग उपस्थित थे।

रूपेश हत्याकांड में दो आरोपी बरी, तीन को सजा

बरही : थाना क्षेत्र के दुलमाहा गांव में 6 फरवरी 22 के रूपेश पाण्डेय हत्याकांड में सोमवार को रांची के सीबीआई के माननीय अदालत ने पांच आरोपीयों में से दो को बरी किया तथा तीन आरोपियों को सजा सुनाई गई। अदालत ने मो इस्तेखार तथा मो इरफान को बरी वहीं मो असलम उर्फ.पप्पू,गुरफान तथा मो कैफ को सजा सुनाई गई। बरी हुए आरोपियों के फैसले के खिलाफ पीड़ित पक्ष माननीय हाईकोर्ट में इस फैसले के खिलाफ अपिल करने की बात कही।

विधायक के प्रयास से बड़कागांव और केरेडारी प्रखंड के आंगनबाड़ी केंद्रों का होगा कायाकल्प

बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता : रोशन लाल चौधरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड एवं केरेडारी प्रखंड में नन्हे बच्चों के पढ़ने वाले आंगनबाड़ी केंद्रों का जर्जर स्थिति को देखते हुए बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने आंगनबाड़ी केंद्रो को प्राथमिकता के साथ लेते हुए अथक प्रयास के साथ आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत और सौंदर्यीकरण का काम विद्युतीकरण ,चापाल समरसेबल पंप के साथ स्वच्छता कार्य , सेप्टिक टैंक एवं अन्य स्टेशनरी कार्य कर नन्हे बच्चों के पढ़ने के लायक बनाया जाएगा। इस संबंध

में विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा की यह नन्हे बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं और इन बच्चों के शिक्षा और सुरक्षा की व्यवस्था देना हमारी पहली प्राथमिकता है। हम अपने भविष्य के साथ शिक्षा और सुरक्षा में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं करना चाहते हैं।इसलिए सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में पठन-पाठन की नई व्यवस्था के लिए यह कार्य किया जा रहा है।जिसमें इन केंद्रों पर बच्चों के लिए बेहतर बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, और पोषण संबंधी सुविधाओं को आधुनिक बनाने पर कार्य किया जाएगा।विधायक ने स्थानीय लोगों से अपील करते हुए कहा है कि अपने देखरेख में पूरी मजबूती के साथ यह कार्य को करने का कार्य करें यह हमारे बच्चों के भविष्य की बात है।पहले फेस में एक करोड़ 31 लाख 56500 की लागत से बड़कागांव प्रखंड के नयाटांड हरिजन टोला, हरली हरिजन टोला, डोकाटांड नापोकला हरिजन टोला, इसको स्थित आंगनबाड़ी केंद्र, केरेडारी प्रखंड अंतर्गत गर्रीकला - 2, गर्रीकला भुईयां टोला, गर्री चमार टोला, बेलतू 2, बेलतू 3, जमीरा, चट्टीपेटो 1, पुरनीपेटो, बेलापेटो, बेलाटोला, केन्दुवाटांड, कराली, सलगा 2, कुठान के आंगनबाड़ी केंद्रो का कायाकल्प होगा।

आंगनबाड़ी केंद्र महुदी की स्थिति जर्जर

मॉडल आंगनबाड़ी नर्सरी स्कूल केंद्र महुदी ब्रेकअप चबूतरा की स्थिति काफी जर्जर है।इसके लेकर ग्राम महुदी के ग्रामीणों ने कायाकल्प करने की मांग की है। मांग करने वालों में मुख्य रूप से सेविका मंजुला राणा, सहायिका सालेकुन निशा, सहिया साथी आशिया खातून, एएनएम मंजू प्रसाद, सुभान अंसारी , मो. यूनुस , तनवीर आलम , सीताराम राणा , रविकांत महतो , हैदर अली, फोटो महतो, अफतर हुसैन , मोईन अंसारी आदि ने मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

एक माह से लापता संजय कुमार यादव, परिजनों की बढ़ी चिंता

बरही : झारखंड के हजारीबाग जिले के बरही प्रखंड अंतर्गत बसरिया पंचायत के पंचमाधव गांव निवासी चंद्र यादव के छोटे पुत्र संजय कुमार यादव बीते एक माह से लापता हैं। संजय के अचानक गायब हो जाने से परिजनों की चिंता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 02 जनवरी 2026 को संजय कुमार यादव अपने बड़े भाई के साथ काम के सिलसिले में अहमदाबाद गए थे। वहां से वह गोवा में काम करने के उद्देश्य से ट्रेन द्वारा रवाना हुए। संजय पेशे से पेस ड्राइवर हैं। गोवा जाने की जानकारी उन्होंने अपने मंझले भाई को भी दी थी। परिजनों ने बताया कि ट्रेन में सवार होने के बाद संजय ने लगभग दो दिनों तक अपने भाई तथा पत्नी-बच्चों से मोबाइल फोन पर बातचीत की, लेकिन इसके बाद अचानक उनका मोबाइल फोन बंद आने लगा। परिजनों ने गोवा में जहां वह काम करने वाले थे, वहां भी संपर्क किया, लेकिन बताया गया कि संजय वहां कभी पहुंचे ही नहीं। काफी खोजबीन और प्रयासों के बावजूद जब कोई सुराग नहीं मिला तो परिजनों ने आम जनता से सहयोग की अपील की है। यदि किसी को संजय कुमार यादव के संबंध में कोई भी जानकारी मिले तो वे 9304010041 इस नंबर पर सूचना दें।

रेनबो स्कूल बरही में कक्षा दसवीं के छात्रों को दी गई विदाई

बरही : शिवपुर गडलाही स्थित रेनबो स्कूल, बरही में कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई एवं उत्साहवर्धन के लिए एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक सिकन्दर प्रसाद कुशवाहा सहित सभी शिक्षकों ने छात्रों को मैट्रिक परीक्षा के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान निदेशक सिकन्दर प्रसाद कुशवाहा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि कक्षा दसवीं की परीक्षा विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने छात्रों से आत्मविश्वास, अनुशासन और मेहनत के साथ परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि नियमित अध्ययन और सकारात्मक सोच से सफलता अवश्य प्राप्त होती है। विद्यालय के शिक्षकों ने भी छात्रों को परीक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए और तनावमुक्त रहकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक सदैव छात्रों के मार्गदर्शन और सहयोग के लिए तत्पर हैं। इस अवसर पर कक्षा दसवीं के जिन विद्यार्थियों को विदाई दी गई, उनमें प्रियांशु, अभय, सुजल, आयुष, धीरेंद्र, पूनम, राखी, मनीषा, वंशिका, तमिल राजा, फैज आलम, शुभम राणा, गौतम कुमार एवं अंकित कुमार शामिल हैं। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों में गौरी शंकर, अरमान आलम, परवीन कुमार, शुभम कुमार, उषा यादव, सुधा यादव, विशाल कुमार, पृथ्वीराज अंजली, कुमारी श्वेता कुमारी, पंकज कुमार, सुजीत कुमार, राहुल प्रजापति एवं विनय सकलदेव शामिल रहे। सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों को सफलता के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनका मनोबल बढ़ाया।

एनटीपीसी में नैशनल एग्जिक्युटिव फेडरेशन ऑफ इंडिया का हुआ आयोजन

बड़कागांव : हजारीबाग जिला स्थित कोल माइनिंग परियोजनाओ तत्वाधान सीकरी साइड कार्यालय में दो दिवसीय नेशनल एग्जिक्युटिव फेडरेशन ऑफ इंडिया का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभर की विभिन्न एनटीपीसी परियोजनाओं से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया और कर्मचारियों के कल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत रूप से विचार-विमर्श किया गया। बैठक की शुरूआत पकरी बरवाडीह कोल माइनिंग परियोजना के परियोजना प्रमुख सुब्रत कुमार दास के स्वागत संबोधन से हुई। उन्होंने एसोसिएशन के सभी प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत करते हुए कर्मचारियों के कल्याण को सुदृढ़ करने के लिए सामूहिक संवाद और सहभागिता के महत्व पर बल दिया। इसके पश्चात सभी एनईएफआई प्रतिनिधियों द्वारा स्वर्गीय कुमार गौरव को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनके योगदान को स्मरण करते हुए उनकी स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया। दो दिवसीय काउंसिल मीटिंग के दौरान एनटीपीसी कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। प्रमुख विषयों में सुरक्षा एवं संरक्षा उपायों के साथ-साथ कर्मचारियों के समग्र कल्याण और हितों से जुड़े अन्य विषय शामिल रहे। इस बैठक में एनईएफआई के अध्यक्ष कुमार देवाशीष, महासचिव राजेन्द्र जाट सहित देशभर की 42 से अधिक एनटीपीसी परियोजनाओं से आए एनईएफआई प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

तेलोडीह में हर्षोल्लास के मनाई गई संत रविदास जयंती

बरही : रविवार को बरही प्रखंड के दुलमाहा पंचायत अंतर्गत तेलीडीह गांव में हर्षोल्लास के साथ संत रविदास जयंती मनाई गई। इस मौके ग्रामीण महिला पुरूष बच्चे उत्साह पूर्वक शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त शिक्षक राजकुमार रविदास ने कहा कि रविदास जयंती संत गुरु रविदास जी के सम्मान और उनके महान विचारों को याद करने के लिए मनाई जाती है। उन्होंने अपनी शिक्षाओं, उपदेशों और भक्ति के माध्यम से लोगों को समानता, प्रेम और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने कहा था कि सभी मनुष्य समान हैं और किसी भी व्यक्ति को जाति, धर्म या वर्ग के आधार पर छोटा-बड़ा नहीं समझना चाहिए। मौके पर राजकुमार रविदास,सुरेन्द्र रविदास, चन्द्रदेव रविदास ,सुखदेव रविदास,जितेन्द्र रविदास ,रुपेश रविदास, महेश रविदास, रामवल्लू, दिपर्क, नीतिश, मुन्ना सहित कई लोग शामिल हुए।

राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल से राज्यपाल संतोष गंगवार ने किया संवाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को लोक भवन, रांची में राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल से संवाद करते हुए कहा कि राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रणनीतिक अध्ययन का एक प्रतिष्ठित संस्थान है। इसका गौरवशाली इतिहास न केवल भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी इसकी विशिष्ट पहचान स्थापित करता है। राज्यपाल महोदय ने संवाद के क्रम में कहा कि वीरों की धरती झारखंड प्राकृतिक संसाधनों, खनिज संपदा, समृद्ध संस्कृति और परंपराओं से सम्पन्न राज्य है। यहां के जनजातीय समाज की परंपराएं विश्वप्रसिद्ध हैं, वे प्रकृति-प्रेमी होते हैं जिसे उनके पर्व-त्योहारों एवं जीवन शैली स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग सरल, परिश्रमी, साहसी और अतिथि-सत्कार के लिए भी जाने जाते हैं। राज्यपाल ने झारखंड की पर्यटन संभावनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि यहाँ के झील-झरने तथा विश्वप्रसिद्ध धार्मिक आस्था केंद्र पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल से समय मिलने पर इन स्थलों के भ्रमण करने हेतु कहा। राज्यपाल महोदय ने यह भी अवगत कराया कि आज से लोक भवन, राँची के उद्यानों को आम नागरिकों के लिए खोल दिया गया है। उद्यान में 100 से अधिक प्रजातियों के गुलाब उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि वे स्वयं आगंतुकों से संवाद कर उद्यान को और बेहतर बनाने हेतु उनके सुझाव जानने का प्रयास करते हैं। संवाद के दौरान प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख मेजर जनरल हरतेज सिंह बजाज ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल में कुल 17 सदस्य सम्मिलित हैं, जिनमें इथोपिया, बांग्लादेश, फ्रांस, ब्राजील एवं जापान के 5 विदेशी सदस्य भी शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य झारखंड राज्य के बारे में अधिक से अधिक जानने एवं अध्ययन करने के इच्छुक हैं।

लोक भवन उद्यान आम नागरिकों के लिए खुला, पहले दिन 2559 लोगों ने किया भ्रमण

रांची : राज्यपाल महोदय के निदेशानुसार लोक भवन उद्यान को आम नागरिकों के भ्रमण एवं परिदर्शन हेतु दिनांक 2 फरवरी से 08 फरवरी, 2026 तक खोला गया है। आज प्रथम दिन 2559 लोगों ने लोक भवन उद्यान का भ्रमण एवं परिदर्शन किया। उद्यान भ्रमण का समय पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक है। विदित हो कि उद्यान में प्रवेश लोक भवन के गेट संख्या 2 से सुरक्षा जांचोपरांत अपराह्न 1 बजे तक होगा। राज्यपाल महोदय ने स्वयं भी लोक भवन, राँची उद्यान का भ्रमण कर इसकी समुचित व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा नागरिकों से उद्यान के प्रति उनकी राय और सुझाव प्राप्त किए।

रांची में बुजुर्ग की हत्या का खुलासा पिता-पुत्र समेत तीन गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के लालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत लोवर वर्द्धमान कंपाउंड में शनिवार रात हुई मधेश्वर सिंह की हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मुन्ना कच्छप और उसके दो बेटे अमन कच्छप तथा अनिकेत कच्छप शामिल हैं। सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में नगर पुलिस उपाधीक्षक केवी रमण ने बताया कि मामूली विवाद के बाद दो सगे भाइयों ने अपने पिता के साथ मिलकर बुजुर्ग मधेश्वर सिंह की बेरहमी से पिटाई की, जिससे उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन के निर्देश पर गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के 24 घंटे के भीतर सभी नामजद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 31 जनवरी की रात लोवर वर्द्धमान कंपाउंड निवासी मधेश्वर सिंह टहलने निकले थे। इसी दौरान मोहल्ले के ही अमन और अनिकेत कच्छप से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर दोनों भाइयों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर पिता मुन्ना कच्छप मौके पर पहुंचा और उसने भी अपने बेटों के साथ मिलकर हमला किया। गंभीर चोट लगने से मधेश्वर सिंह मौके पर ही बेहोश हो गए। परिजनों और स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पीड़ित के पुत्र पियूष कुमार सिंह के बयान पर लालपुर थाने में हत्या सहित अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मांडर-चान्हो में चार विकास योजनाओं का किया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सोमवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के मांडर और चान्हो प्रखंड में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट एवं सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व मद से बनने वाली चार विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। मांडर प्रखंड में मंत्री ने डीएमएफटी मद से सरकारी मिडिल स्कूल में आठ नए वर्ग कक्षों के निर्माण तथा झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय, मांडर में तीन अतिरिक्त कमरों के निर्माण की योजना का शिलान्यास किया। वहीं चान्हो प्रखंड में सीसीएल के सीएसआर मद से राजकीय मध्य उत्क्रमित विद्यालय हूटार में सोलर पावर डीप बोरिंग एवं डायनिंग शेड निर्माण तथा डीएमएफटी मद से राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, चान्हो में आठ नए कक्षों के निर्माण की योजना की आधारशिला रखी गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विद्यालयों में कक्षा कक्षों एवं बुनियादी सुविधाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि डीएमएफटी मद का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है, ताकि इसका सीधा लाभ आम जनता तक पहुंचे। मंत्री ने शिक्षा को विकसित समाज की आधारशिला बताते हुए कहा कि बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था से छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ता है और अनुशासन के साथ अध्ययन करने से सफलता सुनिश्चित होती है। चान्हो प्रखंड में योजनाओं के शिलान्यास के उपरांत मंत्री ने "उल्लास नव भारत साक्षरता अभियान" के तहत अभिभावकों के बीच साक्षरता प्रमाण पत्र भी वितरित किए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि उल्लास योजना के माध्यम से वयस्क एवं निरक्षर लोगों को शिक्षा से जोड़कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है।

सेल और राइट्स ने डीजल लोकोमोटिव लीजिंग व रखरखाव के लिए समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : देश की महारत्न और सार्वजनिक क्षेत्र की स्टील उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने अपने संयंत्रों और खानों में लॉजिस्टिक्स और परिचालन दक्षता को मजबूत करने के लिए नवरत्न उपक्रम राइट्स लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। सेल अपने संयंत्रों और खदानों के परिसर के भीतर एक समर्पित 'मिनी रेल नेटवर्क' संचालित करता है ताकि कच्चे माल की आवक, इन-प्रोसेस ट्रांसफर और तैयार उत्पादों के आउट-बाउण्ड बिना रुकावट परिवहन को सुनिश्चित किया जा सके। अपने डीजल लोकोमोटिव बेड़े के प्रभावी रखरखाव, जिसमें वेट-लीज्ड लोकोमोटिव भी शामिल हैं, परिचालन को बनाए रखने और भविष्य की क्षमता विस्तार एवं विकास की योजनाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। चूंकि भारतीय रेलवे इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव की ओर अपनी संक्रमण गति को तेज कर रहा है, राइट्स डीजल लोकोमोटिव संचालन और रखरखाव में मूल्यवान विशेषज्ञता प्रदान करना जारी रखे हुए है, जो सेल के डीजल बेड़े को बनाए रखने के लिए अनिवार्य है। भारतीय रेलवे की सुविधाओं, स्पेयर पार्ट्स और कुशल जनशक्ति के पूल की पहुंच के साथ, राइट्स सेल की परिचालन आवश्यकताओं का को लागू करने और इसके नेटवर्क में विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सक्षम है। यह सहयोग दोनों संगठनों को अपनी मुख्य दक्षताओं पर ध्यान केंद्रित करने, लागत को अनुकूलित करने, परिचालन दक्षता बढ़ाने और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में योगदान देने में सक्षम बनाएगा। इस समझौता ज्ञापन पर, सेल की ओर से कार्यपालक निदेशक पी.के. बैसाखिया और राइट्स की ओर से कार्यपालक निदेशक संदीप जैन ने सेल और राइट्स के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

रितेश पातर ने बुंडू नगर अध्यक्ष पद के लिए किया नामांकन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा समर्थित प्रत्याशी रितेश पातर ने सोमवार को बुंडु नगर पंचायत के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया। रांची समाहरणालय में आयोजित नामांकन प्रक्रिया के दौरान उन्होंने दो सेटों में अपना नामांकन भरा। इस दौरान रितेश पातर के समर्थक हेमंत कुमार, प्रस्तावक दिनेश महतो, मुख्तार खान, राजू सेठ, तिजु महतो, राजन सींह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं शुभचिंतक मौजूद थे। इस दौरान समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया। मौके पर पार्टी के कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए जीत का दावा किया। जेएलकेएम के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि संगठन पूरी मजबूती के साथ इस चुनाव में उतर रहा है। जनता के सहयोग से बुंडु नगर पंचायत में ऐतिहासिक जीत दर्ज की जाएगी। उन्होंने कार्यकताओं से अपील किया कि वे घर-घर जाकर जयराम महतो की विचारधारा और प्रत्याशी की छवि को जनता तक पहुंचाएं और अनुशासित और संगठित होकर चुनाव अभियान को आगे बढ़ाएं।

जेपीएससी-2 घोटाले में ईडी ने मनी लाउंड्रिंग जांच की तेज, 28 अधिकारियों की संपत्ति का मांगा विवरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रवर्तन निदेशालय ने झारखंड लोक सेवा आयोग घोटाले में आईआर दर्ज करने के बाद मनी लाउंड्रिंग के बिंदु पर जांच को तेज कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, ईडी ने इस मामले में सीबीआई की ओर से आरोपित झारखंड पुलिस और प्रशासन के 28 अधिकारियों से संबंधित विस्तृत जानकारी मांगी है, जिसमें उनकी ओर से घोषित संपत्ति का विवरण भी शामिल है। ईडी ने जिन अधिकारियों की संपत्ति का विवरण मांगा है, उनमें राधा प्रेम किशोर, विनोद राम, हरिशंकर, रवि कुमार कुजूर, मुकेश कुमार महतो, कुंदन कुमार सिंह, मौसमी नागेश, कानू राम नाग, प्रकाश कुमार, संगीता कुमारी, रजनीश कुमार, शिवेंद्र, संतोष कुमार चौधरी, रोहित सिंह, शैलेश कुमार श्रीवास्तव, अमित कुमार, राहुल जी आनंद, इंद्रजीत सिंह, शिशिर कुमार सिंह, राजीव कुमार सिंह, रामकृष्ण कुमार, प्रमोद राम, अरविंद कुमार सिंह, विकास कुमार पांडे, मनोज कुमार, सुदामा कुमार और कुमुद कुमार शामिल हैं। दरअसल, सीबीआई ने जेपीएससी-2 घोटाले की जांच के बाद कुल 60 आरोपितों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। इसमें जेपीएससी के छह अधिकारी, ग्लोबल इंफॉरमेटिक्स के 28 परीक्षार्थी और 25 परीक्षक शामिल थे। आरोपित सभी 28 अधिकारी फिलहाल जमानत पर हैं। इन आरोपितों में से कुछ राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अब एडीएम रैंक में और राज्य पुलिस सेवा के दो अधिकारी आईपीएस रैंक में पदोन्नत हो चुके हैं। ईडी ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर इन सभी अधिकारियों की पोस्टिंग और संपत्ति का ब्योरा मांगा है। उल्लेखनीय है कि अधिकारियों को सरकारी नौकरी में योगदान देते समय और हर साल अपनी संपत्ति की घोषणा करने का नियम है। अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को यह विवरण भारत सरकार को भेजना होता है। अधिकारियों की संपत्ति की स्व घोषणा प्रशासनिक भ्रष्टाचार पर निगरानी के लिए अनिवार्य है।

ईडी अब जेपीएससी घोटाले में आरोपित सभी अधिकारियों द्वारा की गई संपत्ति की जानकारी एकत्र कर रही है।

एक नजर

भैया बहनों के सर्वांगीण विकास पर हम निरंतर प्रयास करेंगे : प्रधानाचार्य

कुदलुम : आदित्य प्रकाश जालान सरस्वती विद्या मंदिर में खुशी की लहर दौड़ गई जब इंदुमती टिंबडेंवाल सरस्वती विद्या मंदिर ,चतरा में विद्या विकास समिति झारखंड के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय प्रांतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन में विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार सिंहा को सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभाशाली छात्रों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार राशि प्रदान की गई। गौरवतलब है कि विद्यालय की दशम की बहन अमृता कुमारी को विद्या विकास समिति झारखंड द्वारा आयोजित ,विद्या भारती प्रतिभा खोज प्रतियोगिता ,किशोर वर्ग में तृतीय पुरस्कार दिया गया जिसमें प्रमाण पत्र सहित ?3000 की राशि पुरस्कार के रूप में दी गई। साथ ही पंचम के भैया प्रकाश लोहरा को प्रांतीय चित्रकला प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान से पुरस्कृत किया गया। विजेताओं का मनोबल बढ़ाते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि भैया बहनों के सर्वांगीण विकास और उत्कृष्ट परिणाम के लिए हम निरंतर प्रयास करेंगे। विद्यालय के सभी आचार्य दीदी जी ने पुरस्कृत भैया बहन को बधाइयां दी।

सड़क हादसे में 16 वर्षीय छात्र की मौत, एक घायल

सिल्ली : रांची-पुरुलिया मुख्य सड़क पर सोमवार के दिन बुढ़ाम के समीप दोपहर लगभग 3 बजे हाईबा वाहन और मोटरसाइकिल के बीच भिड़ंत हो गई।इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार अंशुमान साहू (16 वर्ष), पिता कन्हाई साहू, तुलिन मस्जिद के सामने निवासी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे मोटरसाइकिल सवार मनोज मुंडा, निवासी झालदा ब्रजोपुर गंभीर रूप से घायल हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक अंशुमान साहू तुलिन निवासी थे और मुरी के एक निजी स्कूल में कक्षा दसवीं के छात्र थे।वह इसी वर्ष आगामी मैट्रिक की परीक्षा देने वाले थे। हादसे के बाद हाईबा वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्ली लाया गया,जहां डॉक्टरों ने अंशुमान साहू को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल मनोज मुंडा का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्ली में चल रहा है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की छानबीन में जुट गई है।

रिम्स में बायो मेडिकल वेस्ट उठाव नई कंपनी को सौंपा गया, अगली सुनवाई 16 फरवरी

रांची : राजधानी रांची स्थित राजेंद्र चिकित्सा विज्ञान संस्थान में बायो मेडिकल वेस्ट के उठाव का काम अब नई कंपनी ने संभाल लिया है। इस संबंध में रिम्स ने झारखंड उच्च न्यायालय को शपथ पत्र के माध्यम से जानकारी दी। रिम्स ने सोमवार को सुनवाई के दौरान अदालत को बताया कि पुरानी कंपनी का कार्यकाल 31 जनवरी 2026 को समाप्त हो गया और अब यह काम मेसर्स मेडिकेयर एनवायरमेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, लोहरदगा कर रही है। सुनवाई मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने की। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता समावेश देव ने पक्ष रखा। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से अधिवक्ता रिचा संचित ने अदालत को बताया कि झारखंड के कई जिलों में बायो मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं और अस्पतालों एवं नर्सिंग होम को क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत रजिस्टर्ड किया जा चुका है। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद प्रार्थी को निर्देश दिया कि अगली सुनवाई 16 फरवरी को एक संक्षिप्त नोट प्रस्तुत करें, जिसमें पूर्व आदेश, उसका अनुपालन और सुझाव शामिल हों।

संक्षिप्त खबरें

आतिफ क्रिकेट क्लब ने त्रिकोणीय सीरीज का खिताब जीता

पिस्का नगड़ी : नगड़ी प्रखंड संगम क्लब,देवरी के तत्वाधान में आयोजित पाठक मैदान में खेले गए त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के फाइनल मैच में आतिफ क्रिकेट क्लब की टीम ने अनम क्रिकेट क्लब को छः विकेट से हराकर दूसरी बार खिताब पर कब्जा जमाया। उक्त प्रतियोगिता में तीन टीम आतिफ क्रिकेट क्लब,अनम क्रिकेट क्लब एवं आयान क्रिकेट क्लब ने भाग लिया। फाइनल मैच में उतरी आतिफ क्रिकेट क्लब तथा अनम क्रिकेट क्लब टीम के खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त करते हुए अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार कमलेश केसरी, यूथ कांग्रेस के आरिफ अंसारी,तरुण तिर्की, इस्माइल अंसारी ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। फाइनल मुकाबले में टॉस जीतकर अनम क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। आठ आठ ओवर के इस मैच में आतिफ क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार गेंदबाजी एवं क्षेत्ररक्षण का प्रदर्शन करते हुए अनम क्लब को आठ ओवर में 39 रन पर रोक दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पिछले बार की चैंपियन आतिफ क्रिकेट क्लब ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट खोकर एक ओवर शेष रहते सात ओवर में चालीस रन बनाकर यह मैच जीत लिया तथा दूसरी बार खिताब पर कब्जा जमाया। इस अवसर पर विजेता टीम को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सिविल सोसाइटी नगड़ी के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद हाशिम ने विजेता टीम के कप्तान अब्दुल कद्दूस को चैंपियन कफ देकर सम्मानित किया। उपविजेता टीम के कप्तान ऐनूल हक को विशिष्ट अतिथि समाजसेवी इस्लाम अंसारी ने ट्रॉफी देकर तथा तृतीय स्थान पाने वाली टीम के कप्तान मोईन अंसारी को यूथ कांग्रेस के आरिफ अंसारी ने सम्मानित किया।

श्री श्याम मित्र मंडल का 101 सदस्यीय जत्था खाटूधाम के लिए रवाना

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल का जथा निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी के नेतृत्व में खाटूधाम के लिए रवाना हुआ। आज प्रातः 9 बजे इंडिगो विमान से श्री श्याम मित्र मण्डल मण्डल का 101 सदस्य दल दिल्ली के लिए रवाना हुआ। दिल्ली पहुंचकर वातानुकूलित विशेष बसों से खाटूधाम स्थित श्री श्याम मित्र मंडल के विश्राम भवन में रात्रि विश्राम किया। नई दिल्ली से निकलकर दोपहर का भोजन दिल्ली अजमेर हाइवे स्थित बसंत ढाबा में करके आगे की यात्रा की । जातव्य है कि श्री श्याम मित्र मंडल का दल वर्षों से खाटूधाम एवं राजस्थान के अन्य देवी देवताओं के दर्शन हेतु हर साल फागण में जाता रहा है। खाटूधाम जाने वाले में मण्डल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया वरिष्ठ कार्यकारणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा स्नेह पोद्दार स्नेहा पोद्दार रतन शर्मा राकेश टिबरेवाल राजीव केडिया अन्नपूर्णा सरावगी प्रताप मोदी बालकिशन अग्रवाल जयप्रकाश अग्रवाल राजीव केडिया अमित झुनझुनवाला उत्कर्ष लोहिया सरिता अग्रवाल शोभा अग्रवाल मनोज खेतावत इत्यादि। उपरोक्त सभी जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

रेलवे सुरक्षा बल मुरी के श्वान का हुआ विदाई समारोह

मुरी : रेलवे सुरक्षा बल मुरी के श्वान दस्ता के प्रांगण में डाबरमैन जाति का श्वान बुलेट खोजी कुत्ता का सोमवार के दिन विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता मुरी पोस्ट कमांडर संजीव कुमार ने किया। आयोजन में मुख्य अतिथि आरपीएफ मुरी के सुरक्षा आयुक्त एस सी सहाय उपस्थित रहे,जिनका श्वान दस्ता के कर्मचारियों ने गुलदस्ता देकर स्वागत किया। इस खोजी कुत्ता की उम्र लगभग 11 वर्ष हो गई थी जिसको बांकुरा सोसायटी ऑफ लिवेन लेट को कागजी प्रक्रिया पूरी कर रेलवे सुरक्षा बल के द्वारा समर्पित किया गया,जहां उसकी देखरेख की जाएगी। श्वान दस्ता मुरी के कर्मचारियों ने बताया कि इस खोजी कुत्ता को ऑल इंडिया इंटर पुलिस मीट प्रतियोगिता 2019 में तृतीय पुरस्कार से नवाजा गया था एवं 2017 में हटिया में बैटरी चोरी की खुलासा इसके द्वारा किया गया,जिससे पुलिस ने अपराधियों को गिरफ्तार किया साथ ही नामकुम रेलवे टिकट घर में हुई चोरी का उद्भेदन और अपराधियों की पहचान करने में भी अहम भूमिका निभाई थी। वहीं लोहरदगा के नगजुआ में ओ एच ई तार चोरी करने वाले अपराधियों को पकड़वाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए, ओरमांझी के बीआईटी मेसरा झांझीटोली में चोरी का उद्बेदन करने में पुलिस को काफी मदद की थी। इसी क्रम में पूरे भारतवर्ष में आरपीएफ की ओर से आयोजित कुत्ता प्रतियोगिता प्रयागराज में तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया एवं 2024 में बानो में बहुत ही सराहनीय कार्य करते हुए 3000 मी रेलवे तार की चोरी का उद्बेदन किया जिसमें 7 नाबालिक युवा गिरफ्तार किए गए।

आंगनवाड़ी सेविकाओं को राज्यकर्मी का दर्जा दे हेमंत सरकार : जेपी पांडेय

रांची : झारखंड राज्य समाज कल्याण आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ के संयोजक जयप्रकाश पांडेय ने सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर राज्य की लगभग 75 हजार आंगनवाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं को राज्यकर्मी का दर्जा देने की मांग की है। जेपी पांडेय ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेशों के बावजूद वर्षों से आंगनवाड़ी कर्मियों को केवल मानदेय और अस्थायी व्यवस्था पर काम करने को मजबूर किया जा रहा है, जो गंभीर शोषण के रूप में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी सेविकाएं खनिज संपदा से समृद्ध झारखंड में भी उचित सुविधाओं और स्थायी दर्जे से वंचित हैं, जबकि मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तराखंड जैसे अन्य राज्यों ने इस दिशा में पहल की है। जेपी पांडेय ने बताया कि आंगनवाड़ी सेविकाएं कुपोषण दूर करने के प्रयास में लगी हैं, लेकिन समय पर मानदेय, पोषाहार और अन्य सुविधाओं का अभाव उन्हें स्वयं कुपोषण और कठिनाई का सामना करने पर मजबूर कर रहा है।

एक नजर

जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा की बैठक, पीएलवी को दिए गए अहम निर्देश

कोडरमा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा के तत्वावधान में व्यवहार न्यायालय स्थित जिला न्याय सदन कोडरमा सभागार में झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर जिले में कार्यरत सभी पारा लीगल वोलेनटियर्स के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार रमाकान्त मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस बैठक में प्रधान जिला जज ने उपस्थित पारा लीगल वोलेनटियर्स को कई प्रकार की कानूनी प्रावधानों एवं प्राधिकार द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में मुख्य रूप से इन दिनों राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार (नालसा) के निर्देश के आलोक में झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के संरक्षण में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा द्वारा चलाये जा रहे साथी अभियान, जागृति अभियान, आशा अभियान, ड्रग (नशाखोरी) के विरुद्ध डाउन अभियान सहित अन्य कार्यक्रमों में सभी पारा लीगल वोलेनटियर्स को अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गये ताकि ये सभी कार्यक्रम पूरे जिले में सफलता पूर्वक संचालित को सके।

जयनगर प्रखंड सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न

कोडरमा : जयनगर प्रखंड सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्यों के निष्पादन का निर्देश दिया गया। साप्ताहिक समीक्षा बैठक के दौरान पंचायती राज, आवास, आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम पेंशन, आपूर्ति, श्रम, कल्याण, मनरेगा सहित अन्य विभागों के बिंदुओं पर चर्चा की गई और प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया। इसके पश्चात 3 फरवरी से 17 फरवरी तक आयोजित होने वाली कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं को लेकर स्टैटिक मजिस्ट्रेटों के साथ बैठक की गई। बैठक में परीक्षा ड्यूटी के दौरान पूर्ण पारदर्शिता, अनुशासन एवं निष्पक्षता बनाए रखने, प्रश्नपत्रों के सुरक्षित रखरखाव तथा परीक्षा संचालन से संबंधित सभी नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

विक्टोरिया पब्लिक स्कूल में दसवीं के विद्यार्थियों को दी गई विदाई

डोमचांच : कोलगरमा पंचायत के बिरजामु में स्थित विक्टोरिया पब्लिक स्कूल में कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों को विदाई कार्यक्रम आयोजित की गई। इस अवसर पर सर्वप्रथम कक्षा नवम की छात्रा शीतल कुमारी और शिवानी कुमारी तथा अष्टम की छात्रा रिचा कुमारी और संतोषी कुमारी ने विदाई गीत गाकर सभी की आंखें नम कर दी। विद्यालय प्राचार्य मुकेश कुमार यादव ने कहा कि इस प्रकार की विदाई बहुत ही भावक कर देने वाला है। आज आप सभी एक अध्याय को समाप्त करके जीवन में नए पडाव पर कदम रख रहे हैं। यह विदाई नहीं बल्कि आपके सुनहरे भविष्य की एक नई शुरूआत है। आपको ज्ञान ,मेहनत, अनुशासन और अच्छे चरित्र के साथ आगे बढ़ाना है। साथी कहा कि सफलता केवल उच्च मुकाम हासिल करना नहीं ,बल्कि एक अच्छा इंसान बनना भी है। विद्यालय निदेशक भरत कुमार यादव ने विद्यार्थियों को बेहतर परिणाम की शुभकामना देते हुए संदेश दिया कि अपनी काबिलियत पर भरोसा करते हुए जीवन की सफलता में आगे बढ़ाना है। एक शिक्षक की पहचान विद्यार्थियों की सफलता चरित्र और संस्कार से है।

चेकडैम बनने से सिंचाई सुविधा बढ़ेगी गांव की बदलेगी किस्मत : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

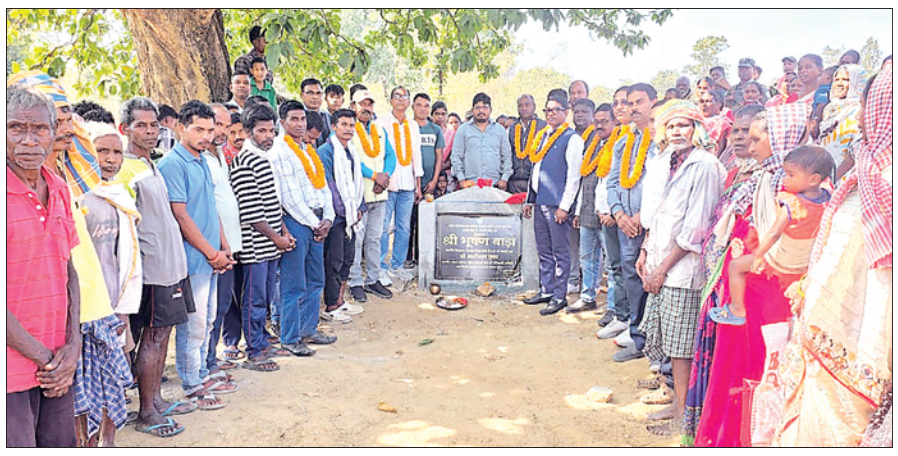

सिमडेगा : राज्य योजना के तहत केरसई प्रखंड के कोनजोबा पंचायत स्थित बगई नाला में एकल चेक डैम निर्माण कार्य का शिलान्यास मंगलवार को सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने किया। विधायक के कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर उनका ग्रामीणों ने जोरदार तरीके से स्वागत किया। मौके पर विधायक ने विधिवत रूप से शिलापट्ट का अनावरण किया। साथ ही विधायक ने कहा कि यह चेक डैम ग्रामीणों के खेतों, आजीविका और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा है। चेकडैम बनने से खेतों में सिंचाई सुविधा बढ़ेगी, भू-जल स्तर सुधरेगा, पशुपालन और सब्जी उत्पादन को गति मिलेगी और सूखे का जोखिम भी कम होगा। भूषण बाड़ा ने कहा कि बगई नाला पर बनने वाला चेक डैम इस इलाके की सबसे बड़ी जरूरत थी। यह योजना गांव की अर्थव्यवस्था को नई ताकत देने वाला कदम है। इससे खेतों में सालभर पानी रहेगा, फसल उत्पादन बढ़ेगा और किसानों की आय में सुधार होगा। मौके पर विधायक ने ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए हर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं और किसानों के लिए यह योजना मील का पत्थर साबित होगी। बगई के लोगों ने वर्षों से जल संरक्षण की मांग की थी। आज उसका समाधान मिल गया है। यह चेक डैम महिलाओं की आजीविका, सिंचाई व्यवस्था और प्राकृतिक जलस्रोतों को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अब विकास की धुरी बन रही हैं और ऐसे प्रोजेक्ट उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगे। उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्था को और तेज करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। कार्यक्रम में प्रखंड अध्यक्ष जेफरेन केरकेट्टा, ओबीसी जिला अध्यक्ष शिव केशरी, मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार, सांसद प्रतिनिधि एवं मुखिया मुंश खेस, विधायक प्रतिनिधि सह बाघडेगा मुखिया राहुल रोहित तिग्गा, विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र प्रसाद, नोवेल मिंज, संजय तिर्की, मनोहर प्रसाद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। मौके पर विधायक ने गांव का भी भ्रमण कर ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी।

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना में भारी अनियमितता का आरोप

जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक ने डीसी से मांगी उच्चस्तरीय जांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के तहत कोडरमा प्रखंड में निर्मित पीसीसी सड़क में गंभीर अनियमितता और घटिया निर्माण कार्य का मामला सामने आया है। जिला कांग्रेस कमेटी कोडरमा के जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक ने इस संबंध में उपायुक्त को आवेदन सौंपते हुए उच्चस्तरीय जाँच के लिए स्वतंत्र तकनीकी समिति गठन की मांग की है। अपने आवेदन में प्रकाश रजक ने बताया कि ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल कोडरमा द्वारा लोहासीकर से वृंदा तक लगभग 2.65 किलोमीटर लंबी पीसीसी सड़क का निर्माण कराया गया है, जिसमें संवेदक द्वारा मानकों की खुलेआम अनदेखी की गई है। स्थल निरीक्षण एवं ग्रामीणों की शिकायतों के आधार पर यह बात सामने आई है कि सड़क निर्माण में एक्सपायरी सीमेंट, घटिया गिट्टी तथा अत्यंत निम्न गुणवत्ता की बालू का उपयोग किया गया, जिसमें मिट्टी की मात्रा अत्यधिक पाई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि घटिया निर्माण को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने कार्य का विरोध भी किया था, इसके बावजूद संवेदक ने बलपूर्वक पीसीसी ढलाई कर दी। इतना ही नहीं, सड़क के दोनों ओर बनाए जा रहे साइड वर्क (गढ़वाल) में भी लगातार अनियमितताएँ बरती जा रही हैं। प्रकाश रजक ने कहा कि घटिया निर्माण का प्रत्यक्ष प्रमाण यह है कि सड़क बनने के महज एक सप्ताह के भीतर ही उसकी सतह से धूल उड़ने लगी, जिससे सड़क की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने इसे सरकारी धन के दुरुपयोग का मामला बताते हुए कहा कि इससे न सिर्फ सरकार की मंशा को ठेस पहुँची है, बल्कि ग्रामीणों की सुरक्षा और सुविधा भी खतरे में पड़ गई है।

सिमडेगा नगर निकाय चुनाव-2026 : अध्यक्ष व वार्ड पार्षद पद के लिए नामांकन जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : नगरपालिका आम निर्वाचन-2026 के तहत जिले में नाम निर्देशन पत्रों की खरीद एवं नामांकन की प्रक्रिया लगातार जारी है। इसी क्रम में आज दिनांक- 02 फरवरी 2026 को अध्यक्ष पद एवं विभिन्न वार्डों के वार्ड पार्षद पद के लिए अभ्यर्थियों द्वारा संबंधित कार्यालय प्रकोष्ठों में नामांकन पत्रों की खरीद एवं दाखिल किया गया। अध्यक्ष पद के लिए परियोजना निदेशक, आईटीडीए, सिमडेगा के कार्यालय प्रकोष्ठ में कुल एक अभ्यर्थी द्वारा नाम निर्देशन पत्र की खरीद की गई। वहीं मंजू लकड़ा ने अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन पत्र विधिवत दाखिल किया। वार्ड पार्षद पद के अंतर्गत वार्ड संख्या 01 से 05 के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय प्रकोष्ठ में नामांकन पत्रों की बिक्री की गई। इस दौरान वार्ड संख्या 01 से कोई आवेदन नहीं हुआ, जबकि वार्ड संख्या 02 से एक, वार्ड संख्या 03 से कोई नहीं, वार्ड संख्या 04 से कोई नहीं तथा वार्ड संख्या 05 से एक अभ्यर्थी ने नामांकन पत्र खरीदा। वहीं वार्ड संख्या 01 से प्रतिमा लकड़ा, वार्ड संख्या 02 से नील प्रभा तिग्गा, वार्ड संख्या 04 से रिशमला देवी तथा वार्ड संख्या 05 से कमला कुमारी ने अपना नामांकन पत्र जमा किया। इसी प्रकार वार्ड संख्या 06 से 10 के लिए अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय प्रकोष्ठ में नामांकन पत्रों की खरीद की गई। इसमें वार्ड संख्या 06 से एक, वार्ड संख्या 07 से एक, वार्ड संख्या 08 से दो, वार्ड संख्या 09 से दो तथा वार्ड संख्या 10 से एक अभ्यर्थी ने नामांकन पत्र खरीदा। इस दौरान कुल सात अभ्यर्थियों ने नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया। वार्ड संख्या 11 से 15 के लिए भूमि सुधार उपसमाहर्ता, सिमडेगा के कार्यालय प्रकोष्ठ में वार्ड संख्या 11 से एक, वार्ड संख्या 12 से एक, वार्ड संख्या 13 से कोई नहीं, वार्ड संख्या 14 से एक तथा वार्ड संख्या 15 से कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ। वहीं वार्ड संख्या 12 से निशा देवी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके अलावा वार्ड संख्या 16 से 20 के लिए जिला पंचायत राज पदाधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय प्रकोष्ठ में नामांकन प्रक्रिया संपन्न हुई। इस दौरान वार्ड संख्या 16 एवं 17 से कोई आवेदन नहीं हुआ, वार्ड संख्या 18 से दो, वार्ड संख्या 19 से एक तथा वार्ड संख्या 20 से कोई अभ्यर्थी ने नामांकन पत्र खरीदा।

सेक्टर व पुलिस पदाधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : नगरपालिका आम निर्वाचन के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने हेतु सेक्टर पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों को स्पष्ट किया गया है। समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त की अध्यक्षता में सेक्टर व पुलिस पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर उनके कार्यों का अनुश्रवण किया गया। सेक्टर पदाधिकारियों को निर्वाचन अधिसूचना निर्गत होने के एक सप्ताह के भीतर वाहन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे संचार योजना एवं अन्य निर्वाचन संबंधी कार्यों का प्रभावी क्रियान्वयन हो सके। मतदान पूर्व सेक्टर पदाधिकारी मतदान केन्द्रों तक आने-जाने वाले मार्गों की स्थिति, उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, संचार साधनों तथा मतदान केन्द्रों की भौतिक स्थिति की जाँच सुनिश्चित करेंगे। साथ ही नवस्थापित मतदान केन्द्रों का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। सेक्टर पदाधिकारी आदर्श आचार संहिता के अनुपालन, अनधिकृत प्रचार, सम्पत्ति विरूपण, सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग एवं अन्य निर्वाचन संबंधी उल्लंघनों पर सतत निगरानी रखेंगे। मतदाताओं को मतदाता सूची, मतदान केन्द्र की स्थिति एवं हेल्पलाइन की जानकारी देकर जागरूक करना भी उनकी प्रमुख जिम्मेदारी होगी। Vulnerability Mapping के अंतर्गत सेक्टर पदाधिकारी संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित भ्रमण कर मतदाताओं के बीच विश्वास का वातावरण बनाएंगे, धमकी या दबाव से प्रभावित क्षेत्रों एवं व्यक्तियों की पहचान कर जिला निर्वाचन पदाधिकारी को प्रतिवेदन सौंपेंगे तथा मतदाताओं की सुरक्षित पहुँच सुनिश्चित करेंगे।मतदान की पूर्व संध्या पर सभी मतदान दलों, सामग्रियों एवं सुरक्षा बलों की तैनाती सुनिश्चित करते हुए नियंत्रण कक्ष को खैरियत प्रतिवेदन भेजा जाएगा।

केतुंगा धाम न्यास समिति की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बानो : केतुंगा धाम स्थित महाभारत कालीन अति प्राचीन शिव मंदिर प्रांगण में रविवार को केतुंगा धाम न्यास समिति की कार्यकारिणी बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता न्यास समिति के अध्यक्ष सूकरा केरकेट्टा ने की, जबकि समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य मंदिर के संरक्षण, विकास तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श करना था। बैठक की शुरूआत भगवान शिव की पूजा-अर्चना के साथ की गई। इसके बाद पिछले बैठकों की कार्यवाही की समीक्षा की गई और वर्तमान में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। सदस्यों ने मंदिर परिसर की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था तथा रास्तों के सुधार को लेकर अपने-अपने सुझाव रखे। न्यास समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि महाशिवरात्रि, श्रावण मास एवं अन्य प्रमुख धार्मिक अवसरों पर श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए विशेष प्रबंधन किया जाएगा। इसके तहत स्वयंसेवकों की नियुक्ति, चिकित्सा सुविधा, वाहन पार्किंग तथा प्रसाद वितरण की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही मंदिर के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को प्रचारित करने के लिए सूचना बोर्ड, पुस्तिकाएं एवं डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने पर भी सहमति बनी। बैठक में मंदिर की प्राचीनता को ध्यान में रखते हुए इसके संरक्षण हेतु पुरातत्व विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लेने का प्रस्ताव भी रखा गया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। समिति ने यह भी निर्णय लिया कि स्थानीय प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से केतुंगा धाम को एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।

कृषि-विरोधी केंद्रीय बजट के खिलाफ झारखंड राज्य किसान सभा चलाएगी माह-व्यापी आंदोलन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : केंद्रीय बजट 2026-27 केंद्रीय बजट में कृषि को कोई जगह नहीं दी गई। किसानों की आय बढ़ाने की बात मात्र झूठा प्रचार कर्ज. माफी के लिए कोई प्रस्ताव नहीं, उर्वरक सब्सिडी में 15,679 करोड़ रुपये की कटौती केंद्रीय बजट 2026-27 भारतीय जनता की आजीविका के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र–कृषि के रणनीतिक पुनरुधार के प्रति किसी भी प्रकार की प्रतिबद्धता दिखाने में एक बार फिर विफल रहा है। वित्त मंत्री के बजट भाषण में कृषि को ज्यादातर नजर अंदाज किया गया; छोटे और सीमांत किसानों का केवल एक बार उल्लेख हुआ, जबकि ग्रामीण मजदूरों का उल्लेख पूरी तरह गायब रहा। बजटीय आँकड़े भी इसी उपेक्षा को दर्शाते हैं। इस सप्ताह केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, 2025 में कृषि की औसत विकास दर में गिरावट आई है। पिछली तिमाही में दर्ज विकास दर 3.5 प्रतिशत रही, जबकि दशक का औसत 4.45 प्रतिशत था। फसल उत्पादन में सबसे तीव्र गिरावट देखी गई है। कृषि क्षेत्र में इस ठहराव की पृष्ठभूमि में यह अपेक्षित था कि केंद्रीय बजट 2026-27 कुछ राहत और गति प्रदान करेगा। परन्तु बजट ने एक बार फिर निराश किया है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के लिए लगभग 1.40 लाख करोड़ रुपये का कुल आवंटन, संशोधित अनुमान 2025-26 की तुलना में महज 5.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मुद्रास्फीति को ध्यान में रखने पर यह स्पष्ट है कि कृषि के लिए वास्तविक आवंटन में कोई ठोस वृद्धि नहीं हुई है। आर्थिक सर्वेक्षण ने यह भी स्वीकार किया है कि अनाज, मक्का, सोयाबीन और दलहन सहित विभिन्न फसलों की उत्पादकता दरें वैश्विक औसत से पीछे रही हैं, जिससे भारतीय उत्पादन अलाभकारी बनता जा रहा है। इसके बावजूद, कृषि अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने हेतु बजट में कोई अतिरिक्त कदम नहीं उठाया गया है। वित्त मंत्री द्वारा कृषि उत्पादकता बढ़ाने को कर्तव्य बताने के बावजूद, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग का बजटीय आवंटन 10,281 करोड़ रुपये (संशोधित अनुमान 2025-26) से घटाकर 9,967 करोड़ रुपये (बजट अनुमान 2026-27) कर दिया गया है। नकदी फसलों में निवेश की बयानबाजी इस वर्ष के बजट में भी जारी रही। किंतु इसके लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। किसानों को राहत देने की बजट में कोई उल्लेखनीय प्रस्ताव नहीं है। उर्वरक सब्सिडी को 1,86,460 करोड़ रुपये (संशोधित अनुमान 2025-26) से घटाकर 1,70,781 करोड़ रुपये (बजट अनुमान 2026-27) कर दिया गया है। खाद्य सब्सिडी में भी पिछले वर्ष के संशोधित अनुमान की तुलना में कटौती की गई है। बजट भाषण में न तो मनरेगा योजना का और न ही हाल ही में पारित वीबी-ग्राम जी योजना का कोई उल्लेख किया गया, जो ग्रामीण रोजगार के महत्व को पूरी तरह खारिज किए जाने का संकेत है।

संक्षिप्त खबरें

युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष चन्दन कुमार सिंह ने 31वीं बार किया रक्तदान

सिमडेगा : सदर अस्पताल सिमडेगा में भर्ती एक गर्भवती महिला को रक्त की आवश्यकता थी, परिवारजनों ने इस विपरित परिस्थिति में सिमडेगा जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष चन्दन कुमार सिंह से संपर्क किया, चन्दन कुमार सिंह ने सदर अस्पताल ब्लड बैंक पहुँच कर तुरंत रक्तदान किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि रक्तदान करना सामाजिक जिम्मेदारी है यह किसी की जान बचा सकता है।

वार्ड नंबर 8 से अनूप प्रसाद ने वार्ड पार्षद पद के लिए किया नामांकन

सिमडेगा : भाजपा जिला कोषाध्यक्ष अनूप प्रसाद ने वार्ड नंबर 8 से वार्ड पार्षद पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन के दौरान वार्ड क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में समर्थक एवं शुभचिंतक उनके साथ मौजूद रहे और उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर अनूप प्रसाद ने कहा कि वार्ड नंबर 8 की जनता ने हमेशा उन्हें स्नेह और विश्वास दिया है। यदि जनता उन्हें सेवा का अवसर देती है तो वे वार्ड के समग्र विकास को प्राथमिकता देंगे। सड़क, नाली, पेयजल, साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था सहित सभी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना उनकी प्रमुख प्रतिबद्धता होगी। उन्होंने कहा कि वे पारदर्शी कार्यप्रणाली और जनसरोकार से जुड़े मुद्दों को केंद्र में रखकर काम करेंगे, ताकि वार्ड का हर वर्ग विकास की मुख्यधारा से जुड़ सके। नामांकन के दौरान अनूप केशरी सुनील प्रसाद अरविंद प्रसाद सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं वार्डवासी उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने अनूप प्रसाद के नामांकन को वार्ड के लिए सकारात्मक कदम बताया।

बी आर इंटरनेशनल स्कूल में चार दिवसीय वार्षिक खेलकूद संपन्न

कोडरमा : बी. आर. इंटरनेशनल स्कूल चाराडीह में चार दिवसीय वार्षिक खेलकूद सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस खेलकूद के समापन कार्यक्रम में मुख्य रूप से रोटरी क्लब के अध्यक्ष संतोष सिन्हा एवं सचिव संदीप सिन्हा तथा कबड्डी एसोसिएशन के फाउंडर चेयरमैन धर्मेंद्र सिंह विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संपर्क प्रमुख अरविंद सिंह तथा विद्यालय के निदेशक ओपी राय उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात विद्यालय की बच्चियों द्वारा योगा डेमोस्टेशन की प्रस्तुति दी गई। मौके पर विद्यालय की प्राचार्या डॉ.राखी कुमारी शर्मा ने अपने संबोधन में कहीं की स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। उन्होंने कहा कि खेलकूद विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर बतौर अतिथि रोटरी क्लब के अध्यक्ष एवं बैंक ऑफ इंडिया के सेवानिवृत्त अधिकारी संतोष सिन्हा ने कहा कि हार हमें सिखाती है और जीत हमें प्रेरित करती है। सच्चा खिलाड़ी वही होता है जो नियमों का पालन करे और अपने प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करे।कार्यक्रम कोआए हुवे सभी अतिथियों ने बच्चों के मनोबल बढाते हुए कार्यक्रम को संबोधित किया। वहीं कार्यक्रम का संचालन प्रियंका सालुजा द्वारा किया गया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन उप–प्राचार्य नवल किशोर आनंद ने किया। वहीं इस आयोजन को सफल पूर्वक संपन्न कराने में विद्यालय के पी टी आई संजीत प्रसाद एवं आलम उद्दीन का विशेष योगदान रहा। साथ ही साथ सभी शिक्षकों का सराहनीय प्रयास रहा। चार दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण इंटर हाउस टग ऑफ वॉर रहा। गर्ल्स ग्रुप में ब्लू हाउस विजेता एवं यलो हाउस उपविजेता रहा, जबकि बॉयस ग्रुप में ब्लू हाउस विजेता तथा रेड हाउस उप विजेता बना।खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत केजी से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। जूनियर वर्ग के बच्चों के लिए बिस्किट रेस, मैथ्स रेस, बलून रेस, फ्रॉग रेस, 30 मीटर दौड़ जैसी रोचक प्रतियोगिताएं कराई गईं। बिस्किट रेस में सानवी कुमारी ने प्रथम, वान्या सिंह ने द्वितीय तथा स्नेहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मैथ्स रेस में अदिति प्रथम, अलिशा रानी द्वितीय एवं अंशिका तृतीय स्थान पर रहीं।

अहिंसा के नाम पर लाठियां! सिमडेगा गांधी मेले में दुकानदारों के साथ बर्बरता का आरोप

सिमडेगा : नवाचार के लिए जाना जाने वाला सिमडेगा इस बार लाठी पिटाई के लिए भी दूसरे राज्यो में जाना जाएगा ।गांधी जी के नाम पर लगने वाले ऐतिहासिक मेला में जिस प्रकार से दुकानदारों के साथ व्यवहार किया गया या आज से पहले कभी नहीं हुआ था ।यह मेला अहिंसा और सत्य के पुजारी महात्मा गांधी के नाम पर लगता है और मेला से पहले ही प्रशासन ने संवेदक को इस बात की गारंटी दी थी कि मेला का अवधि विस्तार होगा तब टेंडर लिया गया और इसके बाद संवेदक द्वारा मेला में आने वाले दुकानदारों को यह भरोसा दिलाया था कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मिला 5 फरवरी तक चलेगा और उसी को ध्यान में रखते हुए दुकानदार सिमडेगा पहुंचे थे ,लेकिन इधर नगर परिषद द्वारा 31 तारीख को मेला समापन की घोषणा शाम में कर दिया ,और चुनाव का हवाला जिससे कि सिमडेगा जिले के कई क्षेत्र के ऐसे लोग जो मेला नहीं देखे थे, वे लोग अचानक से मायूस हो गए ।शाम में जारी हुई थी चिट्ठी, क्योंकि कई जगहों पर इस तरह की सूचनाओं पहुंच नहीं पाती है तो वहां पर लोगों को अचानक से सूचना मिला तो वह लोग निराश हो गए और अचानक रविवार को लाखों की संख्या में मेला देखने पहुंचे ,हालांकि मेला में किसी प्रकार के मनोरंजन के साधन नहीं खुले हुए थे। दुकान पूरी तरह से बंद थी और दुकानदार किसी तरह से चोरी छुपे अपने सामानों को बेच रहे थे। इधर इसके बाद पुलिस और प्रशासन का जो रूप दिखा इससे पहले कभी नहीं देखा था। दुकानदारों के साथ बर्बरता पूर्ण कार्रवाई मेले में आए हुए लोगों को भी डरा धमका कर मेला खाली करने की बात कही गई। कई लोगो के ऊपर लाठियां भांजी गई जिससे कि लोग सहम कर किसी तरह कोई खरीदा कोई नहीं खरीदा और मेला से भागे ,हालांकि माहौल अफरा तफरी हो गया। सड़क जाम की स्थिति हो गई और गाड़ियों की भी लंबी लाइन लग गई ,लेकिन दुकानदारों का कहना है कि प्रशासन अपने राजस्व और टेंडर नहीं लेने को ध्यान में रखते हुए उन्होंने डेट बढ़ने का आश्वासन देकर टेंडर की प्रक्रिया किया और जैसे ही टेंडर की अवधि विस्तार की बारी आई तो वह लोग एक सिरे से मुकर गए।

एक नजर

चौपारण में दिनदहाड़े ज्वेलर्स दुकान से सोने की अंगूठी लूट

चौपारण : प्रखंड अंतर्गत ग्रामीण बैंक के समीप स्थित जगदंबा ज्वेलर्स दुकान में दिनदहाड़े सोने की अंगूठी लूट की घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाइक सवार दो अज्ञात युवक दुकान पर पहुंचे और सोने की अंगूठी देखने लगे। इसी दौरान मौका पाकर वे अंगूठी लेकर फरार हो गए। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों युवक तेज गति से चौपारण बस स्टैंड की ओर भाग निकले। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। वहीं दुकानदार ने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। दिनदहाड़े हुई इस घटना से व्यापारियों में दहशत व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने पुलिस गश्त बढ़ाने और जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

मैट्रिक और इंटर की परीक्षा के लिए बना परीक्षा सेल सह कंट्रोल रूम

रामगढ़ : रामगढ़ जिले में मैट्रिक और इंटर की परीक्षा 3 फरवरी से शुरू होगी। मैट्रिक की परीक्षा प्रथम पाली और इंटर की परीक्षा द्वितीय पाली में होगी। कदाचार मुक्त परीक्षा के लिए जिला प्रशासन के द्वारा परीक्षा सेल और कंट्रोल रूम बनाया गया है। मैट्रिक परीक्षा 03 फरवरी 2026 से 17 फरवरी एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 03 फरवरी 2026 से 23 फरवरी तक होगी। रामगढ़ एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी ने परीक्षा सेल-सह-जिला नियंत्रण कक्ष का गठन किया है। उक्त परीक्षा के दौरान विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिकाओं की समय पर आपूर्ति, परीक्षा उपरांत सामग्री को जिला कोषागार तक सुरक्षित पहुँचाने तथा सतत निगरानी हेतु परीक्षा सेल का गठन किया गया है। नियंत्रण कक्ष अनुमंडल कार्यालय में स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष संख्या 06553-222005 है। परीक्षा अवधि के दौरान प्रतिनियुक्त कर्मियों को निर्देश दिया गया है कि वे प्रतिदिन प्रातः 7:00 बजे से संध्या 7:00 बजे तक उपस्थित रहकर परीक्षा से संबंधित गतिविधियों की निगरानी करेंगे। किसी भी समस्या की सूचना तत्काल संबंधित पदाधिकारियों को उपलब्ध कराएंगे। साथ ही, परीक्षा सेल में प्राप्त शिकायतों की प्रविष्टि कर उनका त्वरित निष्पादन भी सुनिश्चित किया जाएगा।

कपड़ा लोड ट्रक पेड़ से टकराया, चालक की मौत

पलामू : जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र के बकोरिया क्रशर मोड़ पर रांची-डालटनगंज मुख्य पथ पर सोमवार तडके सुबह एक ट्रक (डब्लूबी29जी 0911) महुआ पेड़ से टकरा गया। इस घटना में ट्रक के परखच्चे उड़ गए और मलबे में फंसकर चालक की मौत हो गई। ट्रक पर कपड़ा लोड था। वाहन रांची से डालटनगंज आ रहा था। सूचना मिलने पर सतबरवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और गाड़ी में फंसे चालक के शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पूरे मामले में जांच की जा रही है। चालक की पहचान बिहार के समस्तीपुर निवासी देव प्रकाश राय (45) के रूप में हुई है। चालक लंबे समय से अपने परिवार के साथ पश्चिम बंगाल में रहता है। ट्रक पश्चिम बंगाल का है और वहीं से कपड़ा लेकर आ रहा था। सतबरवा ओपी प्रभारी विश्वनाथ कुमार राणा ने कि घटना तडके सुबह 4 बजे के आसपास हुई। इसके बाद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ट्रक के मलबे में फंसी चालक के शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच में भेजा। उसकी पहचान की और परिजनों को दे सूचना दी गई है।

झारखंड के 14 प्रवासी मजदूर दुबई में फंसे, तीन महीने से नहीं मिला वेतन, सरकार से वापसी की अपील

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : झारखंड के गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो जिलों के 14 प्रवासी मजदूर एक बार फिर विदेश में फंस गए हैं। ये मजदूर पिछले अक्टूबर 2025 में दुबई की ईएमसी कंपनी में ट्रांसमिशन लाइन के काम के लिए गए थे, लेकिन पिछले तीन महीनों से उन्हें नियमित वेतन नहीं मिल रहा है। कंपनी द्वारा समय से अधिक काम कराने के बावजूद मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा, जिसके कारण मजदूरों को खाने-पीने और रहने की गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई मजदूर भूखे-प्यासे हालत में हैं।मजदूरों ने अपनी पीड़ा एक वीडियो के माध्यम से साझा की है, जिसमें उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से तत्काल मदद की गुहार लगाई है। यह वीडियो प्रवासी मजदूरों के हित में कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर अली को भेजा गया था, जिन्होंने इसे मीडिया के साथ साझा किया।सिकंदर अली ने कहा कि यह कोई पहला मामला नहीं है। झारखंड के प्रवासी मजदूर अक्सर ज्यादा कमाई की लालच में विदेश जाते हैं और वहां फंस जाते हैं। पहले भी कई बार ऐसी घटनाएं हुई हैं, जहां मशक्कत के बाद मजदूरों की वापसी कराई गई, लेकिन वे पुरानी घटनाओं से सबक नहीं ले रहे। उन्होंने केंद्र और झारखंड सरकार से मजदूरों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए ठोस कूटनीतिक पहल करने की मांग की है। फंसे हुए मजदूरों के नाम और उनके जिले इस प्रकार हैं:गिरिडीह जिलाः सरिया थाना क्षेत्र के चिचाकी के रोशन कुमार और अजय कुमार; बगोदर थाना क्षेत्र के तिरला के राजेश महतो; मंडरो, डुमरडेली के अजय कुमार। बोकारो जिलाः पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र के कंजकीरो के डालेश्वर महतो। हजारीबाग जिलाः बिष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के खेदाडीह के जागेश्वर महतो और फालेन्द्र महतो; सिरैय के बैजनाथ महतो; पारजोरिया के दिलीप महतो, गंगाधर महतो और त्रिलोकी महतो; चकचुको बसरिया के दीपक कुमार; गोरहर थाना क्षेत्र के गोरहर के रोहित महतो और सेवा महतो। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब झारखंड के प्रवासी मजदूरों की विदेशों में फंसने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इसी साल जून 2025 में भी दुबई में झारखंड के करीब 15 मजदूर फंसे थे और वेतन न मिलने की शिकायत की थी। साथ ही, गिरिडीह जिले के डुमरी थाना क्षेत्र के मधगोपाली पंचायत (दूधपनिया गांव) निवासी विजय कुमार महतो की मौत 23 अक्टूबर 2025 को सऊदी अरब में हुई थी, जहां वह क्रॉसफायर में फंस गए थे। तीन महीने बाद भी उनका शव नहीं लाया जा सका और परिवार को मुआवजा नहीं मिला है। प्रवासी मजदूरों की ये लगातार घटनाएं चिंता का विषय बनी हुई हैं, और सरकार से अपेक्षा है कि वह ऐसी स्थितियों में त्वरित हस्तक्षेप करे ताकि मजदूरों का शोषण रोका जा सके।

हथियार के साथ राहुल सिंह गिरोह के दो अपराधी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लातेहार : लातेहार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सदर थाना क्षेत्र के कैमा गांव के पास से दो अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। एसपी कुमार गौरव को मिली सूचना पर सोमवार को यह कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार अपराधियों में दीपक उरांव और अनिल उरांव शामिल है। पुलिस ने उनके पास से तीन बंदूक, 10 गोलियां सहित अन्य सामग्री बरामद किए। गिरफ्तार अपराधी लातेहार थाना क्षेत्र के इचाबार और परसही के रहने वाले हैं। दोनों अपराधी कुख्यात अपराधी संगठन राहुल सिंह गिरोह के सदस्य हैं। सोमवार को प्रेस वार्ता करते हुए डीएसपी अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दो अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए सदर थाना क्षेत्र के कैमा गांव के पास जमा हुए हैं। सूचना के बाद पुलिस की एक टीम गठित की गई और अपराधियों के खिलाफ छापेमारी की गई। इस दौरान पुलिस ने मोटरसाइकिल से आ रहे दो युवकों को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा और उनकी तलाशी ली तो उनके पास से तीन हथियार और 10 गोलियां बरामद हुई। पुलिस ने जब गिरफ्तार अपराधियों से कड़ाई से पूछताछ किया तो अपराधियों ने स्वीकार किया कि वे लोग कोलियरी के पास अपराधिक घटना को अंजाम देने जा रहे थे। डीएसपी अरविंद कुमार ने बताया कि इन्हीं अपराधियों के जरिए एक माह पूर्व भी सदर थाना क्षेत्र के तुबेद कोलियरी के पास फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों से पुलिस को कई अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी मिली है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भुइयासिनान से रसिकनगर बंगाल सीमा मुख्य सड़क अधूरी, ग्राम प्रधान संघ ने उठाई आवाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड के भुइयासिनान से भाया भुला मोड़ से रसिकनगर बंगाल सीमा को जोड़ने वाली मुख्य सड़क के निर्माण में कई स्थानों पर वर्तमान में निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हुआ है।इस विषय पर दो पंचायत के ग्राम प्रधान संघ ने प्रशासन से इस मामले को संज्ञान लेते हुए निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करवाने की मांग की है। रसिकनगर मुखिया प्रतिनिधि सनातन सिंह सरदार ने बताया कि इस सड़क निर्माण में आ रही समस्या के समाधान के लिए जल्द ग्राम प्रधान सहित ग्रामीणों की उपस्थिति में प्रशासन और संवेदक के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर समाधान निकालते हुए सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण करवाने का प्रयास किया जाएगा। मुकरूडीह ग्राम प्रधान संजीत महतो ने बताया कि इस सड़क का निर्माण कार्य में गुगलुबनी आमतोल और सुसनी खड़ियागुटा के पास निर्माण में आई बाधा को प्रशासन और संवेदक को मिलकर समाधान कर निर्माण कार्य पूर्ण करवाने की जरूरत है। ताकि सड़क निर्माण की उद्देश्य पूर्ण हो सके। जिससे आवागमन सुगम हो सके। यदि सड़क निर्माण पूर्ण नहीं होता है। तो बारिश में फिर से बड़ी समस्या उत्पन्न होगी। इस दौरान ग्राम प्रधान संजीत महतो, बंक बिहारी महंती, जगन्नाथ गोप, खगेन महतो, विष्णु पद महतो, वार्ड सदस्य लोकनाथ राउत, समाजसेवी कर्मु गोप, प्रकाश गोप, भक्त रंजन महतो,भागवत दास, अजीत अंसारी, आसलीय अंसारी सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

जनहित को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है वीबी जी रामजी : कोचे मुंडा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : भाजपा गोविंदपुर मंडल अध्यक्ष सुधीर सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को वीबी-जी रामजी अधिनियम-2025 के संबंध में मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को अधिनियम की प्रमुख धाराओं, उसके प्रावधानों और उसके सामाजिक प्रभावों से अवगत कराना था, ताकि वे आमजन तक सही जानकारी पहुंचा सकें। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में तोरपा के पूर्व विधायक कोचे मुंडा उपस्थित थे। मौके पर उन्होंने कहा कि यह कानून समाज में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इस अधिनियम की जानकारी घर-घर तक पहुंचाने और लोगों को इसके लाभों के बारे में जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम के जिला संयोजक भागीरथ राय, सहसंयोजक संतोष त्रिपाठी और मंडल संयोजक शिवम कुमार ने भी अधिनियम से संबंधित बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया। वक्ताओं ने बताया कि अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन में कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर प्रेम कुमार साहू, सीमा देवी, सरस्वती देवी, राम लखन सिंह, श्याम सोनी, नीलांबर सिंह, प्रीति सिंह, सुरेंद्र गोप, जगन्नाथ साहू, मधुसूदन साहू, छोटन सिंह, मनोज सिंह, सतीश सिंह, सोनी देवी सहित अन्य उपस्थित थे।

कृषि कार्य को सरल बनाने के लिए तकनीक का करें इस्तेमाल : डॉ दास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले के किसानों को कृषि कार्य में होने वाली कठिनाई को सरल बनाने के लिए तकनीक का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र में किसान मेला का आयोजन किया गया। किसानों के सशक्तिकरण के उद्देश्य से अनुसूचित जाति उप योजना अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के पूर्वी अनुसंधान परिषद पटना के निदेशक डॉ अनूप दास के नेतृत्व में आयोजित दो दिवसीय कृषि यांत्रिकी मेले का सोमवार को शुभारंभ किया गया। मेले का मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि यंत्रीकरण, ड्रोन तकनीक एवं आधुनिक कृषि उपकरणों से जोड़कर कृषि कार्यों में श्रमभार को कम करना और उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक निर्मल महतो ने किया। मुख्य अतिथि ने मेले में लगी कृषि यंत्रों और तकनीकों की प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। उन्होंने केवीके के प्रक्षेत्र में वैज्ञानिक विधि से किए जा रहे प्रत्यक्षणों की सराहना की। मेले का प्रमुख आकर्षण कृषि ड्रोन से कीटनाशी छिड़काव का प्रदर्शन रहा। इसका महिला किसानों ने विशेष उत्साह के साथ अवलोकन किया।

रामगढ़ में सरकारी आदेश की अनदेखी कर रहे ईंट भट्ठा संचालक, 26 को जारी किया गया व्यक्तिगत इश्तेहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सदर प्रखंड क्षेत्र में ईंट भट्ठा संचालकों द्वारा सरकारी आदेशों की लगातार अनदेखी किए जाने का मामला सामने आया है। इसे गंभीरता से लेते हुए अंचल अधिकारी (सीओ) रमेश रविदास ने अब भट्ठा मालिकों को व्यक्तिगत इश्तेहार जारी करना शुरू कर दिया है। रामगढ़ प्रखंड क्षेत्र में संचालित कुल 36 ईंट भट्ठा संचालकों को पूर्व में अपने-अपने भट्ठों से संबंधित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किया गया था, लेकिन अब तक केवल सात संचालकों ने ही दस्तावेज जमा किए हैं। शेष संचालकों की ओर से किसी भी प्रकार का अनुपालन नहीं किया गया है। सीओ रमेश रविदास ने सोमवार को बताया कि 26 ईंट भट्ठा संचालकों को व्यक्तिगत रूप से इश्तेहार उपलब्ध कराए गए हैं और सभी को 7 फरवरी तक अनिवार्य रूप से दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि 18 दिसंबर को आयोजित जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक में उपायुक्त द्वारा ईंट भट्ठा संचालकों के दस्तावेजों की जांच का स्पष्ट आदेश दिया गया था। उन्होंने बताया कि भट्ठा संचालकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर ही उनकी वैधता और नियमों के अनुपालन की जांच की जानी है, लेकिन अधिकांश संचालकों की उदासीनता के कारण यह प्रक्रिया बाधित हो रही है। अब तक दस्तावेज जमा करने वाले ईंट भट्ठा संचालकों में सुरेश महतो, वसंत कुशवाहा, जगन्नाथ महतो, महेंद्र प्रसाद, वीरेंद्र कुमार साहू, सतीश गुप्ता और अजय सिंह उर्फ आजाद सिंह शामिल हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि तक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने वाले ईंट भट्ठा संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

बड़की सरैया नगर पंचायत चुनावः अध्यक्ष पद पर अब तक 5 नामांकन, 23 प्रपत्रों की बिक्री

सरिया : बड़की सरैया नगर पंचायत चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया के चौथे दिन अध्यक्ष पद के लिए चार प्रत्याशी क्रमशः चेतना तरवे, श्रुतिप्रिया कौर, कंचन देवी व आरती देवी ने नामांकन प्रपत्र दाखिल किया। जबकि चार लोगों ने नामांकन प्रपत्र खरीदा। इस प्रकार अब तक अध्यक्ष पद के लिए कुल 5 प्रत्याशियों का नामांकन हो चुका है, जबकि कुल 23 नामांकन प्रपत्रों की बिक्री हो चुकी है। वहीं वार्ड 1 से 6 के लिए दो व वार्ड 7से 12 तक के लिए 2 प्रत्याशियों ने नामांकन प्रपत्र भरा। जबकि वार्ड 1 से 6 के लिए सोमवार को 14 व अबतक कुल 47 नामांकन प्रपत्र की बिक्री हुई है। जबकि वार्ड 7से12 के लिए सोमवार को 04 व अबतक कुल 38 नामांकन प्रपत्रों की बिक्री की गई। अध्यक्ष पद के लिए सभी चार प्रत्याशियों ने दो-दो सेट में नामांकन प्रपत्र भरा। निवार्ची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी संतोष गुप्ता ने बताया कि अब मंगलवार व बुधवार दो दिन और नामांकन कार्य होना अतः सभी प्रत्याशी तय समय पर साफ सुथरे शब्दों में प्रपत्र को भरें, साथ ही स्वघोषणा पत्र के लिए जो नया फॉर्म दिया गया है उसे भरकर दें । पुराने स्वघोषणा पत्र के फॉर्म को रद्द किया गया है। नये स्वघोषणा पत्र में अपने सभी बच्चों का उम्र सहित वर्णन व नगरपंचायत के किसी प्रकार का कोई कर बकाया नहीं है समेत अन्य घोषणा करना है। इस दौरान चुनावी कार्य में सरिया अंचलाधिकारी संतोष कुमार, बीडीओ ललित नारायण तिवारी, पीरटांड़ के अंचलाधिकारी ऋषिकेश मरांडी,बगोदर कोनार नहर प्रमंडल के सहायक अभियंता संजय कुमार साव, सहायक कृषि अभियंता उत्तम कुमार व संजय कुमार महतो उपस्थित रहे।

किशोर राणा विश्वकर्मा समाज के प्रखंड अध्यक्ष बने

बड़कागांव : झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज बैनर तले हजारीबाग जिला समिति द्वारा पारिवारिक मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन भाग्यमणि विवाह भवन में किया गया। कार्यक्रम का अध्यक्षता जिला अध्यक्ष यदु राणा तथा संचालन जिला महासचिव बृजलाल राणा ने किया, कार्यक्रम का मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान जिला समिति का विस्तार किया गया एवं प्रखंडों का अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष का नियुक्तकर नियुक्ति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं किशन राणा को बड़कागांव प्रखंड के विश्वकर्मा समाज का अध्यक्ष बनाया गया इसके अलावा सचिव संतोष राणा, कोषाध्यक्ष मुनेश्वर राणा, जिला सचिव नंदलाल राणा, जिला संगठन मंत्री पूर्व मुखिया कैलाश राणा,जिला कार्यकारी समिति सदस्य संतोष राणा, राजकुमार राणा धनेश्वर राणा राजकुमार राणा लोकनाथ राणा संजय राणा तथा दशरथ राणा को जिला कमेटी में जगह दी गई। वहीं नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्ष किशोर राणा ने प्रखंड अध्यक्ष चयनित होने पर जिला समिति हजारीबाग का आभार व्यक्त किया ।

झारखण्ड सरकार
कारा एवं सुधारात्मक सेवाऐं निरीक्षणालय
उप कारा, खूँटी

अति अल्पकालीन ई०-निविदा सूचना

HJ & DM/SJ-KHUNTI/Q-1/2026/387

1. कारा का नाम- **उप कारा, खूँटी।**
2. विषय- **कारा में संसीमित बंदियों के भोजनादी की व्यवस्था हेतु विभिन्न प्रकार के खाद्यान्नों, हरी सब्जी, चिकेन, पनीर, हरा मटर, आलु, फल, चीनी एवं अन्य विविध सामग्रियों के क्रय/आपूर्ति के निमित्त ई०-निविदा का आमंत्रण। (प्रथम त्रैमासिक निविदा दिनांक-01.01.2026 से 31.03.2026 तक)**
3. निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non refundable) Online स्वीकार की जायेगी, जो निम्न प्रकार है - **5,000.00 (पाँच हजार रूपये) मात्र।**
4. वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र के उपलब्धता की तिथि एवं समय- **03.02.2026 से 10.02.2026 के अपराह्न 04:00 बजे तक।**
5. निविदा Online upload करने की तिथि- **03.02.2026 से 10.02.2026 के अपराह्न 04:00 बजे तक।**
6. आपूर्ति हेतु खाद्य सामग्रियों का नमूना (Sample) जमा करने की तिथि- **दिनांक-11.02.2026 को अपराह्न 05:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।**
7. अग्रधन राशि (EMD) (₹2500/- से अधिक होने पर) जमा करने की तिथि। **दिनांक-11.02.2026 को अपराह्न 05:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।**
8. निविदा के खुलने की तिथि/समय/स्थान- **तिथि-12.02.2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे अनुमंडल पदाधिकारी, खूँटी के कार्यालय कक्ष में अनुमंडल पदाधिकारी, खूँटी की उपस्थिति में।**

नोटः-
1. उपर्युक्त निविदा झारखण्ड सरकार की वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in पर केवल e-Tender के माध्यम से प्राप्त/स्वीकृत की जायेगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online ही स्वीकार की जायेगी।
3. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु अधीक्षक, उप कारा, खूँटी के कार्यालय में कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender को online upload करने से संबंधित जानकारी हेतु कार्यालय अवधि में Helpline No. 9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

अधीक्षक,
उप कारा, खूँटी

PR 372130 (Prison) 25-26 (D)

अनुमण्डल कार्यालय, सिमडेगा
(गोपनीय शाखा)

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, झारखण्ड अधिविद्य परिषद, राँची के पत्रांक-JAC/028/2003/CC-07/26, दिनांक-17.01.2026 द्वारा आयोजित **वार्षिक माध्यमिक एवं इन्टरमीडिएट (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) परीक्षा, 2026 की वार्षिक माध्यमिक परीक्षा** दिनांक-**03.02.2026 से 17.02.2026** तक **प्रथम पाली में पूर्वाह्न 9:45 बजे से 01:00 बजे अपराह्न** तक एवं **इन्टरमीडिएट (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य)** की **सैद्धांतिक परीक्षा** दिनांक-**03.02.2026 से 23.02.2026** तक द्वितीय पाली में **अपराह्न 02:00 बजे से 05:15 बजे अपराह्न** तक सिमडेगा जिलान्तर्गत निम्नांकित परीक्षा केन्द्रों पर संचालित की जायेगी :-

1. S.K. BAGE DEGREE COLLEGE, KOLEBIRA
2. ST. ANNE'S GIRLS HIGH SCHOOL, LACHRAGARH, KOLEBIRA
3. ST. BIYANNEY'S HIGH SCHOOL, LACHRAGARH KOLEBIRA
4. S.S. +2 HIGH SCHOOL, BANO
5. S.S. +2 HIGH SCHOOL, JALDEGA
6. S.S. +2 HIGH SCHOOL, JORAM THETHAITANGER
7. GOVT. MIDDLE SCHOOL JORAM THETHAITANGER
8. ST. ANNE'S MIDDLE SCHOOL, SAMTOLI, SIMDEGA
9. GOVT. MIDDLE SCHOOL GHOCHOTOLI, SIMDEGA
10. ST. MARY'S HIGH SCHOOL, SAMTOLI, SIMDEGA
11. URSULINE CONVENT GIRLS HIGH SCHOOL, SAMTOLI SIMDEGA
12. PRIMARY TEACHERS TRAINING COLLEGE, SIMDEGA
13. WOMENS COLLEGE, SIMDEGA.
14. S.S. +2 HIGH SCHOOL, KOLEBIRA
15. SS + 2 HIGH SCHOOL, BOLBA
16. SS + 2 HIGH SCHOOL ,BANSJOR
17. UPG GOVT. +2 HIGH SCHOOL,PAKARTANR
18. UPG GOVT. + 2 HIGH SCHOOL, HURDA
19. GOVT. +2 HIGH SCHOOL, KURDEG
20. GOVT. MIDDEL SCHOOL GHAGHMUNDA, KURDEG
21. GOVT. HIGH SCHOOL ,KERSAI

वार्षिक माध्यमिक एवं इन्टरमीडिएट (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) परीक्षा, 2026 संचालन संबंधी संयुक्तादेश ज्ञापांक-54/गो0, दिनांक-30.01.2026 आलोक में परीक्षा कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु उपरोक्त सभी परीक्षा केन्द्रों के 500 गज की परिधि में दिनांक-03.02.2026 से परीक्षा की समाप्ति तक मैं, **प्रभात रंजन ज्ञानी, (झा0प्र0से0) अनुमण्डल दण्डाधिकारी, सिमडेगा** भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता,2023 की धारा-163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू करता हूँ, जिसके अन्तर्गत परीक्षा केन्द्र के 500 गज की परिधि में किसी व्यक्ति द्वारा मटरगश्ती करना, लाउडस्पीकर का प्रयोग करना, घातक हथियार लेकर चलना, प्रदर्शन करना, धरना देना, पर्ची किताब या अन्य कोई सामान बाँटना, कदाचार को प्रोत्साहित करना या अन्य कोई ऐसा कार्य करना, जिससे परीक्षा की स्वच्छता प्रभावित हो, वर्जित रहेगा। कदाचार में पकड़े गये छात्र/छात्राओं एवं अभिभावकों के विरूद्ध झारखण्ड परीक्षा संचालन अधिनियम,2001 की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कार्रवाई की जायेगी। साथ ही साथ दो (2) हजार रूपये जुर्माना या छः माह तक का कारावास या दोनों से दंडित किया जा सकता है। यह आदेश कर्त्तव्य पर तैनात कर्मचारियों, पदाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं सशस्त्र बल पर लागू नहीं रहेगा।

अनुमण्डल दण्डाधिकारी,
सिमडेगा

PR 372181 Simdega(25-26).D

सहजन के फूलों में नवजीवन का उजास

वसंत की प्रथम आहट के साथ ही सहजन के पेड़ ने अपनी शाखाओं को नवजीवन के उजास से भर लिया। हल्की ठंडी हवा, धूप की धीमी परछाइयां और कोयल की आवाज के बीच सहजन के फूल अपनी नाजुक पंखुड़ियों को खोलने लगे। इन फूलों में एक अलौकिक सादगी थी, जैसे किसी गजल का पहला मिसरा-अनायास, लेकिन भीतर तक स्पंदित कर देने वाला। इन छोटे-छोटे सफेद फूलों की सुगंध में स्मृतियों का एक संसार बसता था। गांव की वह पगडंडी, जहां दुपहरिया की उनींदी हवा में सहजन की डालियां झूलती थीं। उनकी छांव में खेलते बच्चे, दोपहर की थकान से आंखें मूंदकर सुस्ताते किसान और किसी कोने में बैठी कोई स्त्री, जो फूलों को बटोर कर उनकी सब्जी बनाने की सोच रही थी। सहजन का फूल केवल फूल नहीं था, यह किसी विरासत की तरह अगली पीढ़ी को सौंपा जाने वाला एक गीत था-मौन में गाया हुआ लेकिन दिल की गहराइयों तक गूंजता हुआ। सहजन के फूलों को जब पानी में डुबोया जाता तो वे अपनी कोमलता को त्यागकर पकने के लिए तैयार हो जाते। जैसे जीवन भी तपने पर ही अपनी पूर्णता को प्राप्त करता है। उनकी हल्की कड़वाहट, उनकी मिट्टी की गंध और उनके भीतर बसी हुई मृदुता एक संपूर्ण कविता थी-जिसे सिर्फ स्वाद से ही नहीं, हृदय से भी समझा जा सकता था। सहजन के फूलों की एक अलग ही दुनिया थी-न धूमधाम, न रंगों का जादू, बस सफेदी में लिपटी हुई एक गहरी अनुभूति। वे उन शब्दों की तरह थे, जो बिना किसी शोर के भी भीतर तक असर कर जाते हैं। उनके गिरने का ढंग भी अनूठा था-धीरे-धीरे, बूंद-बूंद की तरह, मानो समय के हाथों में अपनी अंतिम आहुति दे रहे हों। जब हवा सहजन के फूलों को स्पर्श करती तो वे एक अनकही भाषा में झूम उठते। यह भाषा किसी एक की नहीं थी, यह उन सभी की थी, जिन्होंने प्रतीक्षा की पीड़ा को समझा था। एक विरहिणी नायिका की तरह ये फूल अपनी डालियों से अलग होकर भी किसी अदृश्य प्रेम के साथ जुड़े रहते थे। सहजन के फूलों में प्रेम था-एक ऐसा प्रेम, जो सब कुछ सहकर भी विनम्र बना रहता है। कभी-कभी, जब संध्या उतरती तो सहजन के फूलों से भरी डालियां चुपचाप अपने अस्तित्व को देखती रहतीं। जैसे किसी बूढ़े साधु की आंखों में ठहरा हुआ संतोष। वे फूल, जो दिनभर हवा के साथ हंसे थे, अब निशब्द खड़े रहते- स्वीकृति और समर्पण के साथ। वे जानते थे कि उनकी यात्रा यहीं समाप्त नहीं होती, वे मिट्टी में मिलकर फिर से जन्म लेंगे, किसी और शाखा पर, किसी और ऋतु में। सहजन के फूलों की यही विशेषता थी- वे जीवन के सबसे सरल, सबसे अल्पकालिक, लेकिन सबसे अर्थपूर्ण हिस्से थे। वे बिना बोले हमें सिखा जाते थे कि सौंदर्य केवल भव्यता में नहीं, सादगी में भी होता है। वे हमें यह भी सिखाते थे कि जो गिरने में भी आनंद पा सके, वही सच्चे अर्थों में खिला हुआ है। जब भी कोई सहजन के फूलों को देखता, उसे अपने भीतर कोई भूला-बिसरा गीत याद आ जाता। कोई पुरानी चिट्ठी, कोई अनकहा वादा, कोई अधूरा सपना। वे फूल नहीं थे, वे स्मृतियों की छोटी-छोटी नावें थीं, जो समय की नदी में बहती रहती थीं - शांत, निश्चल, लेकिन हर किसी तक पहुंचने वाली। कई बार, मैं सहजन के उन फूलों को देखता और सोचता - क्या जीवन भी ऐसा ही नहीं है? क्या हम सब किसी शाखा पर लगे हुए फूल ही तो नहीं, जिन्हें एक दिन जमीन पर गिर जाना है? और अगर गिरना ही नियति है तो क्यों न गिरते समय भी अपनी सुगंध को बचाए रखें? क्यों न इस यात्रा को भी सुंदर बना दें? शायद यही कारण था कि जब भी सहजन के फूल जमीन पर बिखरते, वे किसी उदासी में नहीं बल्कि एक नृत्य में होते थे। जैसे किसी विदा होती आत्मा की अंतिम प्रार्थना। जैसे किसी प्रेमी की वह चुप्पी, जिसमें कोई शिकायत नहीं, सिर्फ समर्पण होता है। सहजन के फूल सिर्फ पेड़ पर नहीं खिलते, वे स्मृतियों में भी खिलते हैं। वे बचपन की कच्ची धूप में खिलते हैं, वे मां के हाथों की गर्माहट में खिलते हैं, वे किसी पुरानी धुन में खिलते हैं। वे हवा में बहते हैं, मिट्टी में घुलते हैं और फिर किसी नए वृक्ष की शाख पर उग आते हैं। और इस तरह, सहजन के फूल कभी मरते नहीं।

कुमाऊं में सांस्कृतिक लोक उत्सव है होली

प्रयाग पाण्डे

हिमालय की गोद में बसा कुमाऊं अंचल न केवल अपने नैसर्गिक सौंदर्य, सुदीर्घ और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा के लिए भी विख्यात है, बल्कि यहां मनाई जाने वाली होली का भी अंदाज निराला है। यही वजह है कि कुमाउंनी होली की विशिष्ट पहचान है। अपना अनोखा रंग है। यहां की होली तन को ही नहीं रंगती, मन को भी उमंग से लबालब भर देती है। कुमाऊं की होली में आंचलिक विशिष्टता है। अनूठा सौंदर्य बोध है। रंग, राग और रागनियों का अदभुत समावेश है। ऋतुराज वसंत को यौवन का सूचक माना जाता है। वसंत ऋतु के आते ही समूची प्रकृति का यौवन एकाएक खिल उठता है। प्रकृति रंग -बिरंगी हो जाती है। विशिष्ट सुगंध और रंग लिए फूल खिलने लगते हैं। देश के अलग - अलग हिस्सों में लोग अपने -अपने अंदाज में वसंतोत्सव के रंग के आगोश में डूब जाते हैं। भारत के कोने -कोने में राग -रंग के उत्सव होली की धूम मच जाती है।

होली भारत के प्राचीनतम त्योहारों में शामिल है। लिहाजा होली पूरे भारत में मनाई जाती है। भारत के अलग - अलग हिस्सों में होली मनाने का अंदाज जुदा है। स्थानीय इतिहास, मान्यता और परंपराओं के मुताबिक समय और क्षेत्र के अनुसार होली का स्वरूप बदल जाता है। होली की इस विविधता को कुमाऊं अंचल में बेहतर तरीके से समझा और अनुभव किया जा सकता है। भारत के दूसरे क्षेत्रों की बनिस्बत कुमाऊं की होली का रंग कुछ अलहदा है। यहां होली महज एक दिन का पर्व नहीं बल्कि महीनों चलने वाला सांस्कृतिक लोक उत्सव है। पहाड़ के कई क्षेत्रों में पूस के पहले इतवार से रामनवमी तक होली की बैठकें जमने लगती हैं। कुमाऊं की होली के मायने हुड़दंग नहीं है। बल्कि राग-रागनियों की सामूहिक अभिव्यक्ति है। परालौकिक विश्वास है। यहां की होली में स्थानीय परंपराओं, मान्यताओं और मिथकों का समावेश है। सरलता, उन्मुक्तता और आत्मीयता है। रंगों के द्वारा अपनी सांस्कृतिक जड़ों से रिश्ता कायम रखने की कोशिश है। लोक - मानस में निहित आस्था की सशक्त अभिव्यक्ति है।

कुमाऊं की होली में प्रत्येक कालखंड के सामाजिक इतिहास, परंपरा, धर्म और संस्कृति के गहरे रंग दिखाई देते हैं। यहां की होली के गीतों में यथार्थ और कल्पना का अनोखा मिश्रण है। कुमाऊं की होली के गीतों में भक्ति, रस, कला, माधुर्य, आमोद -प्रमोद और हँसी - ठिठोली का अदभुत समावेश है। देवताओं से जुड़े ज्यादातर होली गीतों की विषय- वस्तु पौराणिक आख्यान से जुडी है। रामायण और महाभारत के अनेक प्रसंग भी होली गीतों की विषय-वस्तु बने हैं। गणेश, शिव, पार्वती की स्तुति, राधा -कृष्ण और राम - सीता द्वारा खेले जाने वाले रंग का वर्णन है। परदेस गए पति की प्रतीक्षा करती नवयौवना की भावनाएं हैं। देवर-भाभी के बीच की हंसी -ठिठोली है। कुमाउंनी होली में ब्रज और उर्दू का गहरा प्रभाव है। विशुद्ध स्थानीय भाषा -बोली में होली के गीत बहुत कम हैं। बावजूद इसके यहां की होली के गीतों में आंचलिक और सांस्कृतिक विशिष्टता साफ झलकती है। देश के दूसरे हिस्सों में प्रचलित होलियों से मिलती - जुलती हुए भी कुमाउंनी होली कई मायनों में अनोखी है। कुमाउंनी होली में राग - रंग, उल्लास के साथ गीत, संगीत और नृत्य पक्ष भी जुड़ा है। होली के पदों की सामूहिक अभिव्यक्ति, नृत्य और संगीत कुमाऊं की होली को देश के दूसरे हिस्से की होलियों से अलग करती है।

कुमाऊं में होली के तीन रूप प्रचलित हैं। बैठकी होली, खड़ी होली और महिलाओं की होली। यहां पूस के महीने के पहले इतवार से बैठकी होली शुरू हो जाती है। कुमाउंनी बैठकी होली में ताल और रागों का गहरा ताल्लुक है। बैठकी होली में पूस के पहले रविवार से वसंत पंचमी तक भक्ति परख होलियां गाई जाती हैं। इन्हें 'निर्वाण' की होली कहा जाता है। निर्वाण की होली का प्रारंभ गणेश जी की स्तुति से होता है। ' गण पति को भज ले, रसिक वह आदि कहावे।' इसके बाद शिव,राम,कृष्ण और दूसरे देवी -देवताओं की स्तुति की जाती है- ' भव भंजन गुण गाऊं, मैं अपने राम को रिझाऊं।' या ' शिव सुमरिन जिन जाना, सोई तन ब्रह्म समाना।' होली के गीतों में देवताओं की दार्शनिकता और रहस्यात्मकता का वर्णन अधिक होता है- 'क्या जिंदगी का ठिकाना, फिरत मन क्यों रे भुलाना।' निर्वाण की होलियों में आध्यात्मिकता और धार्मिक भावों की प्रधानता होती है- 'वन को चले दोऊ भाई, उन्हें समझावत नाहिं।'

कुमाउंनी बैठकी होली का भी अपना अनूठा अंदाज है। यह शास्त्रीय आधार के रागों को गाने की एक पारंपरिक शैली है। बैठकी होली में हारमोनियम,तबला, ढोलकी, मजीरा और दूसरे वाद्य यंत्रों का इस्तेमाल होता है। इस होली की खासियत यह है कि इसमें शास्त्रीय गायन की अनुशासनात्मकता होती है। बैठकी होली में कुछ विशिष्ट और रसिक लोग ही हिस्सा लेते हैं। राग - रागनियों पर आधारित होने बावजूद बैठकी होली का अंदाज प्रकारांतर में सामूहिक गायन जैसा ही होता है। बैठकी होली में राग की शुद्धता से ज्यादा भावाभिव्यक्ति और जन - रंजनता को वरीयता दी जाती है। खास बात यह है कि बैठकी होलियों को गाने वाले ज्यादातर लोग शास्त्रीय संगीत के जानकार नहीं होते हैं। शास्त्रीय संगीत की बुनियादी जानकारी नहीं रखने वाले लोग भी राग - रागनियों पर आधारित होलियां बखूबी गाते हैं। होली गायन की यह शैली श्रवण परंपरा से पीढ़ी -दर- पीढ़ी चलती आ रही है। बैठकी होली राग - रागनियों के आधार पर चार अलग - अलग समयचक्रों में विभाजित है। जैसे रात्रि के प्रथम पहर में कल्याण,यमन -कल्याण,श्याम - कल्याण, केदार, हमीर, विहाग और रात्रि के दूसरे पहर में देश, विहाग, काफी,जंगला काफी, तिलंग, खम्माज, झिझोटी, बागेश्री, शहना बगैरह रागों का गायन किया जाता है। तीसरे पहर राग- सहाना, बहार जैजैवन्ती, कान्हड़ा और रात्रि के चौथे पहर सुबह के वक्त परज, जोगिया, सोहनी और भैरवी गाई जाती है। दोहपर में राग - पहाड़ी,सुहा और दिन के तीसरे पहर में राग पीलू और भीम पलासी गाए जाते हैं। निर्वाण की होलियों की विषय -वस्तु आमतौर पर देवी - देवताओं से ही जुडी होती है- 'मालिक सीता- राम, सोच मन काहे को करे।'

कुमाऊं के अनेक क्षेत्रों में रामनवमी तक होलियां गाई जाती हैं। काली कुमाऊं और सोर घाटी में रामनवमी तक निर्वाण की होलियां गाए जाने की परंपरा रही है। वसंत पंचमी से होली का रंग कुछ गाढ़ा हो जाता है। इसके बाद होली के गीतों में सौंदर्य के साथ विरह, वेदना, भावुकता और आकुलता भी झलकने लगती है। होली के ज्यादातर गीत सामाजिक यथार्थ को व्यक्त करते हैं । 'आयो री फागुन मास,पिया बिन हूं मैं अकेली।' या 'फागुन के दिन चार सखी री, अपनो बलम मोहे माँग हूं दे री।' परदेस गए प्रियतम की राह देखते थक चुकी प्रेयसी का सब्र जबाव देने लगता है - 'जा रे कान्हा जा, संदेशा मोरा पियु तक ले जा। आवन कह गए, अजहूं न आए, फागुन मोरा यूं ही बीती जाए।' या 'बिरहन को रंग फीको, कहूं का से मन की बतियां।' जिनके प्रियतम घर में हैं,उनको कहा जाता है - 'जावो बलम जहां रैन बिताई। ना मोसे बोलो, ना घुंघुरू खोलो, ना छुवो नरम कलाई।' या 'नथुली में उलझेंगे बाल, सिपहिया काहे जुल्फे बढ़ाए।'

शिवरात्रि से खड़ी होली शुरू हो जाती है। खड़ी होली का ग्रामीण इलाकों में प्रचलन अधिक है। इसमें आम लोगों की भागीदारी होती है। यह ढोलक, नगाड़े और मंजीरे की लय पर सामूहिक रूप से गाए जाने वाली होली है। खड़ी होली का स्वरूप नृत्यात्मक होता है। इसी वजह से इसे खड़ी होली कहा जाता है। गोल घेरे में खास पद संचालन करते हुए सामूहिक होली गायन को खड़ी होली कहते हैं। शिवरात्रि को खड़ी होली का शुभारंभ शिव जी की होली से होता है। 'जटन विराजत गंग,भोले नाथ दिगम्बर। शिव के जटन से निकसी गंगा,जा सागर में समाई।' या फिर 'तू भज ले भवानी शंकर को। भाल तिलक सिर गंग विराजे,बास कियो गिरी हिमकर को।' बाद के दिनों में दूसरे देवी - देवताओं की स्तुति में होलियां गाई जाती हैं। 'दसरथ को लछिमन बाल -जती, बार बरस सीता संग रहिए,पाप न लागो एक रती।' सुर,ताल,लय,नृत्य और भाषा- बोली के लिहाज से कुमाऊं की खड़ी होली देश के अन्य हिस्सों में प्रचलित होलियों से कतई जुदा है। सामूहिक गायन शैली के चलते खड़ी होली में सुर,ताल,लय और नृत्य सभी में एक विशेष प्रकार की सादगी होती है। अधिकांश खड़ी होलियों में संगीत के स्तर पर अंतरा नहीं होता। खड़ी होली 'हां' लय से प्रारंभ होती है और धीरे - धीरे तेज होती चली जाती है। इसमें नृत्य भी हाथों की भावपूर्ण भंगिमा, सहज पद संचालन और शरीर की लचक तथा झौंक तक सीमित होता है। रंग पड़ने के साथ ही चीर बंध जाती है। 'को ए उ बांधनि चीर रघुनन्दन राजा। को ए उ खेलनि फाग रघुनन्दन राजा।' या 'अच्छा हां सीता वन में अकेले कैसे रही। कैसे रही दिन-रात, सीता वन में अकेले कैसे रही।' पूर्णमासी आते ही होली श्रृंगार प्रधान हो जाती है। 'तोसे पूछूं बात बहू चादर में दाग कहां लायो.......।'

नारी देह, नारी अधिकारः माहवारी पर सुप्रीम कोर्ट की दृष्टि

ललित गर्ग

भारत के सामाजिक विकास की यात्रा में महिलाओं की स्थिति हमेशा एक निर्णायक कसौटी रही है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से आँकी जाती है कि वह अपने समाज के आधे हिस्से-महिलाओं को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देता है। इसी सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने 30 जनवरी 2026 को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए मासिक धर्म स्वास्थ्य को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार घोषित किया है। कोर्ट ने देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त और सुरक्षित बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मासिक धर्म स्वच्छता को गरिमा और स्वास्थ्य के साथ जीने के मौलिक अधिकार का हिस्सा माना गया है। स्कूलों में साफ-सुथरे शौचालय और पानी की उचित व्यवस्था अनिवार्य है। इस निर्णय का उद्देश्य पीरियड्स के कारण लड़कियों की पढ़ाई में होने वाली बाधा को रोकना और उन्हें शर्मिंदगी से बचाना है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला महिलाओं और विशेषकर स्कूली लड़कियों की माहवारी से जुड़ी समस्या पर दिया गया ऐतिहासिक निर्णय, एक सशक्त और दूरदर्शी कदम है। कर्नाटक सरकार ने सरकारी और प्राइवेट क्षेत्र की महिला कर्मचारियों के लिए 12 दिन का सवेतन पीरियड लीव नीति को भी मंजूरी दी है। यह फैसला स्कूलों में मासिक धर्म प्रबंधन की कमी को दूर करने और छात्राओं के सम्मानजनक शिक्षा के अधिकार की सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम है। स्कूलों में अनिवार्य रूप से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला संदेश है कि अब माहवारी जैसे विषय को चुप्पी, लज्जा और अज्ञान के अंधेरे में नहीं छोड़ा जा सकता।

विडंबना यह है कि जिस माहवारी को प्रकृति ने जीवन-चक्र का अनिवार्य और स्वस्थ हिस्सा बनाया है, उसे हमारे समाज ने सदियों से अपवित्रता, अशुद्धता और वर्जना से जोड़ दिया। परिणामस्वरूप, करोड़ों महिलाएँ और किशोरियाँ न केवल शारीरिक कष्ट झेलती हैं, बल्कि मानसिक पीड़ा, हीनभावना और सामाजिक बहिष्कार का भी सामना करती हैं। आज भी भारत के अनेक हिस्सों में माहवारी के दौरान लड़कियों को रसोई, पूजा, स्कूल और सामाजिक गतिविधियों से दूर रखा जाता है। यह व्यवहार केवल परंपरा नहीं, बल्कि स्त्री की गरिमा और अधिकारों का प्रत्यक्ष हनन है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी कि "माहवारी स्वच्छता की कमी महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुँचाती है" इस पूरे विमर्श को एक नई संवैधानिक दृष्टि देती है। संविधान द्वारा प्रदत्त जीवन और गरिमा के अधिकार को यदि वास्तविक अर्थों में लागू करना है, तो महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देनी ही होगी। स्कूलों में सेनेटरी पैड की अनिवार्य व्यवस्था इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कई अध्ययन बताते हैं कि स्वच्छता सुविधाओं के अभाव में बड़ी संख्या में लड़कियाँ किशोरावस्था में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। यह केवल शिक्षा का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे समाज की बौद्धिक और नैतिक पूंजी की क्षति है।

न्यायालय ने शिक्षा को एक "मल्टीप्लायर राइट" बताया जो अन्य मानवाधिकारों के उपयोग की कुंजी है। न्यायालय ने इस निर्णय को केवल आदर्शों की घोषणा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जमीन पर उतारने के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक निर्देश दिए। कक्षा 6 से 12 तक की सभी छात्राओं को मुफ्त, उच्च गुणवत्ता वाले ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया। इन पैड्स का एएसटीएम डी-6954 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य किया गया, ताकि स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित हो सके। साथ ही, पैड्स की सहज, सुरक्षित और गोपनीय उपलब्धता के लिए स्कूलों में वेंडिंग मशीन या नामित अधिकारी की व्यवस्था तय की गई, जिससे छात्राओं की झिझक और असहजता पूरी तरह दूर की जा सके। इसके साथ ही स्कूलों में "मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन कॉर्नर" स्थापित करने का आदेश दिया गया, जहाँ अतिरिक्त यूनिफॉर्म, स्पेयर इनरवियर, डिस्पोजेबल बैग और आवश्यक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध होगी। दिव्यांग छात्राओं के लिए व्हीलचेयर-अनुकूल शौचालय और सहायक उपकरण जैसी विशेष सुविधाएँ अनिवार्य की गईं। निजी स्कूलों द्वारा निदेर्शों की अवहेलना पर मान्यता रद्द करने का प्रावधान रखकर जवाबदेही को मजबूत किया गया, ताकि यह फैसला केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि हर छात्रा के जीवन में वास्तविक बदलाव ला सके।

माहवारी स्वच्छता केवल पैड उपलब्ध कराने तक सीमित विषय नहीं है। इसके साथ जुड़ा है स्वच्छ शौचालय, साफ पानी, कचरा निस्तारण की व्यवस्था और सबसे महत्वपूर्णकृसही जानकारी। आज भी अनेक लड़कियाँ पहली माहवारी के समय भय, भ्रम और अपराधबोध से घिर जाती हैं क्योंकि उन्हें पहले से कोई वैज्ञानिक और संवेदनशील जानकारी नहीं दी जाती। स्कूलों में यदि स्वास्थ्य शिक्षा को गंभीरता से लागू किया जाए और माहवारी को एक सामान्य जैविक प्रक्रिया के रूप में समझाया जाए, तो यह डर और संकोच स्वतः समाप्त हो सकता है। यह भी सच है कि माहवारी को लेकर समाज में फैली चुप्पी पुरुषों की भूमिका को भी प्रश्नों के घेरे में लाती है। जब तक पुरुष-चाहे वे पिता हों, शिक्षक हों, प्रशासक हों या नीति-निमार्ता, इस विषय को केवल "महिलाओं का मामला" मानकर किनारे करते रहेंगे, तब तक वास्तविक बदलाव संभव नहीं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं कि उन्होंने समाज और खासकर पुरुषों को संवेदनशील बनने का अवसर दिया है। जागरूकता का अर्थ केवल महिलाओं को सशक्त बनाना नहीं, बल्कि पुरुषों को सहृदय और जिम्मेदार बनाना भी है। ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में माहवारी से जुड़ी चुनौतियाँ और भी गंभीर हैं। वहाँ आज भी कपड़े, राख या अस्वच्छ साधनों का उपयोग आम है, जिससे संक्रमण और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। सरकारी योजनाएँ और गैर-सरकारी प्रयास मौजूद हैं, परंतु उनकी पहुँच और प्रभावशीलता अभी भी सीमित है। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय यदि ईमानदारी से लागू होता है, तो यह नीति और जमीन के बीच की खाई को पाटने में सहायक हो सकता है। यह भी विचारणीय है कि माहवारी स्वच्छता को केवल कल्याणकारी योजना न मानकर महिला अधिकारों के व्यापक ढाँचे में देखा जाए। स्वास्थ्य का अधिकार, शिक्षा का अधिकार और समानता का अधिकार-तीनों इस विषय से सीधे जुड़े हैं। एक ऐसी व्यवस्था जहाँ लड़की केवल इसलिए स्कूल न जा सके क्योंकि उसके पास सेनेटरी पैड नहीं हैं, वह व्यवस्था संविधान की आत्मा के विपरीत है। इसलिए यह फैसला सामाजिक न्याय की अवधारणा को भी मजबूती देता है। आज भारत "नए प्रवेश" के साथ आगे बढ़ने की बात करता है-डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखता है। किंतु यदि इस विकास की गाथा में महिलाओं की बुनियादी आवश्यकताएँ और सम्मान शामिल नहीं हैं, तो यह प्रगति खोखली सिद्ध होगी। वास्तविक विकास वही है जो सबसे कमजोर वर्ग की पीड़ा को समझे और उसे दूर करने का साहस रखे।

सूडोकु नवताल- 7694

✶ ✫ ✫ ✫ ✫ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7693 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

शिवदयाल सिंह मुस्कुराने की सीख देते, मुस्कुराते चले गए

विजय केसरी

झारखंड के जाने-माने शिक्षाविद, प्राध्यापक, कवि, समाजसेवी, समाजसुधारक शिवदयाल सिंह 'शिवदीप' का जाना साहित्य और शिक्षा जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति के समान है। उनका संपूर्ण जीवन साहित्य, शिक्षा का दान, समाज सुधार और समाज सेवा को समर्पित रहा था। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व दोनों ही बेमिसाल थे। उनका सादगी भरा जीवन सदा लोगों के लिए अनुकरणीय रहेगा। उनकी यश कीर्ति सिर्फ झारखंड तक ही सीमित नहीं , बल्कि राष्ट्रीय फलक तक फैल चुकी थी। उनका सहज, सरल, मृदुभाषी स्वभाव आजीवन बना रहा था। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन साक्षी भाव से जिया। उन्होंने संत कवि कबीर दास की उन पंक्तियों को सार्थक कर दिया, 'जस की तस धर दीन्हीं चदरिया।' उन्होंने आज की इस भागम भाग भरी जिंदगी में महाविद्यालय, विश्वविद्यालय और सामाजिक दायित्वों का पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निर्वहन करते हुए, खुद पर कभी भी कोई कलंक नहीं लगने दिया। यह उनके व्यक्तित्व की ईमानदारी और कर्मठता को दर्शाता है।

वे लोगों से बहुत ही सहज भाव से मिलते और आदर सत्कार करते थे। इसी कारण प्रतिदिन कई लोग उनसे मिलते, अपने अपने सुख दुःख बांटते रहते थे। साथ ही वे हर दिन जरूरत मंद लोगों की आर्थिक मदद भी किया करते थे। वे बचपन से ही सहयोगी प्रवृति के थे। वे छात्र जीवन में साथी विद्यार्थियों को किताबें,खाद्य सामग्रियां आदि से मदद किया करते थे। चूंकि वे एक संपन्न कृषक परिवार से आते थे, इसलिये उनके लिये ऐसा कर पाना सामान्य सी बात था। इनके पिता स्वर्गीय चंद्र नारायण सिंह ने जब देश में भीषण अकाल पड़ा था, तब घर का अनाज जरूरतमंद लोगों के बीच वितरित कर सेवा का अनूठा उदहारण प्रस्तुत किया था। पिता के इस कार्य में शिवदयाल सिंह ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था। जिसकी चर्चा आज भी ग्राम कदमा सहित आसपास के गांवों में बुजुर्ग करते थकते नहीं है। उनकी स्नेहमयी माता स्वर्गीय अधिराज देवी एक ममतामयी माता के रूप में लोकप्रिय थीं। वह एक धर्म परायण महिला थीं। ऐसे धर्मपरायण परिवार में शिवदयाल सिंह का लालन-पालन हुआ था। इसलिए उनका झुकाव धार्मिक कार्यों पर बहुत रहता था। होली, शिवरात्रि, जन्माष्टमी, रामनवमी, दशहरा, दीपावली आदि पर्वों पर इनके आवास पर भजन कीर्तन का भव्य आयोजन होता रहता है। इस आयोजन में सैकड़ो की संख्या में लोग पहुंचते रहे हैं। प्रसाद पाते रहे हैं। अर्थात इनका घर एक मंदिर के रूप में तब्दील हो चुका है।

उनका उच्चतर शिक्षा सेवा के ऊँचे मोकाम पर पहुंचने के बावजूद विद्यार्थियों के प्रति उनकी संवेदना देखते बनती थी। उनका मुस्कुराता हुआ चेहरा सदैव उनसे मिलने जुलने वाले को याद आता रहेगा। वे हमेशा लोगों को मुस्कुराने की सीख देते रहे और मुस्कुराते हुए इस दुनिया से विदा भी हो गए। उनकी मृत्यु तिरानवे वर्ष की उम्र में हुई। कोई बीमारी नहीं। चलते फिरते, लोगों से बातचीत करते हुए चले गए। वे मृत्यु से पूर्व तक पूरी तरह सक्रिय रहे। वे लोगों से अच्छे ढंग से बातचीत करते रहे। उन्हें किसी से कोई शिकायत नहीं थी। वे हमेशा ईश्वर को धन्यवाद ज्ञापित करते रहते कि ईश्वर ने उन्हें इतना सब कुछ दिया, उसे अपने ही पुत्रों के बीच वितरित कर देता हूं। यह कर उन्हें बहुत संतोष मिलता था। पेंशन में मिलने वाली लगभग पूरी राशि को लोगों की मदद करने में लगा दिया करते थे। उनकी मृत्यु के बाद जब उनके पार्थिव शरीर का दर्शन करने के लिए पहुंचा, तब उनके पुत्र सुबोध सिंह ने एक पर्स दिखलाया कि बाबूजी किस तरह जरूरतमंद लोगों के लिए रुपए क्रमवार सजा कर रखते थे। शिवदयाल सिंह जात-पात के बंधन से मुक्त एक निश्छल मन के व्यक्ति थे। वे अभी वंचित वर्ग के लोगों को भी पास बुलाकर बैठे थे। गले मिलते थे। साथ खाते थे। उन्होंने विवेकानंद की उस युक्ति को गति प्रदान किया, जिसमें विवेकानंद ने कहा कि 'दरिद्रो देवो भव'। शिवदयाल सिंह गरीबों को उठाने के लिए हमेशा अग्रसर रहे। उन्होंने अपने शिक्षा सेवा काल के दौरान लगभग ढाई सौ से अधिक लोगों को सरकारी नौकरी प्रदान कराई थी, जिनमें कई लोग अब रिटायर भी हो चुके हैं । कई नौकरी में लगे हुए हैं। उनके चेहरे पर कभी भी उदासी नहीं देखी गयी। उन्होंने हमेशा लोगों को झंझावातों से मुकाबला करने की प्रेरणा दी।

उनका जन्म 21 दिसंबर 1933 को ग्राम कदमा में हुआ था। जब भारत 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ था, तब वे 14 वर्ष के थे। उन्होंने भी आजादी के दिन अपने परिवार के संग ढोल बजाया था। उत्सव मनाया था। खीर पूड़ी और हलवा बांटे थे। उस दिन की घटना को बताते हुए खुशी से उनके आंसू निकल पड़ते थे। वे स्वाधीनता सेनानी के अंग नहीं बन पाए थे, लेकिन अपने पिता के संग महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, संत बिनोबा भावे, डा. राजेन्द्र प्रसाद जैसे नेताओं को देखने और सुनने का उन्हें अवसर अवश्य मिला था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा भी ग्राम कदमा में ही हुई थी। उन्होंने हजारीबाग विद्यालय से ही मैट्रिक और हायर सेकेंडरी परीक्षा पास की थी। उन्होंने संत कॉलंबा महाविद्यालय से बीए और रांची विश्वविद्यालय से एम ए किया था। उन्हें बचपन से ही शिक्षक बनने का शौक था । वे छात्र जीवन से ही बच्चों को पढ़ाते रहे थे। आगे चलकर यही शौक उनकी सेवा में बदल गया था। उन्होंने संत कॉलंबा महाविद्यालय जहां से अपनी पढ़ाई पूरी की थी, उस महाविद्यालय में एक प्राध्यापक के रूप में अपनी सेवा प्रारंभ की थी। वे इस महाविद्यालय में हिंदी पढ़ाया करते थे।

दैनिक पंचांग

3 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

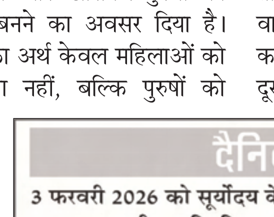

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.17 बजे से
चंद्र	सिंह में	मीन	08.49 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	10.20 बजे से
बुध	मकर में	वृष	12.00 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.58 बजे से
शुक्र	मकर में	कर्क	16.12 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	18.28 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.40 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22.50 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	01.05 ब.से
3.00 से 4.30		धनु	03.21 बजे से
बजे तक		मकर	05.26 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 34 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** द्वितीया 00.41 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र मघा 22.11 बजे को समाप्त।
योग शोभन 02.39 बजे रात्र को समाप्त।
करण तैतिल 13.12 बजे तदनन्तर गर 00.41 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 15.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 16° 35'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872609
जूलियन दिन 2461074.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान
तारीख 14

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रधान जिला जज और डीसी ने छात्रों को दिलाया 'सतत विकास' का संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : विश्व आर्द्र भूमि दिवस के अवसर पर जवाहर नवोदय विद्यालय, साहिबगंज में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए स्कूली बच्चों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिल कुमार, उपायुक्त हेमंत सती, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह और वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग ने शिरकत की। पर्यावरण के बिना जीवन की कल्पना असंभवः कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त हेमंत सती ने छात्रों के साथ अपने स्कूल के दिनों की यादें साझा कीं और क्विज प्रतियोगिता में बच्चों के ज्ञान की सराहना की। उन्होंने छात्रों को एक काल्पनिक स्थिति के माध्यम से पर्यावरण का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि कल्पना करें कि आप सुबह उठें और पानी न हो, या घर से बाहर निकलने पर सांस लेने में दिक्कत हो, तब हमें पर्यावरण की असली कीमत समझ आएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारे भोजन, पानी और सांस लेने वाली हवा का सीधा संबंध हमारे पर्यावरण से है।उपायुक्त ने वहां मौजूद 100 से अधिक बच्चों को एक अनूठा संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा, "अपने जन्मदिन पर हर साल एक पेड़ लगाने का संकल्प लें और उस पेड़ को उसी तरह पालें जैसे माता-पिता अपने बच्चे को पालते हैं। उन्होंने एक गणितीय उदाहरण देते हुए समझाया कि यदि एक व्यक्ति 10 वर्ष की उम्र से पेड़ लगाना शुरू करे और 70 वर्ष तक जिए, तो वह अपने जीवनकाल में 60 पेड़ लगा सकता है, जिससे देश का पारिस्थितिकी संतुलन सुधर जाएगा। झारखंड की पहचान है जल, जंगल और जमीनः प्रधान जिला जज मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिल कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हम झारखंड के वासी हैं, और इस राज्य की पहचान 'जल, जंगल और जमीन' से है, जो पारिस्थितिकी के सबसे महत्वपूर्ण घटक हैं। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे कल के किशोर और युवा होंगे, इसलिए यदि वे आज जागरूक रहेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर वातावरण दे पाएंगे। न्यायाधीश ने वेटलैंड्स के संरक्षण के साथ-साथ वृक्षारोपण पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक पेड़ अपने पूरे जीवनकाल में भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड सोखता है और प्राणवायु ऑक्सीजन देता है। उन्होंने बच्चों के ज्ञान और जागरूकता को देखकर खुशी जताई और कहा कि छात्रों के जवाबों ने उन्हें अभिभूत कर दिया। छात्रों ने दिखाया उत्साह कार्यक्रम के दौरान आयोजित क्विज और चर्चा सत्र में साहिबगंज जिले के विभिन्न स्कूलों से आए बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग और एसपी अमित कुमार सिंह की उपस्थिति ने भी छात्रों का मनोबल बढ़ाया। अंत में, सभी ने अपने आस-पास गंदगी न फैलाने और पर्यावरण को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।

एक नजर

सरयू राय ने किया एनएच-33 निर्माण कार्य का निरीक्षण

पूर्वी सिंहभूम: विधायक सरयू राय ने सोमवार को पारडीह काली मंदिर से डेंटल कॉलेज तक एनएच-33 पर बन रहे ऊपरी पथ के निर्माण को लेकर मिल रही जन शिकायतों के मद्देनजर स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी और अभियंता मौजूद थे। विधायक और उनकी टीम ने पारडीह से बालीगुमा तक चल रहे निर्माण कार्य का जायजा लिया और स्थानीय लोगों की समस्याओं को सुना। निरीक्षण के दौरान सरयू राय ने बताया कि निर्माण कार्य के कारण कई स्थानों पर अत्यधिक धूल उड़ रही है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा सड़क के एक ओर से दूसरी ओर जाने के लिए क्रॉस रोड की कमी भी एक बड़ी समस्या के रूप में सामने आई है। तीसरी शिकायत कोलकाता और रांची की ओर से आने वाले वाहनों के लिए बनाए गए रैंप को लेकर थी, जहां रैंप के उतरने वाले स्थान पर अत्यधिक संकरापन हो गया है, जिससे यातायात बाधित हो रहा है। इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए सरयू राय ने एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिया सरयू राय ने अधिकारियों से कहा कि रैंप के किनारे जहां तक नाला है, वहां ढक्कन की जगह मजबूत पीसीसी की ढलाई कराएं ताकि भारी वाहन आसानी से आ-जा सकें। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि जहां जरूरत होगी, वहां यह कार्य किया जाएगा।

ब्रह्माकुमारीज में साइंस ऑफ राजयोग मेडिटेशन पर प्रशिक्षण शुरू

पूर्वी सिंहभूम: ब्रह्माकुमारी संस्थान के यूनिवर्सल पीस पैलेस रीट्रीट सेंटर में सोमवार को आठ दिवसीय प्रशिक्षण और कार्यशाला साइंस ऑफ राजयोग मेडिटेशन का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुंबई से पहुंचे राजयोग प्रशिक्षक बीके राजीव गुप्ता के साथ राजयोगिनी बीके अंजू दीदी, बीके रागिनी दीदी, बीके संजू दीदी एवं बीके प्रीति की गरिमामयी उपस्थित थीं। कार्यक्रम में मुख्य सेवाकेंद्र की वरिष्ठ राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी अंजू ने बताया कि प्रशिक्षण विभिन्न चरणों में आयोजित किया गया है। 02 और 03 फरवरी 2026 को सेवा केंद्र में रहने वाले समर्पित ब्रह्माकुमारी बहनों और ब्रह्माकुमारों के लिए विशेष सत्र रखे गए हैं। 04 और 05 फरवरी को सेंटर से जुड़े सभी बीके भाई-बहनों के लिए प्रशिक्षण होगा, जबकि 06 से 08 फरवरी 2026 तक विभिन्न राज्यों से आने वाले प्रतिभागी इस कार्यक्रम में भाग लेंगे।

कुएं में गिरने से बच्चे की मौत

पूर्वी सिंहभूम: परसुडीह थाना क्षेत्र के छोटा गोविंदपुर स्थित बजरंग नगर में रविवार देर रात एक हादसे में पांच वर्षीय मासूम की कुएं में गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान शिवम केवरतो के रूप में हुई है। इस हृदयविदारक घटना से पूरे इलाके में शोक और मातम का माहौल है। जानकारी के अनुसार, रविवार रात अचानक बस्ती के लोगों को सूचना मिली कि एक बच्चा कुएं में गिर गया है। खबर फैलते ही आसपास अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत परसुडीह थाना पुलिस को इसकी जानकारी दी।

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अंतर्गत जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : गोपनीय कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, साहेबगंज हेमंत सती की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अंतर्गत चयन समिति/जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा योजना से संबंधित पात्र लाभुकों के चयन प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि लाभुकों का चयन पूर्णतः पारदर्शिता, पात्रता एवं प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। समीक्षा उपरांत चयनित लाभुकों के प्रस्तावों को अनुमोदन प्रदान किया गया। उपायुक्त द्वारा चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने हेतु चयनित लाभुकों से दूरभाष पर संपर्क कर यह भी जानकारी ली गई कि उन्हें पूर्व में उक्त योजना अथवा किसी समान योजना का लाभ प्राप्त हुआ है या नहीं। बैठक में जानकारी दी गई कि दो गाय योजना अंतर्गत 82 लाभुकों, पांच गाय योजना अंतर्गत 30 लाभुकों तथा दस गाय योजना अंतर्गत 03 लाभुकों का अनुमोदन दिया गया। बैठक में जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. रामसीरक प्रसाद, भूमि संरक्षण पदाधिकारी राहुल गुप्ता, जेएसएलपीएस डीपीएम मतीन तारीक सहित संबंधित विभागों के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व विधायक दिनेश मरांडी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हेमंत सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक दिनेश मरांडी उर्फ बिट्टू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर झारखण्ड की वर्तमान जेएमएम सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सरकार पर आदिवासी हितों की अनदेखी, भ्रष्टाचार और अवैध खनन को संरक्षण देने जैसे गंभीर आरोप लगाए। पूर्व विधायक ने कहा कि जेएमएम सरकार के कार्यकाल में संथाल परगना क्षेत्र पूरी तरह अव्यवस्था और लूट-पाट का केंद्र बन चुका है। पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में अवैध कोयला परिचालन और बालू का गैरकानूनी खनन खुलेआम हो रहा है, खासकर पाकुड़ जिले में दिन-रात अवैध बालू ढुलाई जारी है। यह सब सरकार और प्रशासन की मिलीभगत के बिना संभव नहीं है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इन अवैध गतिविधियों के पीछे सीधे तौर पर सत्ताधारी दल का हाथ है। वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री असम जाकर यह बयान दे रहे हैं कि झारखण्ड के आदिवासी असम के आदिवासियों से ज्यादा अच्छे और विकसित हैं, जबकि हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने कहा कि अगर वास्तव में राज्य के आदिवासी इतने ही विकसित हैं, तो फिर आज भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव क्यों है। पूर्व विधायक ने मुख्यमंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि पहले वे अपने ही विधानसभा क्षेत्र की स्थिति पर नजर डालें। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के अपने क्षेत्र बरहेट में आज भी बेहतर अस्पताल, कॉलेज, सड़क और स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।

मनरेगा दिवस पर थीम "मनरेगा से विश्वास, रोजगार से विकास" विषय पर विशेष रोजगार दिवस का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में रोजगार दिवस के निरीक्षण में उपायुक्त, पाकुड़ मनीष कुमार हिरणपुर प्रखंड के तोड़ाई पंचायत पहुंचे जहां मुखिया तेरेसा टुडू एवं सखी दीदी की पूरी टीम के द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों की काफी भागीदारी पाई गई जिसमे अधिक महिलाओं की भागीदारी को उपायुक्त ने सराहा। उपायुक्त ने स्वरोजगार, महिला सशक्तिकरण एवं शिक्षा पर विशेष बल देते हुए कहा कि हर पंचायत में सखी मीटिंग हॉल निर्माण एवं विकास योजनाओं के सुदृढ़ क्रियान्वयन, बेकरी ट्रेनिंग, सिलाई इत्यादि के प्रशिक्षण में महिला भागीदारी बढ़ाने का लक्ष्य रखा। मनरेगा दिवस के अवसर पर सौ दिन का रोजगार पूर्ण किए मजदूरों को उपायुक्त के द्वारा टोकरी, अंगवस्त्र एवं कुदाल भेंट कर सम्मानित किया गया तथा मजदूरों एवं जरूरतमंदों के बीच जॉब कार्ड का वितरण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि मनरेगा योजना ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार सृजन का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि जिले में पिछले एक वर्ष के दौरान मनरेगा के तहत उत्कृष्ट कार्य किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप जिले ने राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरव हासिल किया है। उपायुक्त ने कहा कि स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को सशक्त बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इन भवनों में शौचालय सहित आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी तथा ग्रामीणों द्वारा सामाजिक कार्यक्रमों के लिए भी इनका उपयोग किया जा सकेगा। भवन का संचालन पंचायत प्रतिनिधियों के माध्यम से किया जाएगा।

भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण का समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के माध्यम से 31 दिवसीय रूरल मेसन (राजमिस्त्री) प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन आसेटी निदेशक प्रदीप कुमार झा दीपक आजीविका सखी मंडल के डीएम जॉब्स एंड स्किल राजेन्द्र कुमार ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र देकर उनके उज्जवल भविष्य का कामना किए। और 29 प्रशिक्षुओं को सफल असेसमेंट भी कराया गया। साथ ही 13 दिवसीय कृषि उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन गंगा प्रसाद मुखिया संतोष कुमार गोंड, हरिप्रसाद मुखिया देवराज सिंह मखमल पुर साउथ वार्ड सदस्य मद जैनुल हक, शत्रुघ्न यादव, जेएसएलपीएस सीसी जोशेफ किस्कू और लालन पासवान ने दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर आसेटी प्रशिक्षक राजहंस कुमार और उपेन्द्र गोप उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में आजीविका सखी मंडल से आई हुई कुल 25 दीदियों ने भाग लिए। मुखिया संतोष कुमार गोंड ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुये कहा कि महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन कर समाज और देश के आर्थिक विकाश में सहयोग कर सकती है और अपने परिवार को आर्थिक कमजोरी को मजबूत कर सकती, निदेशक ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जेएसएलपीएस और आसेटी आज समाज में बहुत अच्छा काम कर रही है और अभी प्रशिक्षुओं को उनके उज्जवल भविष्य का रास्ता दिखा रहे है। मौके पर सभी प्रखंडों से आए कुल 35 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने सहित दर्जनों महिलाएं और पुरुष उपस्थित थे।

राशन कार्ड अब बनेगा 'स्वास्थ्य का एटीएम', 15 लाख तक का मुफ्त इलाज, डीसी ने डीलरों को दिया 'ब्रह्मास्त्र' का मंत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में आयुष्मान मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना, फाइलेरिया उन्मूलन और पीडीएस सशक्तिकरण को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेता और ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर शामिल हुए। उपायुक्त ने स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिया कि अगले एक महीने तक जिले में 'युद्ध स्तर' पर आयुष्मान कार्ड बनाने और स्वास्थ्य जागरूकता का अभियान चलाया जाएगा। अब 5 नहीं, 15 लाख तक का मुफ्त इलाजः उपायुक्त हेमंत सती ने बैठक को संबोधित करते हुए एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने बताया कि अब झारखंड में आयुष्मान भारत और अबुआ स्वास्थ्य योजना के समन्वय से लाभार्थियों को 15 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। उन्होंने कहा, "राशन कार्ड केवल अनाज लेने का जरिया नहीं है, यह एक चलता-फिरता एटीएम कार्ड है। चाहे ग्रीन कार्ड हो, लाल, पीला या पीवीटीजी, हर राशन कार्ड धारी को 15 लाख तक का सुरक्षा कवच मिलेगा। भगवान न करे किसी के साथ दुर्घटना हो या हार्ट-किडनी की बीमारी हो, लेकिन अगर ऐसा हुआ तो यह कार्ड ही परिवार को कर्ज और ब्याज के कुचक्र से बचाएगा। डीलरों को निर्देशः 'ब्रह्मास्त्र' का करें सदुपयोग उपायुक्त ने डीलरों को उनकी ताकत का अहसास कराते हुए कहा कि राशन डीलरों के पास 'राशन' रूपी ब्रह्मास्त्र है। गांव का हर व्यक्ति उनके पास आता है। डीसी ने सख्त निर्देश दिया किः राशन तभी दें जब आयुष्मान कार्ड होः जब लाभार्थी राशन लेने आए, तो उससे पहले उसका आयुष्मान कार्ड मांगें। अगर नहीं बना है, तो उसे तुरंत प्रज्ञा केंद्र भेजें। जब वह आधार और राशन कार्ड दिखाकर ई-केवाईसी करवा ले, तभी उसे राशन दें। 28 तारीख तक का लक्ष्यः 28 फरवरी तक सभी डीलरों को अपने और अपने क्षेत्र के लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनवाने का लक्ष्य दिया गया है। पुरस्कार और कार्रवाईः 1 मार्च को समीक्षा की जाएगी। जो बीएसओ और डीलर सबसे ज्यादा कार्ड बनवाएंगे, उन्हें सम्मानित किया जाएगा, लेकिन लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई भी तय है। प्रज्ञा केंद्रः 10 रुपये से ज्यादा लिया तो होगी कार्रवाई उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि आयुष्मान कार्ड बनवाने का शुल्क मात्र 10 रुपये निर्धारित है। इसके लिए केवल राशन कार्ड, आधार कार्ड और मोबाइल नंबर की आवश्यकता है। शिकायत नंबर जारीः यदि कोई प्रज्ञा केंद्र संचालक 10 रुपये से अधिक की मांग करता है, तो 8809895223 पर तत्काल शिकायत दर्ज करें। प्रशासन तुरंत कार्रवाई करेगा। फाइलेरिया मुक्ति अभियानः 10 से 25 फरवरी बैठक में फाइलेरिया उन्मूलन पर भी जोर दिया गया। 10 से 25 फरवरी तक चलने वाले इस अभियान में स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर दवा खिलाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

खलिहान में आग लगने से हजारों का धान जलकर राख

साहिबगंज: बोरियो प्रखंड के जेटके कुम्हारजोरी पंचायत के कुम्हारीया गांव में बीते रात्रि नटवा मरांडी के खलिहान में आग लगने से लगभग पचास हजार रूपए के धान की फसल जलकर राख हो गया। जहां पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। इसकी जानकारी जेटके कुम्हारजोरी पंचायत के पूर्व मुखिया देवेंद्र मालतो ने दी।

झामुमो झारखंड दिवस पर राजमहल विधानसभा से हजारों कार्यकर्ता होंगे शामिल

साहिबगंज : झारखंड मुक्ति मोर्चा के 47वां झारखंड दिवस के मौके पर आयोजित सम्मेलन में राजमहल विधानसभा से हजारों की संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे। झामुमो युवा मोर्चा जिला सचिव सह विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू के नेतृत्व में चार पहिया वाहन एवं बसो के माध्यम से सोमवार को सभी कार्यकर्ता एकत्रित होकर दुमका के लिए रवाना हुए। विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि संगठन के सभी कार्यकर्ता सामूहिक रूप से इस कार्यक्रम में बढ़-कर कर हिस्सा ले रहे हैं। राजमहल विधानसभा के कार्यकर्ता अनुशासित तरीके से कार्यक्रम में भाग लेंगे। मौके पर झामुमो नेता घीसु शेख, राजमहल प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान, सचिव दुर्गा मंडल, उधवा प्रखंड अध्यक्ष अयुब अली उर्फ बाबू दा, सचिव विश्वजीत मंडल, नगर अध्यक्ष मो आजाद, सचिव स्मित चौरसिया, साहिबगंज प्रखंड अध्यक्ष अमरजीत सिंह, जिप सदस्य अब्दुल बारीक शेख, मो अफजल, विकास यादव, अजय दास, आबेदीन शेख, राजीव बर्मन, मुर्शीद राजा, शाहिद रिजवी सहित अन्य मौजूद थे।

आरपीएफ ने "ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते" के तहत बरहरवा रेलवे स्टेशन पर दो नाबालिग बच्चों को बचाया

साहिबगंज : मनीष कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, मालदा के मार्गदर्शन तथा आशिम कुमार कुल्लू, मंडलीय सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ, मालदा के पर्यवेक्षण में, मालदा मंडल की रेलवे सुरक्षा बल ने "ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते" के तहत दो नाबालिग बच्चों को सफलतापूर्वक बचाया। सामान्य निरीक्षण के दौरान, बरहवारा रेलवे स्टेशन पर सुबह लगभग 08:20 बजे, आरपीएफ कर्मियों ने देखा कि ट्रेन संख्या 15734 के आरक्षित डिब्बे में एक नाबालिग लड़का और एक नाबालिग लड़की अकेले थे। बच्चों को तुरंत आरपीएफ के मानक प्रावधानों के अनुसार सुरक्षित संरक्षण में लिया गया। सभी प्रक्रियाओं के पालन के बाद, बचाए गए बच्चों को आगे की कार्रवाई के लिए बाल संरक्षण मंथन, बरहरवा के हवाले किया गया। ये तत्पर और जिम्मेदाराना कदम आरपीएफ की सतर्कता और मालदा मंडल में बाल सुरक्षा तथा यात्री सुरक्षा के प्रति लगातार प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं।

मनरेगा दिवस के अवसर पर साहेबगंज जिले की सभी पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंज : मनरेगा दिवस के शुभवसर पर साहेबगंज जिला अंतर्गत सभी पंचायतों में व्यापक स्तर पर प्रभात फेरी एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मनरेगा से जुड़े नारों के साथ प्रभात फेरी निकालकर ग्रामीणों को योजना के उद्देश्यों एवं लाभों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को मनरेगा के अंतर्गत 100 दिन के रोजगार, श्रमिकों के अधिकार, मजदूरी भुगतान, कार्य की मांग एवं पारदर्शी कार्य प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पंचायत स्तर पर ई-केवाईसी कैंप का आयोजन किया गया, साथ ही पात्र लाभुकों को जॉब कार्ड का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर इच्छुक श्रमिकों से काम की मांग हेतु आवेदन प्राप्त किए गए, ताकि उन्हें समयबद्ध रूप से रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। इसके साथ ही मनरेगा योजना के अंतर्गत 100 दिन का कार्य पूर्ण करने वाले लाभुकों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही, जिनके साथ मनरेगा के प्रभावी क्रियान्वयन, ग्रामीण रोजगार सृजन एवं योजना को और अधिक जनोन्मुखी बनाने पर चर्चा की गई। मनरेगा दिवस के माध्यम से जिले में यह संदेश दिया गया कि मनरेगा न केवल रोजगार का साधन है, बल्कि ग्रामीणों के आर्थिक सशक्तिकरण एवं अधिकारों की सुरक्षा का एक मजबूत आधार भी है।

बैंकिंग क्षेत्र की व्यापक समीक्षा के लिए बनेगी उच्च स्तरीय समिति

- कॉरपोरेट एंट्री और एफडीआई जैसे मुद्दों पर फिर से हो सकता है विचार

नई दिल्ली ।

केंद्रीय बजट में बैंकिंग क्षेत्र की व्यापक समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने का प्रस्ताव किया गया है। इस समिति का उद्देश्य वित्तीय स्थिरता, वित्तीय समावेशन और ग्राहक संरक्षण को बनाए रखते हुए बैंकिंग सेक्टर को भारत के विकास के अगले चरण से जोड़ना है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल बैंकिंग से जुड़े कई लंबे समय से लंबित और संवेदनशील मुद्दों पर फिर से विचार का अवसर दे सकती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि समिति के कार्यक्षेत्र को तय किया जाएगा और उससे अपेक्षा है कि वह बैंकिंग सेक्टर की समग्र समीक्षा कर 2047 के लिए मजबूत योजना सुझाए। वित्तीय सेवा विभाग के अनुसार समिति वाणिज्यिक ऋण और जीडीपी के अनुपात, बैंकिंग नेटवर्क के विस्तार, जमा और ऋण से जुड़े पहलुओं जैसे मुद्दों पर विचार करेगी। सरकार सभी हितधारकों से परामर्श के बाद आगे की दिशा तय करेगी। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि समिति कॉरपोरेट घरानों को बैंकिंग क्षेत्र में प्रवेश देने के मुद्दे पर पुनर्विचार कर सकती है। अब तक इस विषय पर सख्त नियमन रहा है। इसके अलावा, बड़े शेयरधारकों के वोटिंग अधिकार की मौजूदा 26 प्रतिशत सीमा, बैंकिंग प्रणाली में अधिक पूंजी निवेश और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने जैसे मुद्दे भी चर्चा में आ सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमोदन प्रक्रिया को सरल बनाने और सीमित दायरे में काम कर रहे छोटे बैंकों के विलय से बड़े और मजबूत बैंक बनाने पर भी विचार संभव है। नियोस्ट्रैट एडवाइजर्स एलएलपी के संस्थापक अबीजर दीवानजी के अनुसार भारत को बड़े बैंकों की आवश्यकता है और इसके लिए घरेलू व विदेशी दोनों स्रोतों से पूंजी जुटाना जरूरी है।

भारतीय बाजार पर मॉर्गन स्टेनली की मजबूत राय

- सरकार ने जानबूझकर सुधारों की रफ्तार धीमी रखी

नई दिल्ली।

केंद्रीय बजट 2027 ने बाजार और निवेशकों को एक साफ संदेश दिया है कि सरकार न तो अचानक खर्च में कटौती करने के मूड में है और न ही कर्ज को नजरअंदाज कर रही है। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली के मुताबिक यह बजट कर्ज घटाने, घाटे को काबू में रखने और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के बीच संतुलन बनाता है। रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने जानबूझकर वित्तीय सुधारों की गति को आक्रामक नहीं बनाया है, ताकि अर्थव्यवस्था की रफ्तार बनी रहे। वित्त वर्ष 27 के लिए वित्तीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी का 4.3 प्रतिशत रखा गया है, जबकि केंद्र सरकार का कर्ज जीडीपी अनुपात 55.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मॉर्गन स्टेनली का मानना है कि ये आंकड़े चिंताजनक नहीं हैं और सरकार ने फिस्कल गणित सोच-समझकर तैयार किया है। ब्रोकरेज ने बजट भाषण की शुरुआत में सेमीकंडक्टर जैसे शब्द के इस्तेमाल को सरकार की बदलती प्राथमिकताओं का संकेत बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए सेमीकंडक्टर मिशन आईएसएम 2.0, रेयर अर्थ मैग्नेट और पुराने औद्योगिक क्षेत्रों को मजबूत करने पर खास जोर दिया गया है।

सेवाओं के क्षेत्र को भी बजट में अहम जगह दी गई है। डेटा सेंटर्स को टैक्स में राहत दी गई है और 2047 तक वैश्विक सेवाओं के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

इससे आईटी, डिजिटल और टेक्नोलॉजी सेक्टर को लंबी अवधि में फायदा मिलने की उम्मीद है।

डॉलर को टक्कर: जिनपिंग ने युआन को इंटरनेशनल रिजर्व बनाने का दिया संकेत

बीजिंग।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी डॉलर के वैश्विक प्रभुत्व को सीधे चुनौती दी है और युआन को ÷मजबूत करेंसी÷ बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि युआन को इतना मजबूत बनाया जाए कि अन्य देश इसे अपने अंतरराष्ट्रीय रिजर्व के रूप में रखें। फिलहाल यह दर्जा अमेरिकी डॉलर को हासिल है, और जिनपिंग के बयान को डॉलर की बादशाहत को चुनौती माना जा रहा है।

अमेरिका और चीन, दुनिया की पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और आर्थिक प्रभुत्व के मामले में टकराव की स्थिति में हैं। चीन अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए इंटरनेशनल ट्रेड में युआन का उपयोग बढ़ा रहा है। पिछले साल उसने अपने 6.2 ट्रिलियन डॉलर के विदेशी व्यापार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा युआन में निपटाया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शी जिनपिंग ने सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के सैद्धांतिक जर्नल किउशी में प्रकाशित एक लेख में कहा कि चीन को ऐसी मजबूत मुद्रा बनाने की जरूरत है जिसका बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार, निवेश और फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में इस्तेमाल किया जा सके और जो वैश्विक रिजर्व का दर्जा हासिल कर सके।

उन्होंने इस पर भी जोर दिया कि आर्थिक रूप से मजबूत देश की नींव में केवल मजबूत मुद्रा ही नहीं, बल्कि आधुनिक वित्तीय प्रणाली, शक्तिशाली केंद्रीय बैंक, मजबूत वित्तीय संस्थान, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र, कड़ी निगरानी और उच्च स्तरीय वित्तीय टैलेंट शामिल होना चाहिए। जिनपिंग ने कहा कि चीन का वित्तीय विकास पश्चिमी मॉडल से अलग अपनी राष्ट्रीय परिस्थितियों और विशेषताओं पर आधारित होना चाहिए।

केंद्रीय बजट 2026: निवेश सुधार के संकेत, पर सरकार के हस्तक्षेप पर सतर्कता

नई दिल्ली ।

भारत की अर्थव्यवस्था वर्तमान में परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। दिसंबर 2025 तिमाही में 677 सूचीबद्ध गैर-आर्थिक कंपनियों के आंकड़ों के अनुसार, सालाना नॉमिनल वृद्धि 7.67 फीसदी रही, जबकि वास्तविक आधार पर वृद्धि दर 6 फीसदी रही। सीएमआईई के डेटा से पता चलता है कि निजी निवेश परियोजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार हुआ है, लेकिन यह कंपनियों के निवेश व्यय में अभी पूरी तरह परिलक्षित नहीं हुआ। वैश्विक परिदृश्य चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। स्वेज नहर अवरुद्ध होने के कारण मुंबई से यूरोप तक माल ढुलाई की लागत बढ़ गई है। वहीं अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 फीसदी शुल्क ने भारतीय कंपनियों को वैश्विक व्यापार में संरचना बदलने पर मजबूर कर दिया है। इससे होल्डिंग कंपनियों, उत्पादन संयंत्रों और उपभोक्ताओं को असर पड़ा है। केंद्रीय बजट सिर्फ सरकारी खर्च और राजस्व का विवरण नहीं है, बल्कि यह सरकार की नीतिगत प्रतिबद्धताओं का संकेत भी है, जैसे जीएसटी, मुद्रास्फीति नियंत्रण और आईबीसी जैसी पहल बजट भाषणों से शुरू हुई थीं। हाल के महीनों में कुछ महत्वपूर्ण आर्थिक सुधारों पर चर्चा हुई है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार का हस्तक्षेप उद्योगों को कक्षा की मॉनिट की तरह नियंत्रित करने जैसा दिखता है। यह दृष्टिकोण 1980 के दशक के समाजवादी नीतिगत अनुभवों से मेल खाता है।

जिंस की लागत बढ़ने से कीमतों में बढ़ोतरी पर विचार किया जाएगा: मारुति सुजुकी

- कंपनी ने कहा, जीएसटी दरों में कटौती के बाद बाजार में मजबूत बनी हुई है मांग

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने सोमवार को संकेत दिया कि कच्चे माल और कीमती धातुओं की बढ़ती कीमतों के कारण कंपनी अपने वाहनों की कीमतों में संभावित वृद्धि पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी हमेशा ग्राहकों पर लागत का बोझ कम से कम रखने का प्रयास करती रही है। हालांकि, एक सीमा के बाद लागत बढ़ोतरी को ग्राहकों पर स्थानांतरित करना आवश्यक हो सकता है। उन्होंने बताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती के बाद बाजार में मांग मजबूत बनी हुई है। सितंबर 2025 में जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद कंपनी ने एस-प्रेसो, ऑल्टो, सेलेरियो और वैगन-आर की कीमतों में 79,600 रुपये से 1,29,600 रुपये तक की कटौती की थी। कंपनी के पास वर्तमान में 1.75 लाख लंबित ऑर्डर हैं, जबकि जनवरी में 2.78 लाख नई बुकिंग मिली, जो सालाना आधार पर 25 फीसदी की वृद्धि दर्शाती है। रोजाना लगभग 9,000 से 10,000 बुकिंग हो रही हैं। जनवरी में कुल बिक्री 2,36,963 इकाई दर्ज की गई, जबकि निर्यात 51,020 इकाई तक पहुंचकर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। मारुति की नई एसयूवी विक्टोरिस ने पांच महीने में 50,000 इकाई की बिक्री पार कर ली है। हरियाणा के खरखौदा संयंत्र को अप्रैल 2026 तक परिचालन में लाया जाएगा। इसके बाद गुजरात संयंत्र में चौथी उत्पादन लाइन शुरू होगी, जिससे सालाना पांच लाख इकाई की अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होगी। इस महीने घरेलू बाजार में इलेक्ट्रिक एसयूवी 'ई-विटारा' भी लॉन्च होगी।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की जनवरी में बिक्री 15 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली । वाहन विनिर्माता कंपनी टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की जनवरी में कुल बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर 33,880 इकाई हो गई। जनवरी 2025 में यह 29,371 इकाई रही थी। मोटर वाहन कंपनी ने बयान में कहा कि घरेलू बिक्री जनवरी 2025 की 26,178 इकाई के मुकाबले 17 प्रतिशत बढ़कर पिछले महीने 30,630 इकाई हो गई।वहीं निर्यात भी दो प्रतिशत बढ़कर 3,250 इकाई रहा जो एक साल पहले इसी महीने 3,193 इकाई रहा था। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) के एक कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि वर्ष 2026 की शुरुआत सकारात्मक और उत्साहजनक रही है। हमारे उत्पाद खंड की निरंतर मजबूती व गुणवत्ता के साथ ही सुरक्षा एवं स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पर ग्राहकों के विश्वास से यह गति बनी हुई है।

भारत का बजट आर्थिक स्थिरता और वृद्धि पर केंद्रित: फिच रेटिंग्स

भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली । फिच रेटिंग्स ने कहा कि भारत का बजट सरकार की आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बजट में सरकारी कर्ज को धीरे-धीरे कम करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे वित्तीय स्थिति मजबूत बनी रहे। बजट में बड़े सुधारों की घोषणा नहीं की गई, लेकिन फिच ने आगे सुधारों की उम्मीद जताई, खासकर विनियमन में ढील देने के संदर्भ में। पूंजीगत व्यय को 2026-27 में जीडीपी का 3.1 फीसदी बनाए रखने का निर्णय निजी निवेश को प्रोत्साहित करने और आर्थिक वृद्धि को मजबूत करने की दिशा में कदम है। फिच ने कहा कि राजकोषीय समेकन की गति धीमी रहेगी। 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी का 4.3 फीसदी रखा गया है, जो पिछले वर्ष 4.4 फीसदी से थोड़ा कम है। फिच ने 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान जताया। एजेंसी ने यह भी कहा कि सुधारों की गति तेज होने से निजी निवेश बढ़ेगा और भारत की संभावित आर्थिक वृद्धि और मजबूत होगी।

एयरबस को भारतीय संचालक से तीन हेलीकॉप्टर का मिला ठेका

नई दिल्ली । एयरबस को एक भारतीय संचालक से तीन हेलीकॉप्टर का ठेका मिला है। एयरबस ने कहा कि एयरबस कॉरपोरेट हेलीकॉप्टर्स को दिए गए ठेके में दो एसीएच160 और एक एच175 हेलीकॉप्टर शामिल हैं। यह संचालक पहले से एसीएच160 का ग्राहक है और भारत का पहला एच175 ग्राहक बनेगा। संचालक का नाम और सौदे से जुड़े वित्तीय विवरण कंपनी ने हालांकि साझा नहीं किए। कंपनी के अनुसार, एच175 हेलीकॉप्टर 16 सीट वाला होगा और इसकी आपूर्ति इसी साल की जाएगी। वहीं दो एसीएच160 हेलीकॉप्टर की आपूर्ति 2027 में की जाएगी।

यूपीआई और डेबिट कार्ड लेनदेन बढ़ाने 2,000 करोड़ का प्रोत्साहन आवंटित

वित्त वर्ष 2026 के लिए अंतिम आवंटन 2,196.21 करोड़ रुपए था

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आम बजट में कम मूल्य वाले यूपीआई पी2एम और रुपे डेबिट कार्ड लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए 2,000 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि आवंटित की है। इन लेनदेन पर शून्य मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) जारी रहेगी, ताकि छोटे व्यापारी डिजिटल भुगतान अपनाने के लिए प्रोत्साहित हों। वित्त वर्ष 2026 के लिए अंतिम आवंटन 2,196.21 करोड़ रुपए था, जो बजट में प्रस्तावित 437 करोड़ रुपए की राशि से लगभग पांच गुना अधिक है। भुगतान उद्योग का मानना है कि यूपीआई और डेबिट कार्ड प्रणाली के विकास और स्थिरता के लिए कम से कम 10,000-15,000 करोड़ की आवश्यकता थी। इसलिए, सरकार द्वारा आवंटित राशि अपेक्षित प्रोत्साहन का केवल लगभग एक-पांचवां है। पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रमुख अे धिकारी ने सुझाव दिया कि छोटे व्यापारियों के लिए शून्य एमडीआर जारी रखा जाए, जबकि बड़े व्यापारियों (20 लाख से ज्यादा वार्षिक कारोबार) पर 30 बेसिस प्वाइंट एमडीआर लागू की जा सकती है। उनका कहना है कि बड़े व्यापारी पहले ही क्रेडिट कार्ड पर 2 फीसदी शुल्क दे रहे हैं, इसलिए उन्हें करदाताओं के पैसे से प्रोत्साहित करने की आवश्यकता नहीं। साल 2025 में यूपीआई ने 228.28 अरब लेनदेन दर्ज किए। उद्योग का अनुमान है कि अगले एक दशक में हर महीने 100 अरब यूपीआई लेनदेन किए जा सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि यूपीआई भारत में सबसे पसंदीदा भुगतान विकल्प बना रहेगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 943, निफ्टी 262 अंक बढ़ा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 943.52 अंक उछलकर 81,666.46 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 262.95 अंक बढ़कर 25,088.40 पर बंद हुआ। आज इन्फ्रा और ऑटो शेयरों के कारण बाजार में उछला आया। निफ्टी इन्फ्रा , निफ्टी ऑटो, निफ्टी पीएसई, निफ्टी पीएसई , निफ्टी ऑयलएंडगैस , निफ्टी मेटल और निफ्टी कमोडिटीज के शेयरों में तेजी रही। आज केवल निफ्टी आईटी और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयरों में गिरावट रही। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 546.80 अंक बढ़कर के 57,667.60 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 105.20 अंक ऊपर आकर 16,523.35 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, बीईएल, एमएंडएम, एलएंडटी, इंडिगो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर लाभ में रहे जबकि एक्सिस बैंक, इन्फोसिस, टीसीएस, ट्रेंट, के शेयर नुकसान में रहे थे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत कमजोर रही। शुरुआती दबाव के चलते सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान में खुले।। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 167 अंक की गिरावट के साथ 80,555.68 पर खुला था। वहीं निफ्टी 50 ने भी करीब 30 अंक टूटकर 24,796.50 पर कारोबार की शुरुआत की। वहीं वैश्विक बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में सुबह शुरुआती कारोबार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। इस दौरान सोने की कीमतों में गिरावट जारी रही और शुक्रवार की कमजोरी आगे बढ़ती दिखी। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.01 फीसदी की बढ़त पर था, जापान का निक्केई 0.75 फीसदी ऊपर आया जबकि हॉन्गकॉन्ग का हैंग सेंग 1.34 फीसदीऔर दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.63 फीसदी टूट चुका था। शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए।

जनवरी में देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधि में मामूली सुधार हुआ: पीएमआई

- नए ऑर्डर, उत्पादन और रोजगार में वृद्धि के कारण विनिर्माण क्षेत्र में आई तेजी

नई दिल्ली । एचएसबीसी इंडिया के मासिक सर्वेक्षण में जनवरी में विनिर्माण गतिविधियों में सुधार देखा गया। मौसमी रूप से समायोजित पीएमआई 55.4 पर पहुंचा, जो दिसंबर के 55 से थोड़ा ऊपर है। पीएमआई में 50 से ऊपर का अंक विस्तार और 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है। सर्वेक्षण के अनुसार नए ऑर्डर, उत्पादन और रोजगार में वृद्धि के कारण विनिर्माण क्षेत्र में गति बनी। सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने बताया कि घरेलू बाजार से कुल बिक्री में मुख्य योगदान मिला। हालांकि निर्यात ऑर्डर में भी वृद्धि हुई, लेकिन इसकी रफ्तार अपेक्षाकृत कम रही। जिन कंपनियों के निर्यात ऑर्डर बढ़े, उन्होंने एशिया, ऑस्ट्रेलिया कनाडा, यूरोप और पश्चिम एशिया से मांग में इजाफा बताया। जनवरी में वस्तु उत्पादक कंपनियों ने अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती जारी रखी। रोजगार सृजन की गति मामूली रही, लेकिन पिछले तीन महीनों में सबसे तेज रही। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि नई तकनीक और निवेश ने उत्पादन को समर्थन दिया। कच्चे माल की कीमतें चार महीनों के उच्चतम स्तर तक बढ़ीं, जबकि फैक्ट्री-गेट कीमतों में वृद्धि धीमी रही। इससे विनिर्माताओं के मुनाफे पर हल्का दबाव पड़ा। हालांकि नए ऑर्डर में तेजी आई, भविष्य के उत्पादन के प्रति कारोबारी विश्वास साढ़े तीन साल के सबसे निचले स्तर पर रहा। केवल 15 फीसदी कंपनियों ने उत्पादन बढ़ने की उम्मीद जताई, जबकि 83 फीसदी ने बदलाव की कोई संभावना नहीं बताई।

बजट में बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक निवेश को केंद्र में रखा गया

- बुनियादी ढांचे पर 12.21 लाख करोड़ रुपए का दांव

नई दिल्ली । केंद्रीय बजट 2026-27 में सरकार ने सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को 12.21 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है, जो कुल बजट 53.47 लाख करोड़ रुपये का लगभग 22 प्रतिशत है। यह 2025-26 के संशोधित अनुमान 10.95 लाख करोड़ रुपये से 11.5 प्रतिशत अधिक है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बताया कि 2014-15 में 2 लाख करोड़ रुपये से शुरू हुआ सार्वजनिक पूंजीगत व्यय अब लगातार बढ़कर 12.2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सड़कें, राजमार्ग और रेलवे जैसे प्रमुख क्षेत्र इस निवेश का बड़ा हिस्सा संभालते हैं। रेलवे मंत्रालय के लिए राजस्व व्यय 2.92 लाख करोड़ रुपये रखा गया है, जबकि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग विभाग के लिए 3.09 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। दोनों क्षेत्रों में क्रमशः 10 प्रतिशत और 7.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बजट में उच्च मूल्य वाले निर्माण और बुनियादी ढांचा उपकरण के घरेलू उत्पादन, 200 पुराने औद्योगिक समूहों में उन्नयन, और 5 लाख से अधिक आबादी वाले मझोले और छोटे शहरों में बुनियादी ढांचे के विकास की योजनाएँ शामिल हैं। सरकार ने निवेश बढ़ाने के लिए इनविट्स, रिट्स, एनआईआईएफ और एनएबीएफआईडी जैसी नई फंडिंग योजनाओं को भी आगे बढ़ाया है। परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए आयात पर सीमा शुल्क छूट 2035 तक बढ़ाई गई है। इसके अलावा, सीसीयूएस प्रौद्योगिकियों के

विकास के लिए 20,000 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित किया गया है। बैटरी ऊर्जा भंडारण और कार्बन कैप्चर जैसे क्षेत्रों में भी सार्वजनिक निवेश पर जोर दिया गया है। बजट 2026-27 स्पष्ट रूप से यह संदेश देता है कि भारत सरकार सार्वजनिक निवेश और बुनियादी ढांचे को आर्थिक वृद्धि का प्रमुख स्तंभ मानती है। इसका उद्देश्य दीर्घकालिक विकास, रोजगार सृजन और हरित ऊर्जा क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देना है।

बजाज आटो मुनाफा 25 फीसदी बढ़कर 2,749 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । बजाज ऑटो ने तीसरी तिमाही में निवेशकों को संतोषजनक नतीजे दिए हैं। कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 25 फीसदी बढ़कर 2,749 करोड़ रुपए हो गया, जबकि कुल आय 23 फीसदी बढ़कर 16,204 करोड़ रुपए पहुंच गई। नतीजों ने निवेशकों के भरोसे को मजबूत किया है। तीसरी तिमाही में कंपनी के एक्सपोर्ट कारोबार में जबरदस्त सुधार देखने को मिला। 15 तिमाहियों के बाद पहली बार बजाज ऑटो ने 6 लाख से अधिक गाड़ियां निर्यात कीं। निर्यात से कंपनी को 544 करोड़ रुपए की कमाई हुई और कुल निर्यात बिक्री में 15-20 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। बाजार के जानकारों का मानना है कि एक्सपोर्ट में रिकवरी और चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर की बिक्री कंपनी के लिए सकारात्मक संकेत हैं। हालांकि ब्रोकरेज ने घरेलू मोटरसाइकिल बाजार में कंपनी की घटती हिस्सेदारी को चिंता का विषय बताया है, खासकर 125सीसी और उससे ऊपर के सेगमेंट में। उन्होंने नेचुरल रेटिंग के साथ 9,416 का टारगेट प्राइस दिया है।

शादी के आठ महीने बाद नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, पति गिरफ्तार; बुलेट को लेकर बनाया जा रहा था दबाव

पटना
सारण जिले के परसा थाना क्षेत्र में दहेज प्रताड़ना का एक दर्दनाक मामला सामने आया है। शादी के महज आठ महीने बाद 19 वर्षीय नवविवाहिता संध्या की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपी फरार हैं।

छपरा में शादी के महज आठ महीने बाद ही 19 वर्षीय नवविवाहिता संध्या की संदिग्ध मौत ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। यह घटना न सिर्फ एक परिवार के उजड़ने की दर्दनाक कहानी बयान करती है, बल्कि भारतीय समाज में अब भी जड़ जमाए दहेज जैसी कुप्रथा पर गंभीर सवाल खड़े करती है। मामला सारण जिले के परसा थाना क्षेत्र का है, जहां संध्या का शव उसके ससुराल में बिस्तर पर मिला। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संध्या की शादी 23 मई 2025 को हिंदू रीति-रिवाजों के साथ गौतम से हुई थी। शादी के बाद वह ससुराल गई, जहां शुरूआती कुछ दिनों तक सब कुछ सामान्य रहा। लेकिन परिजनों का आरोप है कि इसके बाद संध्या को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। खासकर बुलेट मोटरसाइकिल की मांग को लेकर उस पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था। बताया जाता है कि गौतम अपने दोस्तों की शादियों में मिली मोटरसाइकिलों का उदाहरण देकर संध्या को मायके से बुलेट लाने के लिए मजबूर करता था। मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ मारपीट की जाती और मानसिक रूप से भी प्रताड़ित किया जाता था। रविवार देर रात संध्या के मायके पक्ष को उसके आत्महत्या करने की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही घबराए परिजन जब परसा थाना क्षेत्र के अंजनी गांव स्थित ससुराल पहुंचे, तो वहां का दृश्य देख वे स्तब्ध रह गए। संध्या का शव बिस्तर पर पड़ा हुआ था। लगातार छापेमारी की जा रही घटना की जानकारी मिलते ही परसा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका के पति गौतम को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि ससुराल पक्ष के अन्य सदस्य घटना के बाद से फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से गहन जांच की जा रही है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। आज से बिहार बजट सत्र शुभारंभ, राजद ने नीट मर्डर केस में सरकार पर क्या आरोप लगाया? पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि शादी के बाद गौतम रोजगार के सिलसिले में महाराष्ट्र के पुणे चला गया था। कुछ महीने बाद वह गांव लौटा और करीब एक माह पहले संध्या को अपने साथ घर लेकर आया। इसके बाद ही कथित तौर पर प्रताड़ना का दौर और तेज हो गया। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

दिल्ली-कोलकाता हाईवे पर भीषण जाम, 10 किमी तक थमे पहिए; वाहन चालक व यात्री भूखे-प्यासे हो रहे बेहाल

पटना सासाराम में दिल्ली-कोलकाता एनएच-19 पर सोन नदी पुल में तकनीकी खराबी के कारण बीते दो दिनों से भीषण जाम लगा हुआ है। करीब 10 किलोमीटर तक वाहनों की कतारें लग गई हैं, जिससे यात्री, ट्रक चालक और परीक्षार्थी की भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सासाराम में दिल्ली-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-19) पर पिछले दो दिनों से लगा महाजाम अब वाहन चालकों और यात्रियों के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। रोहतास जिले में जाम की स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि हाईवे पर दोनों ओर करीब 10 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। ट्रक चालक और यात्री बीते 48 घंटों से भूखे-प्यासे फंसे हुए हैं। हालात ऐसे हैं कि एनएच पर वाहनों के पहिए पूरी तरह थम गए हैं और चंद किलोमीटर की दूरी तय करने में भी घंटों का समय लग रहा है। वाहन चालक व यात्री भूखे-प्यासे बेहाल हाईवे पर सुबह पांच बजे से फंसे ट्रक चालक लखन ने बताया कि जाम की स्थिति बेहद गंभीर है। आसपास भोजन और पानी की कोई सुविधा नहीं होने से परेशानी बढ़ गई है। वहीं बनारस से विदेशी पर्यटकों को लेकर गयाजी जा रहे एक वाहन चालक ने बताया कि पर्यटकों को बराबर पहाड़ियां घुमाने ले जाना था, लेकिन जाम के कारण आधा दिन बर्बाद हो गया। अब उन्हें घूमने के लिए अगले दिन का इंतजार करना पड़ेगा। अन्य वाहन चालकों और यात्रियों ने भी प्रशासन और निर्माण कंपनियों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि एनएच पर जाम की समस्या अब नियति बन चुकी है, जिससे समय की बबार्दी के साथ-साथ जान का खतरा भी बना रहता है। परीक्षार्थियों को भी झेलनी पड़ी परेशानी एनएच-19 पर लगे जाम का असर इंटरमीडिएट परीक्षा के परीक्षार्थियों पर भी पड़ा है। सोमवार को जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर कई परीक्षार्थी देर से पहुंचे, जिसके कारण वे परीक्षा से वंचित रह गए। छात्रों ने इसके लिए सड़क जाम को ही जिम्मेदार ठहराया। सोन नदी पुल में आई तकनीकी खराबी आमतौर पर एनएच-19 पर जाम के लिए सिक्स लेन निर्माण कंपनी या शिवसागर स्थित टोल प्लाजा को जिम्मेदार ठहराया जाता है, लेकिन इस बार जाम की वजह सोन नदी पर वर्ष 2004 के आसपास बने नए पुल में आई तकनीकी खराबी बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार पुल के एक्सपेंशन जॉइंट में खराबी आने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से एक पुल को बंद कर दिया गया है। दूसरे पुल से धीमी गति से वाहनों का परिचालन होने के कारण जाम की समस्या उत्पन्न हो गई है। इस संबंध में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के प्रोजेक्ट डायरेक्टर रंजीत कुमार वर्मा ने बताया कि सोन नदी पर बने पुल के एक्सपेंशन जॉइंट में आई खराबी के चलते यह स्थिति बनी है। हालांकि पुराने पुल से वाहनों का परिचालन जारी है, लेकिन अत्यधिक दबाव के कारण जाम लग रहा है। उन्होंने कहा कि मरम्मत का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है और मंगलवार तक इसे पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद जाम की समस्या से पूरी तरह निजात मिलने की उम्मीद है।

बाहुबली अनंत सिंह को बड़ी राहत, जेल से आकर लेंगे विधायक पद की शपथ

पटना बिहार विधान सभा चुनाव प्रचार के दौरान तेजस्वी यादव बाहुबली अनंत सिंह को उम्मीदवार बनाने पर एनडीए पर खूब हमला किया था। अब विपक्ष एक बार फिर अनंत सिंह की चर्चा कर रहा है, क्यों कि वह जेल से आकर विधायक पद की शपथ लेंगे। बिहार की सियासत में छोटे सरकार के नाम से मशहूर मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं। बाहुबली नेता अनंत सिंह को पटना सिविल कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने उन्हें जेल में रहते हुए भी विधायक पद की शपथ लेने की अनुमति दे दी है। इस फैसले के बाद बिहार के सियासी गलियारों में सुगबुगाहट तेज हो गई है कि क्या मोकामा के दबंग विधायक फिर से अपनी राजनीतिक जमीन को नए सिरे से मजबूत करने की तैयारी में है। हत्याकांड में सजायाफ्ता, फिर भी मिली राहत दुलारचंद यादव हत्याकांड सहित कई संगीन मामलों में नामजद और सजायाफ्ता होने के कारण अनंत सिंह की सदस्यता पर तलवार लटकी थी। हालांकि, ताजा अदालती आदेश ने उनके समर्थकों में उत्साह भर दिया है। पटना सिविल कोर्ट ने उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए विशेष सुरक्षा घेरे में शपथ ग्रहण की अनुमति प्रदान की है।

सियासी गलियारों में छिड़ी नई बहस अदालत के इस फैसले ने कानून और राजनीति के जानकारों के बीच एक नई बहस को जन्म दे दिया है। इस संबंध मेंराजनीतिक जानकारों का मानना है कि दोषसिद्धि के बावजूद कुछ विशेष परिस्थितियों में अदालत संवैधानिक दायित्वों के निर्वहन की अनुमति दे सकती है। राज्य की विपक्षी पार्टियां इस फैसले को लेकर सरकार की घेराबंदी कर रही हैं, वहीं सत्ता पक्ष इसे न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा बता रहा है।

परीक्षा ड्यूटी से नदारद अधिकारी से मांगा गया स्पष्टीकरण,

पटना इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2026 के पहले दिन ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी उदिता सिंह ने कड़ा एक्शन लिया। लापरवाह अधिकारी का एक दिन का वेतन स्थगित करते हुए 24 घंटे में स्पष्टीकरण मांगा गया है। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2026 को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। परीक्षा के पहले ही दिन लापरवाही बरतने पर जिलाधिकारी उदिता सिंह ने कड़ा रुख अपनाते हुए एक अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की है। परीक्षा ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए अधिकारी का एक दिन का वेतन स्थगित कर दिया गया है और उनसे 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। बताया गया है कि 2 फरवरी से 13 फरवरी तक चलने वाली इंटरमीडिएट परीक्षा के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और कदाचारमुक्त संचालन के लिए विशेष दलों का गठन किया गया है। इसी क्रम में बीपीआईयू, कोचस के प्रखंड परियोजना प्रबंधक विनय कुमार बैठा को प्रश्नपत्र वितरण सह उत्तर पुस्तिका संग्रह दल में प्रतिनियुक्त किया गया था। लेकिन परीक्षा के पहले दिन ही वे अपने निर्धारित स्थल पर अनुपस्थित पाए गए। जांच के दौरान उनका मोबाइल फोन भी बंद मिला। डीएम ने 24 घंटे में मांगा स्पष्टीकरण मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी उदिता सिंह ने विनय कुमार बैठा से 24 घंटे के भीतर लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। डीएम ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम, 1981 की कंडिका-09 के तहत उनके विरुद्ध कठोर अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली-कोलकाता हाईवे पर भीषण जाम, 10 किमी तक थमे पहिए; वाहन चालक व यात्री भूखे-प्यासे हो रहे बेहाल एक दिन का वेतन स्थगित जिलाधिकारी ने स्पष्टीकरण स्वीकार होने तक संबंधित अधिकारी का एक दिन का वेतन भी स्थगित कर दिया है। उन्होंने दो टूक कहा कि परीक्षा ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परीक्षा के सफल संचालन में बाधा डालने वाले किसी

पूर्णिया में माघी पूर्णिमा स्नान के दौरान सौरा नदी में डूबा युवक

पूर्णिया के बेलौरी स्थित सौरा नदी में माघी पूर्णिमा स्नान के दौरान मोबाइल पर रील बनाते समय 26 वर्षीय युवक बेचन ऋषि की डूबने से मौत हो गई। शव बरामद होने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पूर्णिया में माघी पूर्णिमा के अवसर पर आस्था और उत्साह का माहौल उस वक्त मातम में बदल गया, जब सौरा नदी में स्नान करने गए एक युवक की डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह हादसा मोबाइल पर रील बनाने के दौरान हुआ। सोमवार सुबह युवक का शव बरामद होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बेलौरी स्थित सौरा नदी की है। सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया जीएमसीएच भेज दिया। मृतक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सतडोभ (वार्ड संख्या 44) निवासी 26 वर्षीय बेचन ऋषि के रूप में हुई है। मृतक के पिता चमकलाल ऋषि ने बताया कि रविवार शाम बेचन अपनी पत्नी और तीन दोस्तों के साथ माघी पूर्णिमा के स्नान के लिए घर से करीब तीन किलोमीटर दूर सौरा नदी गया था। स्नान के दौरान बेचन ने मोबाइल निकालकर वीडियो (रील) बनाना शुरू किया। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने या पानी की गहराई का अंदाजा न होने के कारण वह नदी के तेज बहाव की चपेट में आ गया और डूब गया। नदी में एक युवक का शव तैरता हुआ मिला हैरानी की बात यह रही कि घटना के बाद रविवार शाम बेचन की पत्नी और उसके दोस्त घर लौट आए, लेकिन बेचन उनके साथ नहीं था। परिजनों द्वारा पूछे जाने पर दोस्तों ने गुमराह करते हुए कहा कि वह वहीं रुक गया है और थोड़ी देर में घर आ जाएगा। पूरी रात बीत जाने के बाद भी जब बेचन घर नहीं पहुंचा, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। दिल्ली-कोलकाता हाईवे पर भीषण जाम, 10 किमी तक थमे पहिए; वाहन चालक व यात्री भूखे-प्यासे हो रहे बेहालपोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी सोमवार सुबह स्थानीय ग्रामीणों ने नदी में एक युवक का शव तैरता हुआ देखा, जिसके बाद सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान बेचन ऋषि के रूप में की।

युवक को बुरी तरह पीटा, फिर सिर को ईंट से कुचलकर गोली मारके की नृशंस हत्या; सीएम भी यहां आने वाले थे

पटना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगमन से कुछ घंटे पहले पंडारक में एक युवक की नृशंस हत्या से इलाके में हड़कंप मच गया। युवक को पहले बेरहमी से पीटा गया, फिर गोली मारकर हत्या कर दी गई और सिर ईंट से कुचल दिया गया। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है। पटना के पंडारक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगमन से कुछ घंटे पहले एक व्यक्ति की नृशंस हत्या से इलाके में हड़कंप मच गया। पंडारक थाना क्षेत्र के महुवारी गांव निवासी अमृत कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई, इसके बाद अपराधियों ने ईंट से उनका सिर कुचल दिया। उनकी शव अंबुजा सीमेंट के पास मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि अमृत कुमार किसी काम से बाइक से घर से निकले थे। कुछ ही देर बाद उनकी लाश सड़क किनारे पड़ी मिली। मृतक की पहचान मोटरसाइकिल के नंबर के आधार पर की गई। शव के पास खून से सना एक ईंट बरामद हुआ है, वहीं करीब दस मीटर तक सड़क पर खून फैला हुआ मिला, जिससे अंदेशा जताया जा रहा है कि हत्या से पहले मृतक के साथ बेरहमी से मारपीट की गई।

दिल्ली-कोलकाता हाईवे पर भीषण जाम, 10 किमी तक थमे पहिए; वाहन चालक व यात्री भूखे-प्यासे हो रहे बेहाल पुलिस के अनुसार, अमृत कुमार के शरीर पर गंभीर चोट के कई निशान मिले हैं, जिससे हाथापाई की पुष्टि होती है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि पहले उनके सिर पर ईंट से वार किया गया और फिर गोली मारी गई। हालांकि हत्या के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल को घेर लिया और फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम को साक्ष्य संकलन के लिए बुलाया गया। मौके से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है और मृतक के परिजनों से पूछताछ की जा रही है। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों का कहना है कि अमृत कुमार स्वभाव से शांत था और गांव में किसी से उसका कोई विवाद नहीं था। मुख्यमंत्री के आगमन से पहले हुई इस वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था में लगे पुलिसकर्मियों की भी चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की जांच में जुटी है और हत्यारों की तलाश जारी है।

संक्षिप्त डायरी

मुंगेर का ये थाना बना मंडप, जानें क्या है एफआईआर से फेरे तक की अनोखी कहानी

मुंगेर मुंगेर के हवेली खड़गपुर थाना क्षेत्र में प्रेम-प्रसंग से जुड़ा मामला पुलिस थाने तक पहुंचा, जहां दोनों पक्षों की सहमति से थाना परिसर स्थित शिव मंदिर में प्रेमी युगल का विवाह संपन्न कराया गया। यह अनोखी शादी क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रही। मुंगेर के हवेली खड़गपुर थाना क्षेत्र से 23 जनवरी को अपने प्रेमी के साथ फरार हुई तेघड़ा गांव निवासी अजय साह की 19 वर्षीय पुत्री पायल कुमारी की शादी सोमवार को थाना परिसर स्थित शिव मंदिर में संपन्न कराई गई। यह विवाह दोनों पक्षों की आपसी सहमति से पुलिस की मौजूदगी में कराया गया, जिसमें पुलिसकर्मी और स्थानीय ग्रामीण बाराती बने। यह अनोखी शादी इलाके में चर्चा का विषय बनी रही। जानकारी के अनुसार, भागलपुर जिले के नाथनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटी श्रीरामपुर निवासी ब्रजेश कुमार और हवेली खड़गपुर थाना क्षेत्र के तेघड़ा गांव की पायल कुमारी के बीच पिछले चार वर्षों से प्रेम संबंध था। दोनों एक-दूसरे के साथ जीवन बिताने का फैसला कर चुके थे। 23 जनवरी को पायल कुमारी घर से बाजार जाने की बात कहकर निकली और अपने प्रेमी के साथ भागलपुर चली गई। इस मामले में 28 जनवरी को पायल के पिता अजय साह ने हवेली खड़गपुर थाना में पुत्री के घर से भागने और शादी किए जाने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस लगातार प्रेमी युगल की तलाश में दबिश दे रही थी। इसी क्रम में 2 फरवरी को प्रेमी युगल स्वयं थाना पहुंचा और अपने-अपने बालिग होने से संबंधित प्रमाण पत्र पुलिस के समक्ष प्रस्तुत किए। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने दोनों पक्षों के परिजनों को थाना बुलाया। आपसी बातचीत और सहमति के बाद थाना परिसर स्थित शिव मंदिर में विधि-विधान के साथ दोनों की शादी कराई गई। विवाह के दौरान पुलिसकर्मी, परिजन और स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे। जानें कितने साल से चल रही थी ये प्रेम कहानी? नवविवाहित जोड़े ने बताया कि वे पिछले चार वर्षों से एक-दूसरे से प्रेम करते थे। गांव में रिश्तेदारी होने के कारण उनका संपर्क बना रहा। प्राथमिकी दर्ज होने की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने स्वयं थाना पहुंचकर परिजनों की सहमति से विवाह कराने का निर्णय लिया। शादी के बाद दोनों ने खुशी जाहिर करते हुए साथ जीवन बिताने की बात कही।

अमीरी में पटना का जलवा, शिवहर सबसे फिसड्डी; जानें आपके जिले का क्या है हाल

बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पेश किया गया। इसके अनुसार राजधानी पटना प्रदेश का सबसे समृद्ध जिला बनकर सामने आया है। वहीं, विकास की दौड़ में शिवहर सबसे पीछे रहा। आपके शहर का नंबर क्या है? आज बिहार का आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पेश किया गया, जिसमें बिहार की अर्थव्यवस्था और जिलों की संपन्नता की नई तस्वीर सामने आई है। राज्य के आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 की रिपोर्ट के अनुसार, राजधानी पटना प्रदेश का सबसे समृद्ध जिला बनकर उभरा है। वहीं, विकास की दौड़ में शिवहर सबसे निचले पायदान पर है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि पटना की प्रति व्यक्ति आय, शिवहर के मुकाबले लगभग छह गुना से भी ज्यादा है, जो राज्य के भीतर मौजूद आर्थिक असमानता को स्पष्ट रूप से दशार्ती है। आय के मामले में सबसे ऊपर और सबसे नीचे कौन आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 की रिपोर्ट के अनुसार बिहार की औसत प्रति व्यक्ति आय अब 76,490 रुपये हो गई है। प्रति व्यक्ति आय के आधार पर जिलों की रैंकिंग में पटना सबसे आगे है। उन आकंड़ों के मुताबिक सबसे अमीर जिलों में पटना में प्रति व्यक्ति आय 1,31,332 रुपये, बेगूसराय का 61,566 रुपए, मुंगेर का 54,469 रुपए और सबसे गरीब जिलों में शिवहर है जिसका प्रति व्यक्ति आय 18,980 रुपया, अररिया का 19,795 रुपया और सीतामढ़ी का 21,448 रुपया प्रति व्यक्ति आय है। जिलों की संपन्नता को मापने के लिए पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की खपत को भी आधार बनाया गया है। इसमें भी पटना ने अपनी बादशाहत कायम रखी है। पेट्रोल की खपत के मामले में राजधानी पटना पहले, मुजफ्फरपुर दूसरे और पूर्णिया तीसरे स्थान पर है। सबसे कम पेट्रोल की खपत लखीसराय, बांका और शिवहर में दर्ज की गई। डीजल की खपत में पटना शीर्ष पर है, इसके बाद शेखपुरा और औरंगाबाद का नंबर आता है। वहीं, शिवहर, सीवान और कैमूर में डीजल की खपत सबसे कम रही। रसोई गैस यानी एलपीजी की सबसे ज्यादा खपत पटना, बेगूसराय और गोपालगंज में हो रही है, जबकि अररिया, बांका और मधेपुरा इस सूची में सबसे पीछे हैं। लघु बचत में भी पटना अव्वल आर्थिक सर्वेक्षण में यह भी बताया गया है कि प्रति व्यक्ति लघु बचत के मामले में भी संपन्न जिलों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सर्वेक्षण न केवल राज्य की आर्थिक प्रगति को दिखाता है, बल्कि उन क्षेत्रों की भी पहचान करता है जहां विकास की योजनाओं को तेजी से पहुंचाने की जरूरत

सड़क किनारे पेड़ से टकराई बाइक, दुर्घटना में एक की मौके पर मौत; पटना एम्स में दो घायलों का इलाज जारी

पटना के पालीगंज में तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका इलाज पटना एम्स में चल रहा है।पटना जिले के पालीगंज थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। मृतक की पहचान 24 वर्षीय रवि पासवान, पिता प्रभु पासवान, के रूप में हुई है। हादसे में गौतम कुमार और शिव कुमार घायल हो गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए पटना एम्स रेफर कराया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। हादसे के बाद मृतक के परिवार में मातम छा गया है। बताया जा रहा है कि बाइक सवार तीनों युवक एक ही गांव के निवासी थे और एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। घायल गौतम पासवान के पिता कमलेश पासवान ने बताया कि उनका बेटा अपने दोस्तों के साथ पालीगंज बाजार गया था। बाजार से लौटने के दौरान फतेहपुर के पास यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाइक तेज रफ्तार में थी और अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। वहीं, पालीगंज थाना अध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि ग्रामीणों से सूचना मिली थी कि फतेहपुर के पास एक बाइक पेड़ से टकरा गई है। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हुए हैं। घायलों का इलाज पटना एम्स में चल रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

बच्चों को सिखाएं काम-काज, उनकी काम में मदद करें

घर में छोटे बच्चे हो तो घर व्यवस्थित रहेगा, इसकी कल्पना करना भी बेकार है क्योंकि बच्चे घर के सामान को खेल-खेल में बिखेर देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि वीकेंड पर बच्चों से ही घर को व्यवस्थित करा लिया जाए, जिससे वे घर का रख-रखाव सीख जाएंगे और घर को व्यवस्थित रखने में आपकी मदद भी कर देंगे।

बच्चों को टास्क दें

कोई भी बच्चा एक दिन में पूरे घर की सफाई करना नहीं सीख सकता। वीकेंड पर बच्चों को छोटी-छोटी चीजें व्यवस्थित करना सिखाएं। इसके लिए उन्हें घर के किसी एक कोने को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी दे सकती हैं। आप उन्हें उनके वॉर्डरोब के सामान को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी दें परन्तु उन्हें यह जरूर बताएं कि पहले सारे कपड़े वॉर्डरोब से बाहर निकालें और फिर उन्हें दोबारा तह कर के वॉर्डरोब में लगाएं। उसके बाद कपड़े वॉर्डरोब में इस तरह रखें कि उन्हें इस्तेमाल करने के लिए निकालना आसान रहेगा।

उनकी काम में मदद करें

यदि आपको लगे कि बच्चा अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहा है तो बीच-बीच में उसकी मदद करें तथा काम को सही ढंग से करने का तरीका बताएं। उसे बचाएं कि शर्ट कैसे तह की जाती, मोजों को हमेशा जोड़ा बनाकर रखते हैं ताकि वे खोएं नहीं। यहीं नहीं कपड़े शैल्फ में कैसे रखे जाते हैं यह भी उन्हें करके बताएं। यदि आप उन्हें बुक शैल्फ अरेंज करने का काम दे रही है तो उन्हें बताएं कि बुक शैल्फ में सबसे पहले बड़ी किताबें सैट की जाती हैं, फिर उससे छोटी और सबसे आगे छोटे आकार की किताबें रखी जाती हैं।

म्यूजिक लगाएं

बच्चा काम को एन्जॉय करते हुए सीख पाए, इसलिए उसकी पसंद का म्यूजिक लगा दें। बीच-बीच में छोटा-सा ब्रेक लेकर उसके साथ डांस करें। म्यूजिक के साथ काम करने में उसे मजा भी आएगा और आसानी से काम भी सीख जाएगा।

खेल और ईनाम

नया काम सीखते समय बच्चा बोर न हो, इसलिए उसे खेल-खेल में काम सिखाने की कोशिश करें। आप पांच मिनट का अलार्म लगा दें और कहें कि यदि वह पांच मिनट में पांच जोड़े जूते अल्मारी में रख देगा तो उसे चॉकलेट मिलेगी। यदि बच्चा समय पर अपना टास्क पूरा कर ले तो उसके प्रयास की तारीफ करें और अपना प्रॉमिस भी निभाएं।

सबके सामने तारीफ करें

जब बच्चा अपना काम पूरा कर ले तो उसकी मनपसंद चीज उसे ईनाम में दें या उसकी पसंदीदा डिश बना कर उसे खिलाएं। यही नहीं परिवार के अन्य सदस्यों के सामने भी उसकी तारीफ करें। इससे उसे न केवल अपना टास्क पूरा करने की खुशी मिलेगी, बल्कि आपका प्यार और आपका साथ उसमें नई ऊर्जा का संचार करेगा।

बढ़ती उम्र में जीवनशैली में बदलाव से नजर आयेंगी युवा

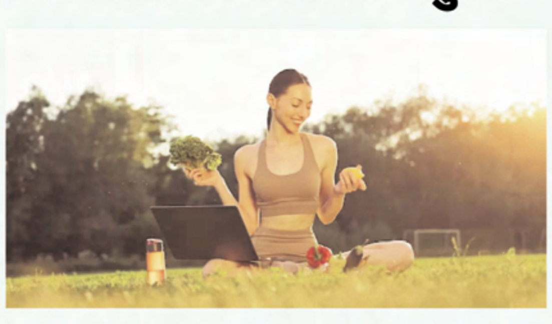

अगर आप चाहती हैं कि बढ़ती उम्र में भी खूबसूरत और युवा नजर आयें तो अपनी जीवनशैली में इस प्रकार के बदलाव करें।

नियमित व्यायाम करें

अगर आप चाहती हैं कि आपका शरीर उम्र के साथ ढीला न पड़े तो रेजिस्टेंस ट्रेनिंग आपकी रूटीन का हिस्सा होनी चाहिए। वेट ट्रेनिंग आपकी बॉडी मसल्स को मेंटेन रखती है। इसके लिए हल्का वजन उठाने से शुरुआत करें और धीरे-धीरे वजन की मात्रा बढ़ाएं। बेहतरीन रिजल्ट के लिए वेट ट्रेनिंग के दौरान पूरी बॉडी पर फोकस करें।

प्रोटीन का अधिक सेवन करें

प्रोटीन की कमी से शरीर में मसल लॉस हो सकता है। 50 साल के बाद आपके शरीर को पहले से ज्यादा प्रोटीन की जरूरत होती है। देखा जाए तो पर किलो वजन के हिसाब से आपके शरीर को 0.8 ग्राम वजन की जरूरत होती है।

खुद को जवान और स्वस्थ बनाए रखने के लिए तीनों बार खाने में प्रोटीन शामिल करें। सिर्फ डिनर में प्रोटीन के बजाय ब्रेकफस्ट और लंच में भी इसे शामिल करें।

विटमिन डी की मात्रा का रखें ध्यान

सनशाइन विटमिन आपके शरीर में काफी परिवर्तन ला सकता है। अगर आपके शरीर में विटमिन डी कम है तो ध्यान रखें कि सुबह सूरज की रोशनी में समय बिताएं और विटमिन डी खाने में शामिल करें।

डायट में शामिल करें ऐंटीऑक्सिडेंट्स

ग्रीन टी में पर्याप्त मात्रा में ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं। इससे आपका मेटाबॉलिक रेट सही रहता है साथ ही फिजिकल परफॉर्मेंस भी सुधरता है। आप अनार खाना भी शुरू कर सकते हैं। ऐंटीऑक्सिडेंट्स फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं जिससे आपकी त्वचा अंदर से खूबसूरत बनती है और उम्र का असर नहीं दिखता।

हर दिन 30 से 40 मिनट एक्सरसाइज करते हैं तो आप कई बीमारियों से रहेंगे दूर

अगर आप हर दिन 30 से 40 मिनट एक्सरसाइज करते हैं तो आप बहुत सी बीमारियों से दूर रहते हैं। एक सर्वेक्षण में कहा गया है अगर कोई आदमी 70 साल का है और वह हर रोज एक्सरसाइज करता है तो उसकी उम्र बढ़ जाती है और बीमारियों से भी दूर रहता है। यह स्वस्थ रहने के लिए यह सबसे बड़ा नुस्खा है।

पौष्टिक भोजन

स्वस्थ रहने के लिए अच्छा भोजन या कहें बैलेंस डाइट की बहुत जरूरत होती है क्योंकि आप जानते हैं ज्यादातर बीमारी गलत डाइट से होती है इसलिए बैलेंस डाइट को अपनाएं! आपके भोजन में उपयुक्त 3 से 5 लीटर पानी पिए हैं। फल और सब्जी खाएं, खाना को चबाकर खाएं, रात में कम खाना कम खाएं, किसी भी एक चीज का ज्यादा मात्रा में सेवन ना करें। कोशिश करें प्रकृति ने जो कुछ आपको खाने के लिए दिया है वह सबकुछ का मजा लें।

स्वस्थ मस्तिष्क

यह आपके जिंदगी का यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है! लोग इस पर ध्यान कम देते हैं ! दुख देने वाले से दूर रहें, सोते समय ना सोचे, कमाई से अधिक खर्च ना करें, किसी से झूठा वादा ना करें, जिसको आप पूरा ना कर सके, बिना मतलब का कुछ ना सोचें हैं, अच्छे लोगों से मिले हैं और उसे दोस्त करें खूब हंसे और दूसरे को हंसाने की कोशिश करें। दिमाग का सीधा रिश्ता दिल से होता है अगर आप तनाव में रहते हैं तो आपका ब्लड प्रेशर बढ़ता है जिस से बहुत सारी बीमारियां होती हैं जैसे हार्ट अटैक आदि। अपने लाइफ स्टाइल को ठीक करें जल्दी सोए और जल्दी जगे। चिंता, क्रोध, शोक, शक और दूसरों से उम्मीद करना छोड़ें।

अच्छी नींद

वैज्ञानिक मानते हैं कि नींद सबसे बड़ी दवा है आप गौर कीजिए जब आप काम करके बहुत ज्यादा थक जाते हैं। अगर आप गहरी नींद से सोते हैं तो सुबह अपने आप को आप तरोताजा पाते हैं। इसीलिए कहा जाता है अच्छी नींद का होना बहुत जरुरी है। कम नींद होना या ज्यादा नींद का होना इसका सीधा प्रभाव स्वास्थ्य पड़ता है। वैज्ञानिक अध्ययन से पाया गया है कि 8 घंटा से ज्यादा और 6 घंटे से कम नहीं सोना चाहिए। सोते समय सोचना नहीं चाहिए जिससे आपकी नींद खराब होती है और आप सही सोच भी नहीं पाते हैं क्योंकि आप थके हुए होते हैं!

लोग अपनी बीमारियों को डालने की कोशिश करता है या फिर अपनी बीमारियों को झूठलाता है कि मुझे यह बीमारी नहीं है इसका चयन स्वयं करें। डॉक्टरी सलाह अवश्य लें समय रहते अगर आप डॉक्टर से मिलते हैं तो आप का इलाज कम खर्च में जल्दी हो जाता है।

विश्व स्वास्थ संगठन अपने गाइडलाइंस में कई बार बता चुका है कि आप हर रोज पांच अलग कलर का फल खाएं! संडे हो या मंडे हर दिन एक अंडे कम से कम खाएं। साफ पानी तीन से 5 मीटर हर दिन पीने की कोशिश करें! दूध का इस्तेमाल करें चाय पीने में दूध का इस्तेमाल होना इसे दूध का सेवन नहीं माना जाता है दूध पिए हैं या धूप से बना हुआ खाना खाएं।

खुश रहने के बहाने खोजें

सिर्फ अपने आपको कामनाएं वयस्त रखना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है! आप कामभी करें साथ ही साथ खुश रहने के लिए अलग-अलग तरीकों को अपनाएं जैसे खेल कूद में भाग लेना, फिल्म देखना, अपने मनपसंद दोस्त से मिलना, घूमने जाना, मजाकिया आदत रखना, और मनपसंद खाना खाना आदि।

स्वस्थ रहने के लिए हाइजीन का होना बहुत जरूरी है सिर्फ अपने आप को साफ करना बहुत बड़ी बात नहीं है! आप जो समान इस्तेमाल करते हैं उसका भी साफ होना उतना ही जरुरी है और जहां पर आपका खाना पकता है उसका भी साफ होना जरूरी है।

इस प्रकार मेंहदी लगेगी खूबसूरत

मेंहदी लगाना न केवल सोलह श्रृंगार में से एक है बल्किर इसे शुभ शगुन के तौर पर भी देखा जाता है। हमारे देश में कोई भी खास मौका हो, हाथों में मेंहदी रचाए बिना पूरा नहीं माना जाता। पर मेंहदी तभी खूबसूरत लगती है, जब उसका रंग गहरा हो और यह सही से रचे। मेहंदी का एक खास गहरा लाल रंग होता है जो हाथों पर बेहद खूबसूरत लगता है।

कई बार ऐसा होता है कि मेंहदी लगी तो बहुत अच्छी होती है लेकिन सही से न रचने के कारण खूबसूरत डिजाइन भी खिलकर नहीं आ पाता। ऐसे में आप इन उपायों को अपनाकर गहरी और खूबसूरत मेंहदी रचा सकती हैं। पहले यह तय कर लें कि आपकी मेंहदी का घोल अच्छे से तैयार किया गया हो।

इन उपायों को अपनाने से गहरी रचेगी मेंहदी - मेंहदी लगाने के बाद धैर्य रखना बहुत जरूरी है। कम से कम पांच से छह घंटे के लिए मेंहदी को हाथों पर रचे रहने दें। इससे मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है। नींबू और चीनी के घोल के इस्तेमाल से भी मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है। दरअसल, इस घोल को लगाने से मेंहदी ज्यादा देर के लिए हाथों में चिपकी रहती है और इससे उसका रंग गहरा हो जाता है। मेंहदी छुड़ाने के लिए पानी का इस्तेमाल न करें। हो सके तो 10 से 12 घंटों तक हाथों पर पानी के इस्तेमाल से बचें। साबुन के इस्तेमाल से दूर ही रहें तो बेहतर होगा। मेंहदी छुड़ाने के बाद सरसों के तेल को हाथों पर मल लें। इन उपायों को अपनाने से मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है।

ठंडी रोटी गर्म करने का कमाल का नुस्खा जान लें, रोटियां बनी रहेंगी बिल्कुल सॉफ्ट

खाने का मजा तो गर्मगर्म ही आता है। दाल, सब्जी, रोटी, चावल हर चीज तब फ्रेश और गर्म रहती है तो स्वाद बढ़ जाता है। खासतौर पर रोटियां तो गर्म ही अच्छी लगती हैं। क्योंकि इन्हें दोबारा से गर्म करने पर अकड़ जाती है या कड़क हो जाती है। लेकिन भागदौड़ भरी लाइफ में ज्यादातर लोग रखा हुआ खाना खाते हैं। चाहे मेड खाना बनाकर जाए या खुद से खाना बनाना हो अक्सर रोटियों को सेंककर कैसरोल में बंद कर दिया जाता है। लेकिन सर्दी के दिनों जब सारी चीजें जल्दी से ठंडी हो जाती हैं तो कैसरोल में रखी रोटी पर भी असर होगा ही, रोटियां भी जल्दी से ठंडी हो जाती है। अब इन रोटियों को दोबारा से अगर गर्म किया जाए तो ये कड़क हो जाती है और अगर घी लगाकर गर्म किया जाए तो रोटियों का न्यूट्रिशिन कम हो जाता है। ठंडी रोटियों को गर्म करने की ऐसी ट्रिक जान लें। जिससे तवा चढ़ाए बगैर रोटियां गर्म भी जाएं और उनकी सॉफ्टनेस भी खत्म ना हो। ऐसे में ये हैक आपकी मदद कर सकता है।

ठंडी रोटियों को गर्म करने का हैक

सर्दियों में रखी हुई रोटियों को गर्म करना है और साथ ही उसे सॉफ्ट और मुलायम बनाए रखने के लिए ये नुस्खा बड़े काम का साबित हो सकता है।

इसके लिए कैसरोल की बजाय बस किसी स्टील के टिफिन में रोटियों को सेंककर रख दें। साथ ही रोटियों को कपड़े में लपेट दें, जिससे उनका मॉइश्चर ना उड़े।

जब खाना टेबल पर लगा रही हो तो उसी वक्त स्टील के टिफिन में रखी कपड़े से ढंकी रोटियों को कुकर के अंदर रखें और ढक्कन बंद कर दें।

ध्यान रहे कि कुकर की सीटी को नहीं निकालना है। बस दो से तीन मिनट में जब भाप बन जाए तो गैस की फ्लेम को बंद कर दें। साथ ही सीटी पूरी बजनी भी नहीं चाहिए। बस भाप बन जाए,इतने में ही रोटियां अंदर तक पूरी गरम हो जाएंगी।

साथ ही ये रोटियां सॉफ्ट भी बनी रहेंगी।

अधिकतर तवे पर रोटी को दोबारा गर्म करने पर अकड़ जाती हैं। लेकिन ये हैक बिना झंझट झटपट ठंडी रोटियों को गर्म करने में मदद करेगा।

टी20 विश्वकप मैच के लिए तय समय पर श्रीलंका पहुंचेगी भारतीय टीमः बीसीसीआई

पाकिस्तान के मैच से हटने के बाद भी कार्यक्रम में नहीं किया बदलाव

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि टीम टी20 विश्व कप 2026 के लिए तय समय पर श्रीलंका जाएगी हालांकि पाकिस्तान ने उसके खिलाफ ग्रुप स्तर के मैच में खेलने से इंकार कर दिया है। बीसीसीआई के अनुसार पाकिस्तान ने 15 फरवरी को होने वाले विश्वकप मैच में बिना किसी ठोस करणों से खेलने से इंकार किया है पर इसके बाद भी हमारे कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भारतीय टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) नियमों के तहत ही सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी करेगी। भारत-पाक के बीच मुकाबला 15 फरवरी 2026 को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में होना था पर पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि वह इसमें अपनी टीम नहीं उतारेगा।

पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया में एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि टीम विश्व कप 2026 में भाग लेगी पर ग्रुप स्तर पर भारत के खिलाफ कोई मैच नहीं खेलेगी। पाक सरकार ने भारतीय टीम के खिलाफ मैच से हटने का कोई कारण नहीं बताया है। इससे कार्यक्रम पर संशय बना हुआ है। पाक के मैच से बाहर होने के बाद भी भारतीय टीम अपने तय कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं करते हुए तय समय पर श्रीलंका पहुंचेगी। टीम अपने नियमित अभ्यास सत्र के बाद प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेंगे और मैच वाले दिन निर्धारित समय पर स्टेडियम में भी पहुंचेगी। वहीं पाक टीम के नहीं पहुंचने के बाद आईसीसी के नियमों के तहत मैच रेफरी फैसला देंगे। इसमें भारतीय टीम को मैच अंक मिलेंगे जबकि पाक के अंक कटेंगे।

आईसीसी ने भी हालांकि अभी ये नहीं बताया है कि अगर कोई टीम विश्व कप मैच खेलने नहीं आती है तो उसके खिलाफ क्या कदम उठाये जाएंगे। पाक को विश्वकप में अपने पहले मुकाबले में 7 फरवरी को पहला मैच नीदरलैंड्स जबकि 10 फरवरी को अमेरिका वह 18 फरवरी को नामीबिया से खेलना है। ये सभी मैच कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान में खेले जाने हैं। पीसीबी ने अभी ये नहीं बताया है कि अगर उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचती है तो तब भी क्या वह भारत के सामने नहीं उतरेगी? भारत-पाक मुकाबले से आईसीसी और प्रसारणकर्ताओं को सबस अधिक राजस्व मिलता है। ऐसे में इस मैच के नहीं होने से आईसीसी को भी काफी नुकसान होगा। ऐसे में अब देखना होगा कि आईसीसी इस मामले में क्या फैसला करती है।

अभिषेक टी20 विश्कप में सबसे अधिक रन बनाएंगे : पोंटिंग

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह सात फरवरी से शुरु होने जा रहे टी20 विश्वकप में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बनेंगे। विश्वकप संयुक्त रु से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कई दिग्गज बल्लेबाजों के होते हुए भी पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान का मानना है कि अभिषेक रनों के मामले में सबसे आगे रहेंगे इस पूर्व कप्तान ने अभिषेक की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अच्छी लय में है और उसे घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। ऐसे में उसे आईसीसी टूर्नामेंट्स का अनुभव न होने पर भी नुकसान नहीं होगा। वह पहली बार कोई आईसीसी टूर्नामेंट खेलने के कारण निडर होकर उतरेगा। ऐसे में अनुभव की कमी उसके लिए फायदेमंद ही साबित होगी। साथ ही कहा कि उसे इस टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड भी मिल सकता है। पोंटिंग ने आगे कहा, अगर वह रन बनाता है तो भारतीय टीम को हराना बेहद कठिन हो जाएगा। और अगर वह नहीं चलता, तो भी भारतीय टीम को कम नहीं आंक सकते। अभिषेक साल 2018 में भारत की अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली टीम में शामिल रहे हैं पर टी20 वर्ल्ड कप 2026 सीनियर टीम के साथ उसका पहला विश्वकप होगा।

पोंटिंग ने कहा, मैं उसका पहला आईपीएल कोच रहा था। उसने 17 साल की उम्र में मेरे साथ दिल्ली कैपिटल्स के लिए डेब्यू किया था। मुझे आज भी याद है, पहली ही गेंद पर उसने से चौका या छक्का मारा था। पोंटिंग ने यह भी खुलासा किया कि वह अभिषेक को दिल्ली से ट्रेड करने के फैसले के खिलाफ थे। मैंने प्रबंधन से कई बार कहा था कि उसे मत जाने दो, यहां एक सुपरस्टार बन रहा है। और आज वही हो रहा है।अभिषेक ने हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 4 मैचों में 152 रन बनाए। सीरीज के तीसरे मुकाबले में अभिषेक ने सिर्फ 14 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। जो भारत की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरा सबसे तेज़ अर्धशतक है। इससे पहले केवल युवराज के नाम ही 12 गेंदों में ये रिकार्ड है।ऐसे में भारतीय टीम को विश्वकप में अभिषेक से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। ।भारत को ग्रुप A में पाकिस्तान, अमेरिका, नामीबिया और नीदरलैंड्स के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 7 फरवरी को अमेरिका के खिलाफ करेगा।

इंग्लैंड ने दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया, सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की

कोलंबो (एजेंसी)। हैरी ब्रूक की आक्रामक बल्लेबाजी से इंग्लैंड ने यहु दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में भी मेजबान श्रीलंका को हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। बर्षा बाधित इस मैच में मेहमान टीम इंग्लैंड ने डकवर्थ लुइस नियम के तहत 6 विकेट से जीत हासिल की। वहीं पहले मैच में भी श्रीलंकाई टीम 11 रन से हार गयी थी। दूसरे मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 5 विकेट के नुकसान पर 189 रन बनाये। वहीं दूसरी पारी में बारिश के कारण इंग्लैंड को 17 ओवर में 168 रन का संशोधित लक्ष्य मिला।जिसे इंग्लैंड टीम ने टॉम बैंटन के अर्धशतक और कप्तान हैरी ब्रूक की आक्रामक पारी से 16.4 ओवर में ही 4 विकेट पर 173 रन बनाकर हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम ने एक समय 7.2 ओवर में ही 60 रनों के अंदर 2 विकेट खो दिये थे। बारिश के कारण इंग्लैंड को जीत के लिए 17 ओवर में 168 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। इसके बाद बैंटन ने 33 गेंदों में 54 रन जबकि जोस बटलर ने 39 रन बनाए। ब्रूक ने केवल 12 गेंदों में 36 रन बना दिये। वहीं सैम करन 20 रन बनाकर आउट नहीं हुए।

वहीं इससे पहले श्रीलंका की ओर से ओपनर पथुम निसांका और कामिल मिशरा श्रीलंका को अच्छी शुरुआत दिलाई और टीम का स्कोर 11 ओवर में दो विकेट पर 106 रन पहुंच गया। वहीं पवन रत्नायके ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। निसांका ने 22 गेंदों में 34 रन जबकि कुसल मेंडिस ने 17 गेंदों पर 32 रन बनाये। इंग्लैंड के लिए जोफ्रा आर्चर ने दो विकेट लिए जबकि विल जैक्स, लियाम डॉसन और आदिल रशीद को एक-एक विकेट मिला।

पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर सकती है आईसीसी

-लग सकता है प्रतिबंध, प्रसारकों को नुकसान की भरपाई करनी होगी

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार और क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी अकड़ में भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप मैच के बहिष्कार की घोषणा की है। ये घोषणा उसके पतन का कारण भी बन सकती हैं। इससे पहले से ही आर्थिक संकटों में फंसा पीसीबी और अधिक उसमें डूब सकता है। वहीं इस मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भी उसके खिलाफ प्रतिबंध सहित कई और कठोर कदम उठा सकती है। आईसीसी ने पीसीबी के फैसले पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा है कि अगर वो टी20 वर्ल्ड कप में तय कार्यक्रम के मुताबिक नहीं खेला तो उसके खिलाफ कड़े कदम उठाए जाएंगे। अब देखना होगा कि आईसीसी उसके खिलाफ क्या कार्रवाई कर सकता है। इस मामले में आईसीसी पाक टीम को पूरे टूर्नामेंट के लिए प्रतिबंधित कर सकता है। वहीं पीसीबी को मिलने वाला राजस्व रोका जा सकता है। पीसीबी से प्रसारकों को राजस्व नुकसान की भरपाई करने को कहा जा सकता है। इसके अलावा द्विपक्षीय सीरीज पर रोक लगायी जा सकती है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक और आईसीसी रैंकिंग भी घटाई जा सकती है। इसके अलावा पीएसएल में विदेशी खिलाड़ी के खेलने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

पाकिस्तान के आईसीसी टूर्नामेंट में खेलने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। इसके अलावा उसे दी जाने वाली सहायता भी रोकी जा सकती है। भारत-पाक टी20 मैच के लिए विज्ञापन की दर 25 लाख से 40 लाख रुपये प्रति 10 सेकेंड के बीच होती है। इससे विज्ञापन राजस्व नुकसान 200 करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है हो पीसीबी से भरने को कहा जाएगा। पाकिस्तान को सबसे अधिक राजस्व पीएसएल से मिलता पर आईसीसी उसमें विदेशी खिलाड़ियों के भाग लेने पर रोक लगा सकती है।

आईसीसी से बात करने के बाद ही अपनी प्रतिक्रिया देगा बीसीसीआई : राजीव शुक्ला

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि पाकिस्तान के टी20 विशककप में भारत के खिलाफ मुकाबले से हटने के मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से बात करने के बाद ही बोर्ड अपनी प्रतिक्रिया देगा। पाक सरकार के टी20 विश्वकप से हटने की घोषणा के बाद से ही पूर्व क्रिकेटरों ने इस इसपर बयान दिये हैं पर बीसीसीआई ने अभी कोई बयान नहीं दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप 2026 का बहुप्रतीक्षित मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है। तटस्थ स्थल होने के बाद भी पाक मुकाबले में नहीं खेलना चाहता है जिससे बांग्लादेश के मुद्दे पर विरोध दर्ज करा सके। इससे पहले आईसीसी ने बांग्लादेश को हटाकर स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किया है। बांग्लादेश सुरक्षा कारणों की वजह से भारत में कोई मैच नहीं खेलना चाहता था, आईसीसी के समझाने के बावजूद जब बांग्लादेश भारत में खेलने को तैयार नहीं हुआ तो आईसीसी ने उसे बाहर कर दिया। आईसीसी के इस फैसले पर ही अब पाकिस्तान अपनी नाराजगी दिखा रहा है। शुक्ला ने कहा कि बीसीसीआई पाकिस्तान के भारत के खिलाफ विश्व कप 2026 के ग्रुप-स्तर मैच के बहिष्कार के मामले पर आईसीसी से बात करने के बाद ही अपनी प्रतिक्रिया देगा। शुक्ला ने कहा, आईसीसी ने एक बड़ा बयान जारी किया है, उन्होंने खेल भावना के बारे में बात की है। हम आईसीसी से पूरी तरह सहमत हैं। इसीलिए उससे बात करने के बाद ही हम अपना जवाब देंगे ।

भारतीय टीम के पास टी20 विश्वकप खिताब बरकारार रखने का अच्छा अवसर : हरभजन

मुम्बई (ईएमएस)।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि टी20 विश्वकप में मेजबान भारतीय टीम के पास खिताब बरकरार रखने का अच्छा अवसर है। हरभजन के अनुसार इस बार भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफीका व अफगानिस्तान की टीमें भी सेमीफाइल में पहुंचेंगी। हरभजन ने हालांकि दो बार की विजेता इंग्लैंड को 2026 इस बार खिताबी दावेदार नहीं माना है। विश्वकप की मेजबानी भारत और श्रीलंका की टीमें संयुक्त रुप से कर रही हैं। हरभजन ने कहा कि इस बार भी भारतीय टीम के पास खिताब बरकरार रखने का अच्छा अवसर है। हरभजन ने कहा, मुझे लगता है कि भारतीय टीम के पास अपनी धरती पर मैच होने के कारण जीतने का सुनहरा मौका है, भरतीय टीम अभी काफी अच्छी है और उसे घरेलू धरती पर प्रशंसकों का भी समर्थन मिलेगा।

टी20 विश्वकप के लिए फिट हुए तिलक

मुंबई ।भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एक अच्छी खबर है। बल्लेबाज तिलक वर्मा टी20 विश्वकप के लिए फिट हो गये है। तिलक को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने खेलने की अनुमति दे दी है। ऐसे में अब वह टी20 विश्व कप से पहले दो अभ्यास मैच खेलकर मुकाबले के लिए लय हासिल करेंगे। तक की कुछ समय पहले ही सर्ज़री हुई थी और इसी का वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से भी बाहर थे। भारतीय टीम को 2026 टी20 विश्व कप के पहले मैच में 7 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में यूएसए से खेलना है। तिलक के न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर होने पर भारतीय टीम ने उनकी जगह पर ईशान किशन को शामिल किया था। ईशान ने सीरीज में जबरदस्त प्रदर्शन किया था। ऐसे में तिलक की वापसी के बाद उन्हें पारी की शुरुआत के लिए भेजा जा सकता है। से में भारत ने लगभग सभी मैचों में नंबर तीन पर इशान किशन को खिलाया। वहीं ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर के भी विश्वकप तक फिट होने की उम्मीद है। भारतीय टीम को 2026 टी20 विश्व कप के लिए ग्रुप ए में है और उसका पहला मुकाबला 7 फरवरी को मुंबई में अमेरिका से होगा।

पाक कप्तान आगा बोले, भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का फैसला हमारा नहीं, हमें पीसीबी के अनुसार ही चलना होगा

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार और क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का जो फैसला लिया है। उससे पाक प्रशंसक और खिलाड़ी भी सहमत नहीं है। टीम के कप्तान सलमान आगा के बयान से ये साबित होता है। आगा ने कहा है कि भारत के खिलाफ 15 फरवरी के मैच का बहिष्कार करने का फैसला सरकार का है हमारा नहीं। पाक सरकार ने कहा था कि टीम टूर्नामेंट मे भाग लेगी पर भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेगी। पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर किये जाने के विरोध में लिया है।

आगा ने कहा है कि टूर्नामेंट में खेलने का फैसला खिलाड़ियों के हाथ में नहीं है। उन्होंने कहा कि टीम को सरकार और क्रिकेट बोर्ड के निर्देशों का पालन करना होता है और खिलाड़ियों की निजी राय मायने नहीं रखती है। आगा ने यह भी कहा कि पाक टीम टूर्नामेंट के शेष मैच खेलेगी पर भारत के खिलाफ मैच को लेकर निर्देशों का पालन करेगी। सरकार के फैसले पर आगा ने कहा, 'हां, बिल्कुल, हम विश्वकप के लिए जाएंगे पर यह हमारा फैसला नहीं है और हम इसमें अपनी ओर से कुछ भी नहीं कर सकते। सरकार और बोर्ड जो भी निर्देश देगा। हमें उसका पालन करना होगा। जो सरकार कहेगी, वही होगा और हम वैसा ही करेंगे।' दोनो टीमों का मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में रखा गया है। पाकिस्तान, भारत के साथ ही ग्रुप ए में है, जिसमें नामीबिया, नीदरलैंड्स और अमेरिका की टीमें भी शामिल हैं. पाकिस्तान के सभी मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे।

वहीं पाकिस्तान सरकार के इस फैसले पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कड़ी नाराजगी जताते हुए यह साफ किया कि किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में इस प्रकार का फैसला स्वीकार नहीं किया जा सकता है। आईसीसी को हालांकि अभी तक पीसीबी ओर से कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है पर आईसीसी ने कहा कि तय हो चुके मैच को छोड़ना किसी भी टूर्नामेंट के सिद्धांतों के खिलाफ है। साथ ही कहा कि इसका प्रभाव लंबे समय तक पड़ेगा। आईसीसी को उम्मीद है कि पीसीबी इससे पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए अपनी फैसले पर फिर विवार करेगा। आईसीसी इस मामले में पाक कार्रवाई कर सकता है। वह विदेशी खिलाड़ियों के पाक ममें पीएसएल में खेलने पर रोक तक लगा सकता है। इसके अलावा पाकिस्तान को आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी का अधिकार भी नहीं मिलेगा।

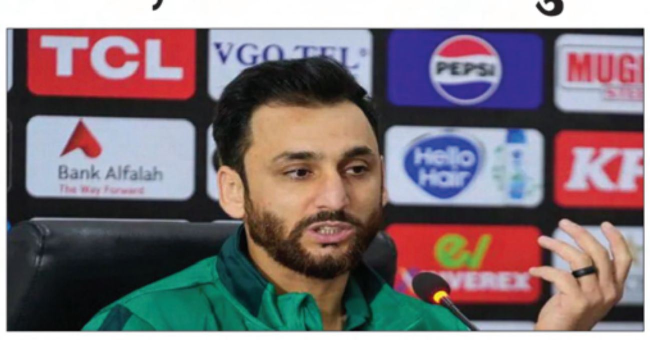

सचिन ने ऑस्ट्रेलियन विजेता अल्काराज को बधाई दी, धैर्य नहीं खोने के कारण बने विजेता

मुम्बई ।महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों में भी रुचि लेते हैं और समय-समय पर उनके स्टार खिलाड़ियों की भी प्रशंसा करते रहे हैं। इसी कड़ी में अब सचिन ने अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने वाले स्पेन के कार्लोस अल्काराज को बधाई दी है। तेंदुलकर ने पूरे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अल्काराज के संयमित खेल को धैर्य की तारीफ की। तेंदुलकर ने साशेल मीडिया में लिखा, इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक ध्यान देने योग्य बात ये थी कि अल्काराज ने अभी भी अपना धैर्य नहीं खोया। वह लंबी रैलियों में भी शांत रहे जिससे उनके विरोध खिलाड़ी पर दबाव बना रहा। उन्होंने समझदारी से अपने अवसर तलाशे। जिस तरह से उन्होंने कोर्ट में फुर्ती दिखायी उसकी हम सभी प्रशंसा करते हैं।

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी शेल्टन ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हार के बाद भी निराश नहीं, भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें

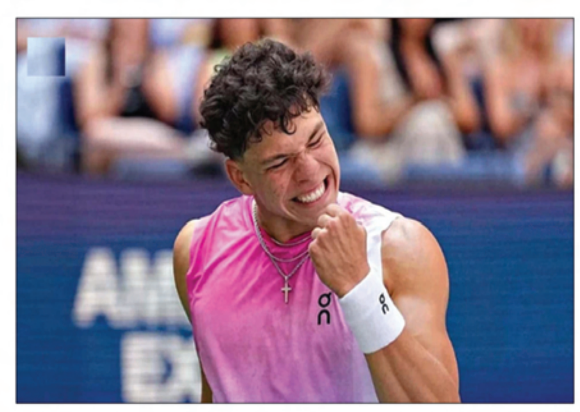

मेलबर्न (एजेंसी)। अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन ऑस्ट्रेलियाई ओपन में इटली के जैनिक सिनर के खिलाफ हार के बाद भले ही खिताबी मुकाबले से बाहर हो गये हैं पर उनका मनोबल कम नहीं हुआ है। शेल्टन का कहना है कि उसे सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी सकारात्मक बात ये है कि उसके खेल में काफी सुधार भी हुआ है और अब वह भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की तैयार करेगा। आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन इस टूर्नामेंट में क्वार्टरफाइनल तक के सफर में केवल एक सेट हारे हैं शेल्टन ने साफ कहा कि उनके खेल में सुधार हुआ है। अब वह अपने को पहले से कहीं ज्यादा संतुलित खिलाड़ी मानते हैं। शेल्टन का मानना है कि आने वाले समय में उन्हें आगे बढ़ने के लिए केवल एक जीत की ही जरुरत है। शेल्टन ने यह भी कहा कि ग्रैंड स्लैम के दबाव में खेलने केअनुभव से उन्हें सबसे ज्यादा उत्साह मिलता है। उनके अनुसार बड़े मंच पर मुकाबला करने के कारण उनहें लगातार बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है। शेल्टन ने साल 2023 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खेला था। इसके बाद से ही तीन एटीपी खिताब जीते हैं। वह एटीपी रैंकिंग में टॉप-5 में भी पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि सिनर के खिलाफ कई बार वह अच्छी स्थित में पहुंचे थे पर वह ब्रेक अंक का लाभ नहीं उठाने के कारण सफल नहीं हुए।

पीडब्ल्यूएल 2026: हरियाणा थंडर ने रोमांचक फाइनल में दिल्ली दंगल वॉरियर्स को हराया

नोएडा (एजेंसी)। हरियाणा थंडर रविवार को नोएडा इंडोर स्टेडियम में दिल्ली दंगल वॉरियर्स के खिलाफ फाइनल में आखिरी बाउट तक चले मैच के बाद प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 का चैंपियन बन गया।

आठ बाउट के बाद स्कोर 4-4 से बराबर था, नतीजा आखिरी महिलाओं की 62 किलोग्राम बाउट पर निर्भर था, जिसमें पेरिस ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट इरीना कोलियाडेन्को ने दबाव में शानदार प्रदर्शन किया। उनकी शानदार टेक्निकल जीत ने हरियाणा थंडर को 5-4 से जीत दिलाई और पीडब्ल्यूएल 2026 का खिताब दिलाया, जो लीग के इतिहास के सबसे नाटकीय फाइनल में से एक था।

हरियाणा थंडर पीडब्ल्यूएल 2026 ट्रॉफी के साथ 1.5 करोड़ रुपये की इनामी राशि घर ले जाएगा। रनर-अप, दिल्ली दंगल वॉरियर्स को 75 लाख रुपये मिलेंगे। व्यक्तिगत पुरस्कारों में, दिल्ली दंगल वॉरियर्स के तुरान बायरामोव ने 57 किलोग्राम पुरुष वर्ग में सभी 7 बाउट जीतकर और पीडब्ल्यूएल 2026 में कुल 59 अंक हासिल करके 2.5 लाख रुपये का 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' खिताब जीता। पंजाब रॉयल्स के चंदरमोहन टूर्नामेंट के टॉप पॉइंट स्कोरर थे।

नेहा सांगवान (हरियाणा थंडर) को आखिरी बाउट तक फाइनल को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए 'प्लेयर ऑफद मैच' का पुरस्कार मिला। रौनक (दिल्ली दंगल वॉरियर्स) को पुरुष 125 किलोग्राम वर्ग में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए 'फाइटर ऑफद मैच' का सम्मान मिला। 'इंपैक्ट प्लेयर ऑफ द मैच' अक्षय धेरे (हरियाणा थंडर) थे, जिन्हें 57 किलोग्राम पुरुष वर्ग में उनके मजबूत प्रदर्शन के लिए पहचाना गया।

चैंपियनशिप की रात दिल्ली ने बढ़त के साथ शुरू की, जब अजेय तुरान बायरामोव ने 74 किलोग्राम पुरुष बाउट जीती, जल्दी ही शुरुआती बढ़त बनाई और 8-1 से जीत हासिल करने के लिए नियंत्रण बनाए रखा। हरियाणा ने 76 किलोग्राम महिला वर्ग में तुरंत जवाब दिया, जहां अंडर20 विश्व चैंपियन काजल धोचक ने यूरोपीय चैंपियन अनास्तासिया अल्पीयेवा को 3-1 से हराकर स्कोर बराबर कर दिया।

65 किलोग्राम पुरुषों के मैच में मोमेंटम तब बदला जब दिल्ली के कप्तान सुजीत कल्कल ने शानदार वापसी करते हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट तुमुर ओचिर तुलगा को 8-6 से हरा दिया। हरियाणा ने तुरंत अपनी स्टार और कई बार की वर्ल्ड चैंपियन यूई सुसाकी के साथ जवाब दिया, जिन्होंने सारिका पर शानदार टेक्निकल जीत हासिल करके अपना कौशल दिखाया और स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

86 किलोग्राम पुरुषों के मैच में दिल्ली ने फिर से बढ़त बना ली, जब एशियन चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट वफाईपुर हादी बख्तियार ने अशिरोव अशरफ को 11-0 से हरा दिया। हरियाणा ने जोरदार जवाब दिया, जिसमें अक्षय धेरे ने 57 किलोग्राम पुरुषों के इवेंट में दिल्ली के अमित कुमार को टेक्निकल सुपीरियरिटी से हरा दिया।

हेवीवेट मैच निर्णायक था, जिसमें रौनक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनिरुद्ध गुलिया को 12-2 से हराया, जिससे दिल्ली को 4-3 की बढ़त मिली। हरियाणा ने हार नहीं मानी, और नेहा सांगवान ने 57 किलोग्राम महिलाओं के मुकाबले में अंजलि को पिन करके मैच को जारी रखा, जिससे स्कोर 4-4 से बराबर हो गया।

चैंपियनशिप दांव पर लगी थी, और इरीना कोलियाडेन्को ने महत्वपूर्ण 62 किलोग्राम महिलाओं के मैच में कदम रखा। अपने अनुभव और शांत स्वभाव का फायदा उठाते हुए, पेरिस ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट ने लगातार टर्न-एंड-एक्सपोजर मूव्स से अंजलि को हराया और 16-0 से टेक्निकल जीत हासिल की। इस जीत ने उन्हें हरियाणा थंडरर्स के लिए खिताब दिलाया।

भारत में मिले अनुभवों का लाभ टी20 विश्वकप में मिलेगा : सैंटनर

तिरुवनंतपुरम ।न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि उनकी टीम का लक्ष्य टी20 विश्व कप में जीत के इरादे से उतरना होगा। इसके लिए उनकी टीम पांच मैचों की टी20 सीरीज में मिले अनुभवों का लाभ उठाएगी। सैंटनर के अनुसार उनकी टीम भारत में अपने पिछले अनुभवों और विभिन्न हालातोंसे तालमेल बिठाने की क्षमता के आधार पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने का प्रयास करेगी । कीवी टीम को विश्कप में अफगानिस्तान, यूएई, दक्षिण अफीका और कनाडा के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। वह ग्रुप चरण के तीन मैच चेन्नई में और एक मैच अहमदाबाद में खेलेगा। इनमें से उसके दो मैच सुबह 11 बजे शुरू होंगे, जबकि अन्य मैच दोपहर तीन बजे और शाम सात बजे शुरू होंगे। सैंटनर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने हाल में आईपीएल में या अपने करियर के दौरान चेन्नई में मैच खेले हैं। जिसका लाभ उन्हें मिलेगा मुझे लगता है कि पिछले कुछ साल में यह देखा गया है कि चेन्नई की पिच काफी अच्छी है। सैंटनर ने कहा कि न्यूजीलैंड के पास इस चुनौती का सामना करने के लिए अनुभवी खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, दिन का खेल थोड़ा अलग होने वाला है। खिलाड़ियों को अपने रुटीन में बदलाव करना होगा। उन्हें सुबह जल्दी उठकर अभ्यास करना होगा। हम लाल मिट्टी की पिच पर एक मैच खेलने के लिए अहमदाबाद जाएंगे और फिर हम काली मिट्टी की पिच पर खेलने के लिए चेन्नई जाएंगे। इसलिए यह मैदान कुछ अलग होगा। सैंटनर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारी टीम को अलग-अलग तरह के हालातों के अनुसार अपने को ढालना होगा। चेन्नई में हम तीन मैच खेलेंगे और वहां की पिच अहमदाबाद की की पिच की तुलना में अलग रहेगी जिसके अनुसार हमें ढ़लना होगा।

अंडमान तक डोली धरती : बारामूला और द्वीप समूह में 4.6 तीव्रता के भूकंप के झटके

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के दो अलग-अलग हिस्सों में सोमवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। जम्मू-कश्मीर के बारामूला और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में आए इन झटकों से लोगों के बीच दहशत फैल गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि अब तक कहीं से भी जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार, भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुबह करीब 5:35 बजे धरती कांपी। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.6 मापी गई है। भूकंप का केंद्र पत्तन इलाका बताया जा रहा है। जिस वक्त झटके महसूस किए गए, उस समय अधिकांश लोग भीषण ठंड के कारण अपने घरों में सो रहे थे। अचानक आए कंपन के चलते लोग घबराकर बाहर निकल आए। इससे पहले, सोमवार तड़के करीब 3:30 बजे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भी 4.6 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के आंकड़ों के मुताबिक, इस भूकंप का केंद्र जमीन से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। ज्ञात हो कि अंडमान-निकोबार द्वीप समूह भूकंपीय जोन-5 में आता है, जिसे दुनिया के सबसे अधिक सक्रिय भूकंपीय क्षेत्रों में से एक माना जाता है। आपदा प्रबंधन टीमें दोनों ही क्षेत्रों में स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

वोट काटने के लिए एक बूथ ही व्यक्ति के नाम से 178 शिकायत, जांच में फर्जी पाई गई शिकायतें

भिंड (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के भिंड में एसआईआर सर्वे के बाद काटे गए वोटों को दुबारा जोड़ने के लिए जारी नोटिस का जवाब देने वोटर को फिर अपनी पहचान साबित करना पड़ रही है। इस बीच भाजपा के बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) के नाम से फॉर्म 7 भरकर बड़ी संख्या में वोट काटने की शिकायतें सामने आई हैं। जांच में फार्म 7 में की गई सभी शिकायत फर्जी साबित हुईं। शहर के बूथ क्रमांक 107, 108, 101 सहित ज्यादातर बूथ पर भाजपा बीएलए के नाम से फर्जी शिकायत मिली हैं। कई वार्ड में एक साथ 178 से अधिक वोट काटने की शिकायत आई हैं। गर्ल्स स्कूल के पास मौजूद बूथ 107 पर भाजपा बूथ बीएलए अभिषेक मिश्रा के नाम पर 178 वोट काटने की शिकायत के फार्म सामने आए हैं। इसबारे में जब भाजपा बूथ बीएलए से जानकारी ली, तब उन्होंने बताया कि उनके द्वारा कोई फॉर्म 7 नहीं भरा गया है। इस संबंध में उन्होंने लिखित रूप से अधिकारियों को जानकारी दी है। ज्ञात हो कि यह सभी फार्म 7 विधानसभा निर्वाचन ऑफिस में दिए गए थे। वोट काटने के लिए मिले शिकायती फार्म की जांच करते हुए जब शिकायतकर्ता बीएलए से जानकारी ली गई, तब उन्होंने कहां कि मैंने कोई शिकायत नहीं की है। बीएलओ सुयोग्य मिश्रा ने बताया कि फार्म 7 की शिकायतों की जांच कर इस संबंध में जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी है।

किशोरी का अपहरण और यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी को 14 साल की सख्त सजा

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर की एक फास्ट ट्रैक कोर्ट ने नाबालिग लड़की के अपहरण और यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी को 14 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने आरोपी पर 15,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह सजा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 363 (अपहरण), 376 (बलात्कार) और पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज मामले में सुनाई गई। मामले के संबंध में पुलिस ने बताया था, कि यह मामला 11 अप्रैल 2021 का है, जब एक किशोरी के अपहरण और यौन उत्पीड़न की शिकायत एमआर गंज पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई थी। शिकायत मिलते ही श्रीनगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पीड़िता को सुरक्षित बरामद किया गया और मामले से जुड़े अहम गवाहों के बयान दर्ज किए गए। पुलिस ने बताया कि जांच प्रक्रिया के तहत सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं का पालन किया गया। इसमें पीड़िता की मेडिकल और फोरेंसिक जांच, साक्ष्यों का संग्रह और परिस्थितिजन्य प्रमाण जुटाना शामिल था। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने पॉक्सो मामलों के लिए नामित श्रीनगर की फास्ट ट्रैक कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। अदालत में चले विस्तृत ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष ने पुख्ता सबूत पेश किए, जिनके आधार पर कोर्ट ने आरोपी को संदेह से परे दोषी पाया। इसके बाद 30 दिसंबर 2025 को अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 14 साल की जेल की सजा और जुर्माने का आदेश सुनाया। श्रीनगर पुलिस ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह सजा बच्चों के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामलों में पुलिस और न्याय प्रणाली की गंभीरता और प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

यात्री की शिकायत पर इंडिगो एयरलाइंस पर 25 हजार का जुर्माना

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की उपभोक्ता अदालत ने इंडिगो एयरलाइंस पर एक यात्री के साथ हुई लापरवाही के मामले में 25,000 रुपये का जुर्माना ठोक दिया है। यह घटना 5 मार्च 2024 की है, जब इंडिगो की एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान बैंकॉक से बेंगलुरु आ रही थी। उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद केबिन क्रू की लापरवाही के कारण एक यात्री पर गर्म नॉन-वेज करी गिर गई, जिससे यात्री को शारीरिक और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ी। रिपोर्ट के अनुसार, एक फ्लाइट अटेंडेंट की गलती से गर्म करी का पैकेट नीचे गिरकर सीधे यात्री के ऊपर आ पड़ा। हादसे में यात्री के कपड़े पूरी तरह खराब हो गए और यात्री को जलन, असहजता और सार्वजनिक शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। यात्री ने बताया कि वह शाकाहारी है और नॉन-वेज खाने की बदबू और दाग-धब्बों से मुझे गहरा मानसिक आघात पहुंचा। इसके अलावा, यात्री ने दावा किया कि उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और बैग को भी नुकसान हुआ। घटना के बाद इंडिगो एयरलाइंस ने अपनी गलती स्वीकार कर यात्री को 5,000 रुपये का ट्रैवल वाउचर देने की पेशकश की, लेकिन यात्री इससे संतुष्ट नहीं हुआ। उसने उपभोक्ता अदालत में शिकायत दर्ज कराई और 5 लाख रुपये मुआवजे की मांग की। मामले की सुनवाई के बाद उपभोक्ता आयोग ने माना कि ओवरहेड बिन में गर्म भोजन रखना यात्रियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है।

पुणे पोर्शे हादसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा- नाबालिगों का शराब पीना और कार चलाना बेहद दुखद

-कोर्ट ने दे दी 3 आरोपियों को जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहुचर्चित पुणे पोर्शे कार हादसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तीन आरोपियों को जमानत दे दी। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने नाबालिगों द्वारा शराब पीने और वाहन चलाने की घटनाओं पर गहरी चिंता जताते हुए इसे बेहद दुखद बताया। कोर्ट ने इस तरह की घटनाओं के लिए माता-पिता की जिम्मेदारी पर भी कड़े शब्दों में टिप्पणी की है।

मामले की सुनवाई करे रहे जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुयान की पीठ ने कहा, कि ऐसे मामलों में केवल बच्चों को ही नहीं, बल्कि माता-पिता को भी जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, क्योंकि कई बार वे अपने बच्चों पर पर्याप्त नियंत्रण नहीं रख पाते। कोर्ट ने नाबालिगों को कार चलाने की अनुमति देने और उन्हें इस तरह के जश्न में शामिल होने देने पर गहरी नाराजगी जाहिर की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नाबालिगों द्वारा शराब का सेवन और फिर तेज रफ्तार कार चलाना समाज के लिए गंभीर खतरा है।

जस्टिस नागरत्ना ने अपनी टिप्पणी में कहा, कि पहले नाबालिगों के रूप में शराब का सेवन, फिर उन्हें कार देना और इस तरह जश्न मनाना बेहद दुखद है। आखिरकार माता-पिता बच्चों पर नियंत्रण नहीं रख पाते और वे कार की चाबी ले लेते हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि मादक द्रव्यों का सेवन अपने आप में गंभीर मुद्दा है, लेकिन नाबालिगों को कार की चाबियां और मौज-मस्ती के लिए पैसे देना पूरी तरह अस्वीकार्य है। पीठ ने कहा कि शराब पीकर जश्न मनाने और तेज गति से वाहन चलाने के कारण सड़क पर चल रहे निर्दोष लोगों या सड़क किनारे सो रहे लोगों की जान जाना अत्यंत निंदनीय है। ऐसे मामलों में कानून को सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए।

जस्टिस नागरत्ना ने सामाजिक पहलू पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि आजकल कई माता-पिता के पास अपने बच्चों के साथ समय बिताने का वक्त नहीं होता। इसके विकल्प के तौर पर उन्हें पैसा, एटीएम कार्ड और सुविधाएं दे दी जाती हैं, जिससे बच्चे मोबाइल फोन और बाहरी दुनिया में ज्यादा उलझ जाते हैं। ऐसे माहौल में अनुशासन और जिम्मेदारी की कमी देखने को मिलती है।

सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट द्वारा पहले से लगाई गई शर्तों के अधीन आशीष सतीश मित्तल, आदित्य अविनाश सूद और अमर संतोष गायकवाड़ को जमानत दे दी। अदालत ने इस बात को भी ध्यान में रखा कि तीनों आरोपी करीब 18 महीने से जेल में बंद थे। गौरतलब है कि पुणे पोर्शे हादसे में तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद यह मामला देशभर में चर्चा का विषय बन गया था।

अब तक 32 : भागीरथपुरा में नगर निगम द्वारा सप्लाई दूषित पानी से संक्रमित एक और मौत, पैंसठ वर्षीय अनिता कुशवाह ने तोड़ा दम

इन्दौर (एजेंसी)। भागीरथपुरा में इन्दौर नगर निगम द्वारा सप्लाई पानी से एक और मौत के बाद अब यहां हुई मौतों का आंकड़ा 32 तक पहुंच गया है। भागीरथपुरा में आज अनिता कुशवाह पैंसठ साल की भी मौत हो गई उन्हें पहले 28 दिसंबर को उल्टी-दस्त की शिकायत पर भाग्यश्री हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। वहां दो दिन इलाज के बाद राहत के चलते डिस्चार्ज करा घर ले आएं थे लेकिन कुछ ही घंटों बाद फिर हालत बिगड़ी जिस पर उन्हें 1 जनवरी को अरबिंदो हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था फिर वहां से 4 जनवरी को बॉम्बे हॉस्पिटल शिफ्ट किया गया था। इसके बाद उनकी हालत लगातार बिगड़ती गई और उनकी किडनी भी फेल हो गई, जिसके चलते डायलिसिस करते उन्हें वेंटिलेटर पर भी रखा गया और अब उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया जिसके बाद उनकी मौत हो गई। ज्ञात हो कि अनीता कुशवाह के पहले, एकनाथ सूर्यवंशी, लक्ष्मी रजक जैन, पहलवान खूबचंद पिता गन्नूदास, राजाराम बौरासी, बद्री प्रसाद, विद्या बाई की भी भागीरथपुरा में दूषित पानी से संक्रमित होने के बाद गत सप्ताह में ही मौत हो चुकी है। और अब अनीता कुशवाह की मौत के साथ वहां मौतों का आंकड़ा 32 पर पहुंच लगातार बढ़ता ही जा रहा है। जिससे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी के अनुसार बताया कि भागीरथपुरा में दूषित पानी से संक्रमित अनीता कुशवाह का शासन की ओर से हायर सेंटर पर इलाज करवाया गया, लेकिन दुर्भाग्य से उनको बचाया नहीं जा सका।

बिहार में कौओं में बर्ड फ्लू वायरस की पुष्टि से हड़कंप, क्षेत्र में किया जा रहा सेनेटाइजेशन

-11 जनवरी को सुबह लोगों ने एक ही स्थान पर 150 से ज्यादा मृत कौओं को देखा था

भागलपुर (एजेंसी)। बिहार के भागलपुर जिले के नवगछिया अनुमंडल परिसर में बड़ी संख्या में मृत मिले कौओं में बर्ड फ्लू वायरस की पुष्टि होने के बाद हड़कंप मच गया। जांच रिपोर्ट के सामने आते ही जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है और प्रभावित क्षेत्र में एहतियाती कदम उठाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक 11 जनवरी की सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने एक ही स्थान पर पेड़ के नीचे 150 से ज्यादा मृत कौओं को देखा था। कई कौए तड़पती अवस्था में भी पाए गए थे, जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सभी मृत पक्षियों को वहां हटाया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक मामले की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग और पशुपालन विभाग की संयुक्त टीम ने मृत कौओं के सैंपल एकत्र कर जांच के लिए पटना और मध्यप्रदेश के भोपाल की उच्च स्तरीय लैब में भेजे थे। भोपाल लैब से आई रिपोर्ट में बर्ड फ्लू संक्रमण की पुष्टि हुई है। जिला पशुपालन पदाधिकारी अंजली कुमारी ने आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि रिपोर्ट मिलते ही पूरे प्रभावित क्षेत्र के चारों ओर 10 किलोमीटर के दायरे में सेनेटाइजेशन अभियान शुरू किया गया है। इसके साथ ही इलाके के सभी पोल्ट्री फार्म से सैंपल लेकर जीरो सर्विलेंस के तहत जांच की जा रही है।

बता दें 11 जनवरी को जब कौओं की मौत हुई थी, उस समय अत्यधिक ठंड थी, इसलिए पहले आशंका जताई जा रही थी कि ठंड के कारण मौत हुई होगी, लेकिन जांच के बाद केंद्र सरकार की ओर से पुष्टि हुई है कि कौओं की मौत बर्ड फ्लू के कारण हुई है। फिलहाल प्रभावित इलाकों में सेनेटाइजेशन कराया जा रहा है। जिला प्रशासन का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन किसी भी तरह की लापरवाही से बचने के लिए स्वास्थ्य और पशुपालन विभाग लगातार निगरानी कर रहा है। आम लोगों से भी सतर्क रहने और मृत पक्षियों को न छूने की अपील की है।

सीएम ममता पहुंचीं दिल्ली और बोलीं- बंगाल के लोगों के साथ देश की राजधानी में बहुत अत्याचार हो रहा

-एसआई समेत कई मुद्दों पर केंद्र को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राजधानी दिल्ली में केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला है। दिल्ली दौरे पर पहुंचीं ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजधानी में बंगाल के लोगों के साथ अत्याचार और बहुत दुर्व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) से जुड़े मुद्दों को लेकर गंभीर सवाल उठाए और कहा कि वे इन चिंताओं को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात करेंगी।

दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि वह बंगाल भवन जा रही हैं ताकि वहां मौजूद अपने लोगों से मिल सकें और दिल्ली पुलिस के कथित अत्याचारों को खुद देख सकें। उन्होंने कहा, जब गृहमंत्री बंगाल आते हैं, तो हम उन्हें रेड कार्पेट देते हैं, लेकिन जब हम दिल्ली आते हैं तो हमें ब्लैक कार्पेट दिया जाता है। कृपया बंगाल के लोगों पर हो रहे अत्याचारों को रोकिए, जिन्होंने अपनी जान तक गंवाई है। दिल्ली के हेली रोड स्थित बंगाल भवन पहुंचने के बाद ममता बनर्जी ने एक बार फिर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि एसआईआर से जुड़ी शिकायतें बेहद गंभीर हैं और इसी मुद्दे पर वह मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के चलते बंगाल के कई परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। सीएम ममता ने दावा किया कि दिल्ली में रह रहे बंगाल के लोगों को दिल्ली पुलिस बार-बार परेशान कर रही है और बंगाल भवन के आसपास कड़ी निगरानी रखी गई है। उन्होंने कहा, अगर इस देश में कोई नहीं लड़ेगा, तो मैं लड़ूंगी, हमारी पार्टी लड़ेगी। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि अगले दिन मंगलवार दोपहर 3 बजे बंगाल भवन में एक अहम बैठक और मीडिया के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी।

बजट पर राहुल गांधी के बयान पर हमलावर बीजेपी... उनसे चिदंबरम भी सहमती नहीं दिखाते

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि केंद्रीय बजट में भारत के सामने मौजूद वास्तविक संकटों से आंख मूंद ली गई। लोकसभा नेता विपक्ष राहुल गांधी के बयान के बाद बीजेपी के नेता और प्रवक्ता राहुल गांधी पर हमलावर दिख रहे हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पोस्ट में लिखा, राहुल गांधी कहते हैं कि अर्थव्यवस्था खत्म हो गई है, लेकिन आईएमएफ और दुनिया के दिग्गज कारोबारी एलन मस्क राहुल गांधी की इस बात से सहमत नहीं हैं, मानिए कि पावर का बैलेंस भारत की तरफ बदल रहा है यहां तक कि पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम भी राहुल की बातों का समर्थन नहीं करते राहुल भारत को बदनाम करने वाली ब्रिगेड का हिस्सा हैं उन्हें भारत से नफरत है वह प्रोपेगेंडा के लीडर हैं। राहुल गांधी ने पोस्ट किया, 'युवाओं के पास नौकरी नहीं है, विनिर्माण गिर रहा है, निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं, घरेलू बचत घट रही है, किसान संकट में हैं, आसन्न वैश्विक झटके, सभी को नजरअंदाज किया गया। उन्होंने दावा किया कि यह एक ऐसा बजट जिसमें चीजों को दुरुस्त करने के बजाय वास्तविक संकटों से आंख मूंद ली गई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बजट पेश किया। उन्होंने घोषणा की कि पूंजीगत व्यय का लक्ष्य बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये किया जाएगा, जो चालू वित्त वर्ष के लिए 11.2 लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने साथ ही देश में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों की घोषणा की।

मैनुअल सीवर सफाई से मौत पर 30 लाख मुआवजा अनिवार्य, सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मैनुअल सीवर सफाई और मैनुअल स्कैवेंजिंग (मैला ढोने) के दौरान होने वाली मौतों को लेकर एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि ऐसे हर मामले में अक्टूबर 2023 में दिया गया उसका फैसला लागू होगा, जिसके तहत मृतक के परिजनों को 30 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाना अनिवार्य है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि जिन मामलों में मुआवजा पहले ही तय होकर भुगतान किया जा चुका है, उन्हें दोबारा नहीं खोला जाएगा।

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पी. बी. वराले की पीठ ने 20 जनवरी को यह अहम स्पष्टीकरण राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की ओर से दाखिल एक आवेदन पर सुनवाई के दौरान दिया। नालसा ने कोर्ट को बताया था कि मैनुअल सीवर सफाई से मौत के मामलों में मुआवजे को लेकर अलग-अलग हाईकोर्ट ने भिन्न-भिन्न रुख अपनाया है, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है।

दरअसल, मद्रास हाईकोर्ट ने एक मामले में मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया था, जबकि दिल्ली हाईकोर्ट ने समान प्रकृति के एक अन्य मामले में मुआवजा राशि बढ़ाकर 30 लाख रुपये कर दी थी। इसी असमानता को दूर करने के लिए नालसा ने सुप्रीम कोर्ट से स्पष्ट दिशा-निर्देश देने की मांग की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में दो टूक कहा कि अक्टूबर 2023 में दिया गया उसका फैसला सभी लंबित मामलों पर लागू होगा। गौरतलब है कि अक्टूबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने मैनुअल सीवर सफाई के दौरान मौत के मामलों में मुआवजा राशि को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 30 लाख रुपये कर दिया था। कोर्ट ने इसे मानव गरिमा और संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताया था।

यह आदेश एक महिला की याचिका पर आया है, जो वर्ष 2022 में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जान गंवाने वाले एक सीवर सफाईकर्मी की विधवा है। याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग ने अगस्त 2023 में मुआवजा देने का आदेश दिया था, लेकिन इसके बावजूद अब तक उन्हें कोई राशि नहीं मिली है।

फैसला नजीर बनेगा

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में मुआवजा 30 लाख रुपये देने का निर्देश देते हुए यह भी कहा कि यह फैसला न केवल इस याचिकाकर्ता के लिए, बल्कि भविष्य में आने वाले सभी समान मामलों के लिए एक नजीर बनेगा। अदालत ने दोहराया कि मैनुअल स्कैवेंजिंग एक अमानवीय प्रथा है और इसके पूर्ण उन्मूलन की जिम्मेदारी राज्य और संबंधित एजेंसियों की है।

नवजोत कौर ने की पीएम मोदी की तारीफ, क्या सिद्धू परिवार की होगी घर वापसी?

-पंजाब की जनता भोलीभाली है, जिन्हें सरकार स्वार्थ के चलते मूर्ख बनाती रहती है

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा के बाद कयासबाजी का दौर शुरू हो गया है कि क्या सिद्धू परिवार की घर वापसी होने जा रही है। पीएम मोदी की पंजाब यात्रा से एक दिन पहले कांग्रेस से नाता तोड़ने वालीं नवजोत कौर सिद्धू ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए उनका स्वागत किया। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- पंजाब की जनता भोलीभाली है, जिन्हें हमारी सरकार अपने हितों और स्वार्थ के चलते मूर्ख बनाती रहती है। नवजोत कौर के इस पोस्ट से प्रदेश की सियासत गर्मा गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नवजोत कौर सिद्धू ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर कहा कि जब हमारे देश के प्रमुख हमारे राज्य को कुछ देने आते हैं, तो सभी राजनीतिक चोर उनके घर वापसी कार्यक्रम में बाधा डालने के लिए एक मंच पर क्यों इकट्ठा हो जाते हैं? हमें यह स्पष्ट समझना चाहिए कि उन्होंने वह पद और शक्ति अपने परिश्रम से अर्जित की है, ताकि वे हमारे राज्य को कुछ दे सकें। आभारी बनें। पंजाब के लोग भोले-भाले हैं और स्वार्थी सरकारें अपने हितों के चलते उन्हें हमेशा धोखा देती रही हैं। उन्होंने अपने परिवारों के लिए भारी संपत्ति बना ली है। पंजाब के लिए कुछ करना है नहीं। नवजोत कौर सिद्धू ने एक अन्य पोस्ट में लिखा- मैं संभवतः उन बहुत कम लोगों में से हूं, जिन्होंने किसी भी राजनीतिक कारण से न तो बीजेपी न आप और न ही किसी अन्य पार्टी के किसी नेता से मुलाकात की है और न ही किसी पार्टी ने मुझसे संपर्क किया है। मैं केवल वाहेगुरु के प्रति उत्तरदायी हूं और किसी और के प्रति नहीं। मैं सिर्फ पंजाब के लोगों की सेवा करना चाहती हूं, जिसे मैं एक एनजीओ बनाकर कर सकती हूं और गुरु ग्रंथ साहिब की शिक्षाओं को समझकर और जीवित विकसित संतों के सान्निध्य में रहकर निस्वार्थ सेवा और आत्मा के विकास के बारे में थोड़ा सीखते हुए अपनी आत्मा के उत्कर्ष के लिए कार्य करना चाहती हूं। नवजोत कौर सिद्धू ने एक और पोस्ट में लिखा- पंजाब के मुख्यमंत्री, जब पीएम मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे और केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब उन्होंने तीन बार स्पष्ट बहुमत से जीत हासिल की, क्योंकि वे गुजरात के हर नागरिक के प्रति जवाबदेह रहे। मुख्यमंत्री जी आप पंजाब के लोगों के पैसे का इस्तेमाल शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि आदि के लिए करने के बजाय अपने फायदे के लिए मुफ्त योजनाओं में नहीं कर सकते। आपने आपके खिलाफ बोलने वालों की आवाज दबा दी है। हर व्यक्ति का एक समय होता है और वाहेगुरु जी ही सभी के वास्तविक न्यायाधीश हैं।

टीवीके चीफ विजय का दावा- डीएमके को हराने की ताकत सिर्फ उनके पास

चेन्नई (एजेंसी)। अभिनेता से नेता बने तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने सत्तारूढ़ डीएमके पर सीधा हमला बोलते हुए कहा है कि तमिलनाडु में डीएमके को हराने की हिम्मत और ताकत सिर्फ उनकी पार्टी में ही है। उन्होंने दावा किया कि अन्याय, बुराई और भ्रष्टाचार की ताकतों को आने वाले विधानसभा चुनावों में टीवीके के चुनाव चिन्ह 'सीटी' की आवाज से ही तितर-बितर कर दिया जाएगा।

पनायूर स्थित पार्टी मुख्यालय में पार्टी की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विजय ने यह बयान दिया। इस मौके पर उन्होंने अंजलाई अम्मल, वेलु नाचियार, कामराज, पेरियार और डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्तियों पर पुष्पांजलि अर्पित की और पार्टी का झंडा फहराया। इसके बाद उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति और हर विधानसभा क्षेत्र में किए जाने वाले कार्यों पर विस्तार से चर्चा की।

विजय ने अपने भाषण में एमजीआर का जिक्र करते हुए कहा कि जिस तरह कभी एमजीआर की राजनीति में एंट्री पर सवाल उठाए गए थे, ठीक उसी तरह आज उनकी आलोचना की जा रही है। उन्होंने कहा कि जून 1977 में एमजीआर ने रेडियो पर कहा था कि उन्हें यह सोचकर दुख होता है कि जिन कुर्सियों पर कभी अन्नादुरै बैठे थे, वहां अब ऐसे लोग बैठ गए हैं। विजय ने कहा कि आज 2017 और 2021 के बाद तमिलनाडु की स्थिति देखकर लोगों की आंखों में आंसू हैं, क्योंकि कामराज, अन्ना और एमजीआर जैसे नेताओं की जगह अब ऐसे लोग सत्ता में हैं, जो जनता की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर रहे।

टीवीके प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी लोगों के आंसू पोंछने और उन्हें न्याय दिलाने के लिए बनी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष उनकी राजनीति में एंट्री को लेकर सवाल उठा रहा है और कह रहा है कि उनके पास अनुभव नहीं है। विजय ने कहा कि जब एमजीआर ने पार्टी बनाई थी, तब भी यही कहा गया था कि एक अभिनेता राजनीति में आ गया है, लेकिन तमिलनाडु की जनता ने चुनाव में उन्हें जिताकर जवाब दिया। तीन-तरफा और चार-तरफा मुकाबले पर बोलते हुए विजय ने कहा कि एक तरफ उनकी पार्टी एक बड़ी जनशक्ति के रूप में खड़ी है, दूसरी तरफ डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन है और तीसरी तरफ भाजपा तथा अन्य दल हैं। उन्होंने दावा किया कि इस समीकरण में केवल टीवीके ही डीएमके को हराने की क्षमता रखती है। विपक्ष पर तंज कसते हुए विजय ने कहा कि वे बार-बार कहते हैं कि ÷विजय घर से बाहर आओ÷, लेकिन सच्चाई यह है कि विजय हर घर में है। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन हर घर का ÷विजय और विजी÷ सुबह-सुबह पोलिंग बूथ पर पहुंचेगा, तब सबको सच्चाई समझ में आ जाएगी।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**